ಶುಭ್ ಲಾಭ್

शुभ लाभ

DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वाल्मीकि निगम घोटाला मामले में पूर्व मंत्री नागेंद्र को झटका @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 17 अक्टूबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-285

महिलाओं के खिलाफ अपराध में पश्चिम बंगाल शीर्ष पर

महिला मुख्यमंत्री के राज में महिलाओं की सुरक्षा मुश्किल

सबसे नीच अपराध में बंगाल सबसे उच्च

कोलकाता, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में ओड़ीशा की छात्रा के साथ हुए सामूहिक बलात्कार में शामिल पांच मुस्लिम लड़कों को बचाने के लिए सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) जिस तरह झूठी कहानियां गढ़ रही है और जिस तरह मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पुलिस पर आपराधिक दबाव बना रही हैं, उससे पश्चिम बंगाल सरकार की पूरे देश में थू-थू हो रही है। आम नागरिकों में चर्चा है कि एक महिला मुख्यमंत्री मुस्लिम तुष्टिकरण में इस तरह अंधी हो चुकी है कि उसे महिलाओं की इज्जत-प्रतिष्ठा की भी चिंता नहीं रही। ममता बनर्जी के इस अंधे तुष्टिकरण ने आज पश्चिम बंगाल को महिलाओं के खिलाफ अपराध में शीर्ष पर ला खड़ा किया है। लेकिन सत्ताधारियों को इससे कोई शर्मिंदगी नहीं, उन्हें केवल मुस्लिम वोट-बैंक की फिक्र है।

महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद पश्चिम बंगाल महिलाओं के लिए सबसे ज्यादा असुरक्षित राज्य बन गया है। आरजीकर अस्पताल बलात्कार एवं हत्याकांड के बाद अब दुर्गापुर सामूहिक बलात्कार और एन-सीआरबी के आंकड़े इसका

राज्यपाल बोस ने कहा: बंगाल महिलाओं के लिए असुरक्षित

खुलासा कर रहे हैं। एनसीआरबी की रिपोर्ट कहती है कि महिलाओं पर तेजाब हमले, महिलाओं के अपहरण और महिलाओं पर अपराध करने वाले दोषियों को सजा नहीं मिलने के मामले में पश्चिम बंगाल सबसे ऊपर है। यह आधिकारिक तथ्य टीएमसी सरकार की उदासीनता उजागर करते हैं।

महिलाओं की सुरक्षा और अधिकार के क्षेत्र में महिला मुख्यमंत्री का राज्य आदर्श होना चाहिए। लेकिन ममता बनर्जी की अगुवाई वाली पश्चिम बंगाल में इसकी ठीक उलट है। लगातार हो रहे यौन अपराध की घटनाएं और हाल ही में प्रकाशित नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो यानि एनसीआरबी की रिपोर्ट दर्शाती है कि राज्य सरकार महिलाओं की सुरक्षा को कमतर आंकती है। दुर्गापुर में हुए एमबीबीएस की दूसरी वर्ष की छात्रा के साथ गैंगरेप के मामले में अब तक अपू बाउरी, फिरदौस शेख और शेख रिजाउद्दीन समेत 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पीड़िता के पिता ने कहा है कि पश्चिम बंगाल में उनकी बेटी सुरक्षित नहीं है। उनका विश्वास टूट गया है और वे बंगाल में नहीं रहना चाहते।

▶10 पर

राज्यपाल ने राष्ट्रपति और गृह मंत्रालय को भेजी रिपोर्ट

कोलकाता, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस ने दुर्गापुर में दलित छात्रा के साथ हुए सामूहिक बलात्कार के मामले में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और केंद्रीय गृह मंत्रालय को एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपी है। यह रिपोर्ट राज्यपाल के दुर्गापुर दौरे पर आधारित है, जहां उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात की ती। राज्यपाल बोस ने बुधवार को कोलकाता में एक व्यावसायिक कार्यक्रम में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा पर गहरी चिंता व्यक्त की थी। उन्होंने कहा था, दुर्गापुर की घटना हाल के दिनों में महिलाओं के खिलाफ अपराध की जो घटनाएं सामने आई हैं, उनमें से एक है। अब यह कहना मुश्किल है कि पश्चिम बंगाल महिलाओं के लिए सुरक्षित राज्य है। यह घटना 10 अक्टूबर की रात को घटी। दुर्गापुर के एक निजी मेडिकल कॉलेज में पढ़ने वाली द्वितीय वर्ष की ओडिशा की छात्रा के साथ उस समय सामूहिक बलात्कार किया गया

▶10 पर

प्रधानमंत्री मोदी ने आंध्र प्रदेश को दी 13430 करोड़ की सौगात

दिल्ली और अमरावती मिलकर आगे बढ़ रही है: मोदी

कुरनूल (आंध्र प्रदेश), 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के कुरनूल में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए आंध्र प्रदेश को गौरव, संस्कृति और विज्ञान का केंद्र बताया। पीएम मोदी ने भावुकता के साथ कहा, मेरा जन्म गुजरात के सोमनाथ की धरती पर हुआ, काशी में बाबा विश्वनाथ की सेवा का मौका मिला और आज श्रीशैलम का आशीर्वाद मिल रहा है। आंध्र प्रदेश में असीम संभावनाएं हैं, बस सही दृष्टिकोण की जरूरत थी। अब चंद्रबाबू नायडू और पवन कल्याण के नेतृत्व में वह दृष्टिकोण पूरा हो रहा है, इसमें केंद्र सरकार का

कई विकास परियोजनाओं का पीएम ने किया उद्घाटन-शिलान्यास

चंद्रबाबू नायडू और पवन कल्याण की जोड़ी ने सही विजन दिया है

पूरा समर्थन है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार 16 अक्टूबर को आंध्र प्रदेश का दौरा किया। प्रधानमंत्री ने सुपर जीएसटी-सुपर सेविंग्स पर बात की और बताया कि इन सुधारों से लोगों को कितना फायदा होगा। पीएम मोदी ने कहा कि आंध्र प्रदेश की युवा शक्ति हमेशा आगे रहती है। डबल इंजन सरकार के चलते अब यह क्षमता और मजबूत हो रही है। पूरी दुनिया भारत और आंध्र की गति देख रही है। उन्होंने गर्व से कहा कि गूगल भारत का पहला आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हब यहीं आंध्र में बना रहा है। यह सुनने के बाद जनसभा में खूब तालियां बजीं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 2047 में स्वतंत्रता के 100 साल पूरे होने पर भारत विकसित देश बनेगा। 21वीं सदी भारत की होगी, 140 करोड़ हिंदुस्तानियों की सदी होगी। आंध्र विकास के रास्ते पर तेजी से दौड़ रहा है। डबल इंजन की ताकत से राज्य अभूतपूर्व प्रगति कर रहा है। जैसा चंद्रबाबू ने कहा, इस गति से 2047 तक विकसित भारत का सपना सच हो जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने विकास की कई परियोजनाएं लॉन्च कीं। सबसे पहले कुरनूल-3 पूलिंग स्टेशन पर ट्रांसमिशन सिस्टम स्ट्रेंथनिंग का शिलान्यास किया, जिसकी लागत 2,880 करोड़ है। इसमें 765 केवी की डबल सर्किट लाइन बनेगी, जो रिन्यूएबल एनर्जी को बढ़ावा देगी और 6,000 एमवीए क्षमता जोड़ेगी। फिर ओरवकल औद्योगिक क्षेत्र और कडप्पा के कोप्परथी इंडस्ट्रियल एरिया की आधारशिला रखी।

▶10 पर

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की घोषणा

वामपंथी उग्रवाद से मुक्त हुआ अबूझमाड़

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ को नक्सल मुक्त घोषित कर दिया है। पिछले दो दिनों में 258 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया और कल 120 नक्सली आत्मसमर्पण करने जा रहे हैं। अमित शाह ने इसे मोदी सरकार की नीति की बड़ी सफलता बताया और कहा कि नक्सलवाद अब अपने अंत की ओर बढ़ रहा है। गृह मंत्री ने विदेश भागे अपराधियों पर भी शिकंजा कसने की तैयारी के बारे में संकेत दिया।

अमित शाह द्वारा छत्तीसगढ़ के उत्तर बस्तर स्थित अबूझमाड़ के पहाड़ी जंगल इलाके को नक्सल मुक्त घोषित करने के पहले 170 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में शामिल होने का फैसला किया। अमित शाह ने इन सभी का स्वागत करते हुए कहा कि उन्होंने हिंसा छोड़कर भारत के संविधान में भरोसा जताया है, यह एक साहसिक और सराहनीय कदम है। उन्होंने कहा कि आज छत्तीसगढ़ में 170, कल 27 और महाराष्ट्र में 61 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। दो दिन में कुल 258 कट्टर नक्सलियों ने हिंसा छोड़ दी है। यह दिखाता है कि मोदी सरकार की रणनीति से नक्सलवाद अब खत्म होने की कगार पर है। यह देश में वामपंथी उग्रवाद के अंत की ओर बढ़ते कदम को दर्शाती है।

अमित शाह ने कहा कि अब केवल दक्षिण बस्तर के कुछ इलाकों में ही नक्सली बचे हैं, जिन्हें भी जल्द समाप्त कर दिया जाएगा।

▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट से तेलंगाना सरकार को बड़ा झटका

स्थानीय निकायों में ओबीसी कोटा नहीं बढ़ेगा

हाईकोर्ट भी खारिज कर चुका है सरकारी आदेश

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। ओबीसी कोटा मामले में तेलंगाना सरकार को सुप्रीम कोर्ट से भी तगड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना राज्य में स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण बढ़ाकर 42 प्रतिशत

करने की रेवंत रेड्डी सरकार की याचिका गुरुवार को खारिज कर दी। जस्टिस विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने मामले की सुनवाई की। तेलंगाना सरकार ने ओबीसी कोटा बढ़ाने के सरकारी आदेश (संख्या-9) पर हाईकोर्ट की रोक को चुनौती दी थी, जिसमें पिछड़ी जातियों के आरक्षण को बढ़ाने की मांग की गई थी। स्थानीय निकाय चुनावों के लिए ओबीसी को 42 प्रतिशत आरक्षण देने का अर्थ है कि कुल कोटा 67 प्रतिशत होगा। एक नीतिगत निर्णय है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने तेलंगाना सरकार के वकील अभिषेक सिंघवी से पूछा कि चुनावों की अधिसूचना जारी होने से पहले पिछड़ा वर्ग आरक्षण क्यों लागू नहीं किया गया। सिंघवी ने जवाब दिया कि राज्यपाल ने विधेयक को लंबित रखा था और यह मान्य स्वीकृति के आधार पर कानून बन गया था।

▶10 पर

गुजरात की राजनीति में अचानक हुई बड़ी हलचल

सीएम भूपेंद्र को छोड़ पूरे मंत्रिमंडल ने दिया इस्तीफा

अहमदाबाद, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुजरात की राजनीति में अचानक बड़ी हलचल दर्ज हुई। प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को छोड़ कर बाकी पूरे मंत्रिमंडल ने इस्तीफा दे दिया। इस्तीफे की असली वजह का पता नहीं चला लेकिन यह बताया गया कि शुक्रवार को राज्य मंत्रिमंडल का दोबारा गठन होगा। इस गठन में राज्य को 10 नए मंत्री मिल सकते हैं और मौजूदा मंत्रियों में

शुक्रवार को दोबारा होगा राज्य कैबिनेट का गठन

कई मंत्री बाहर हो सकते हैं।

आधिकारिक तौर पर बताया गया गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मंत्रिमंडल का विस्तार शुक्रवार सुबह 11:30 बजे होगा।

सामूहिक इस्तीफे के पहले तक गुजरात मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री पटेल समेत कुल 17 मंत्री थे। इसमें आठ कैबिनेट स्तर के मंत्री और इतने ही राज्य मंत्री (एमओएस) थे। 182 सदस्यीय विधानसभा वाले गुजरात में 27 मंत्री अथवा सदन की कुल संख्या के 15 प्रतिशत मंत्री हो सकते हैं। इस महीने की शुरुआत में गुजरात सरकार में राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा, केंद्रीय मंत्री

▶10 पर

अमेरिकी राष्ट्रपति के दावे का भारत ने किया खंडन

रूस से तेल खरीद पर कोई असर नहीं

पीएम मोदी और ट्रंप के बीच नहीं हुई कोई बात

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बड़बोले दावों से पूरी दुनिया वाकिफ हो चुकी है। ट्रंप आए दिन कुछ न कुछ दावा करते हैं लेकिन उसका हकीकत से कोई वास्ता नहीं होता है। ऐसे ही एक बार फिर ट्रंप के दावे की हवा निकली है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे का खंडन किया है। ट्रंप ने दावा किया था कि प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें कहा है कि वह रूस से अब तेल नहीं खरीदेंगे। विदेश मंत्रालय ने स्थिति

को साफ कर दिया है। भारत सरकार की तरफ से यह स्पष्ट किया गया है कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की टेलीफोन पर बात कोई बात नहीं हुई है।

भारत के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दावों को लेकर जवाब दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साफ-साफ कहा कि भारत तेल और गैस का एक महत्वपूर्ण आयातक है। अस्थिर ऊर्जा परिदृश्य में भारतीय उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना हमारी निरंतर प्राथमिकता रही है। हमारी आयात नीतियां पूरी तरह इसी उद्देश्य से निर्देशित होती हैं। स्थिर ऊर्जा मूल्य और सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित करना हमारी ऊर्जा नीति के दोहरे लक्ष्य रहे हैं। इसमें हमारी ऊर्जा आपूर्ति का आधार व्यापक बनाना और बाजार की स्थितियों के अनुरूप विविधता लाना शामिल है। लिहाजा, रूस से तेल की खरीद भारत सरकार की

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

लालू यादव बिहार में आबाद रखना चाहते हैं जंगलराज की विरासत

खूंखार अपराधी शहाबुद्दीन के अपराधी बेटे को बनाया प्रत्याशी

बाप की तरह बेटे ओसामा पर भी हैं दर्जनों आपराधिक मुकदमे

पटना, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश के लोग बिहार के कुख्यात अपराधी सरगना मोहम्मद शहाबुद्दीन का नाम अब तक भूले नहीं होंगे। नृशंस हत्यारा, डकैत, आतंकवादी और आईएसआई का एजेंट रहा शहाबुद्दीन जो बीच सड़क पर अपने विरोधियों की हत्याएं करता था। तेजाब डाल कर विरोधियों को मार डालता था। जिसे तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और बाद में मुख्यमंत्री बनी उनकी पत्नी राबड़ी देवी खुला संरक्षण देती थी उसी माफिया के बेटे ओसामा शहाब को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने रघुनाथपुर सीट से विधानसभा चुनाव का उम्मीदवार बनाया है। ओसामा शहाब भी अपने पिता

की तरह खूंखार अपराधी है और उस पर दर्जनों मुकदमे दर्ज हैं।

शहाबुद्दीन सीवान का सांसद था। 90 के दशक में वह आतंक का पर्यायवाची बन गया था। उसी शहाबुद्दीन का बेटा ओसामा अब अपने अब्बा के गुंडाराज को रघुनाथपुर में फैलाने के लिए वापस आया है। राजद ने ओसामा को टिकट देकर उसकी और अपनी भी भूमिका तय कर ली है। शहाबुद्दीन के आपराधिक जीवन का साया उसके बेटे ओसामा शहाब पर भी पड़ा। पिछले साल 2024 में ही ओसामा जेल से बाहर निकला था। ओसामा कई आपराधिक मामलों में कुछ महीनों तक जेल में बंद रहा। आखिर में उसे हाईकोर्ट से जमानत मिली। इस वक्त तक ओसामा को शहाबुद्दीन की गुंडाराज और डर की राजनीति का विरासत कहा जाने लगा था। सबसे पहला मामला हुसैनगंज थाना क्षेत्र के छपिया बुजुर्ग स्थित 42 कट्ठा जमीन में दर्ज हुआ था। उसके बाद मोतिहारी में उसके बहनोई से आपसी जमीन विवाद में फायरिंग करने पर

▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

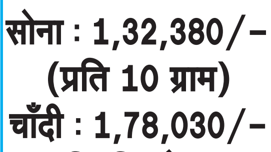

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,32,380/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,78,030/- (प्रति किलोग्राम)

हो जाए कुछ मीठा कार्यक्रम आयोजित

जीवन में धैर्य, प्रेम और सकारात्मकता का सही मिश्रण ही सफलता का स्वाद: बबीता रायसोनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शक्षम के अंतर्गत आयोजित जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ का शानदार कार्यक्रम हो जाये कुछ मीठा जीतो ऑफिस में बड़ी ही उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। लगभग 225 महिलाएं इस स्वादिष्ट और सीखने से भरे सत्र में शामिल हुईं। कार्यक्रम का शुभारंभ नवकार मंत्र और दीप प्रज्वलन से हुआ। इसके बाद चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी उपस्थित सदस्यों का हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने अपने स्वागत भाषण में कहा, आज का सत्र सिर्फ कपकेक बनाना सीखने के लिए नहीं है, बल्कि यह जीवन में मिठास घोलने की सीख है। जैसे बेकिंग में हर सामग्री का संतुलन जरूरी होता है, वैसे ही जीवन में भी धैर्य, प्रेम और सकारात्मकता का सही मिश्रण ही सफलता का स्वाद देता है। जब हम उत्साह से सीखते हैं और दूसरों के साथ बाँटते हैं, तो हर अनुभव एक उत्सव बन जाता है। उन्होंने कहा, इतनी बड़ी संख्या में सदस्यों का भाग लेना इस बात का प्रमाण है कि हमारी जीतो महिला विंग की महिलाएं कितनी उत्साही हैं। 'हो जाये कुछ मीठा' केवल केक और फ्रॉस्टिंग की वर्कशॉप नहीं, बल्कि हँसी, जुड़ाव और अपने लिए कुछ समय निकालने का सुंदर अवसर है। उच्च पंजीकरण संख्या को देखते हुए, यह सत्र दो बैचों में आयोजित किया गया ताकि हर प्रतिभागी को सीखने और देखने का पूरा अवसर मिल सके। कार्यक्रम संयोजिका सोमना सिसोदिया ने प्रशिक्षक मनीषा जैन का परिचय कराया, जो बेकसेक की संस्थापक हैं। मनीषा ने अपनी उत्साहपूर्ण और रोचक शैली में बेकिंग की बारीकियां समझाईं। उनके साथ उनकी सहयोगी समीक्षा जैन ने भी शानदार सहयोग दिया। मनीषा ने वनीला कपकेक, जार केक, त्योहारी केक, विभिन्न पाइपिंग तकनीकें, हेल्दी विकल्प, गनाश के प्रकार, विभिन्न चॉकलेट और क्रीम की जानकारी, उपयोगी कटलरी, पाइपिंग बैग, स्पैचुला आदि के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने दिखाया कि बेकिंग केवल ओवन में ही नहीं, बल्कि ओटीजी, माइक्रोवेव, कुकर और डीप पैन में भी की जा सकती है, यानी बेकिंग का असली स्वाद साधनों में नहीं, बल्कि जुनून में है। उन्होंने समझाया कि केक जलने या रबरी बनने के कारण क्या होते हैं, कैसे तेज या ज्यादा मिक्सिंग केक का टेक्सचर बिगाड़ देती है, तरल पदार्थ की मात्रा का आटे पर क्या असर पड़ता है और हवा के बुलबुले केक को कैसे प्रभावित करते हैं। यह सत्र केवल रेसिपी सीखने का नहीं बल्कि बेकिंग के पीछे के विज्ञान को समझने का एक मजेदार अनुभव बन गया। मुख्य सचिव निधि पालरेचा ने इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा, ऐसे कार्यक्रम हमें यह याद दिलाते हैं कि जब सीखना साझा किया जाता है, तब उसका स्वाद और बढ़ जाता है। आज हमने सिर्फ रेसिपी नहीं सीखी, हमने धैर्य, सटीकता और अपने हाथों से कुछ बनाने का आत्मविश्वास सीखा। यही असली सशक्तिकरण है। उन्होंने आगे कहा, हमारी जीतो महिला विंग की सदस्याएं जिस जोश और प्रेम से हर आयोजन में भाग लेती हैं, वही हमारी ताकत है। जैसे एक अच्छा केक सही अनुपात से बनता है, वैसे ही हमारी टीम भी ज्ञान, मस्ती और मैत्री के संतुलन से परिपूर्ण है। कोषाध्यक्ष संगीता पारख ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए इसे आने वाले दीपावली पर्व से जोड़ा और कहा कि दीपावली रोशनी और मिठास का पर्व है, और आज हमने सचमुच दोनों का अनुभव किया। जब हम कुछ नया सीखते हैं और उसे दूसरों के साथ बाँटते हैं, तो वह सिर्फ स्वाद नहीं बल्कि मुस्कानें भी फैलाता है। बेकिंग की तरह, दीपावली भी दिलों को रोशन करने की कला है। कार्यक्रम में केकेजी महिला विंग संयोजिका पिंकी जैन, स्मॉल हाउसहोल्ड बिजनेस एपेक्स संयोजिका बिंदु रायसोनी और श्रमण आरोग्यम संयोजिका सुनीता गांधी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। पिंकी जैन ने मैसूरु में होने वाले आगामी महिला कॉन्क्लेव की जानकारी साझा की, जिससे सभी सदस्य उत्साहित हो उठे। हाल ही में हैदराबाद कनेक्ट के कुकिंग कम्पटीशन जीतो जायका नेशनल क्यूलिनेरी क्वीन बनी जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ की सदस्या श्वेता बोकाड़िया को समानित किया गया। पहले 120 प्रतिभागियों को अर्ली बर्ड गिफ्ट्स दिए गए और सभी को कपकेक गिफ्ट पैक भेंट किए गए। कार्यक्रम के गिफ्ट स्पॉन्सर्स बेकसेक और फैब ग्रुप थे, जिन्होंने सभी उपस्थित सदस्यों को डिस्काउंट कूपन भी प्रदान किए। उपाध्यक्ष लता बोहरा, संयुक्त सचिव साक्षी नाहर एवं चंद्रा जैन और प्रबंधन समिति की सदस्याएं रेखा किशोर, तरुणा मेहता, संगीता सियाल, वनीता बच्छावत, अस्मिता चौहान और प्रिया गांधी ने दोनों बैचों को सफलतापूर्वक संचालित करने में अहम भूमिका निभाई। सह संयोजिका अंगिका बाफना ने आभार जताया।

विनय ही गुणों का सच्चा आधार: साध्वी उपासना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर में विराजित साध्वी निर्मला के सान्निध्य में साध्वी उपासना ने पच्चीसवें अध्ययन 'यज्ञीय' का हृदयस्पर्शी विवेचन करते हुए कहा कि इस प्रसंग में वाराणसी के ब्राह्मण सहोदर जयघोष और विजयघोष की कथा के माध्यम से बताया गया कि सच्चा यज्ञ हिंसा या कर्मकाण्ड नहीं, बल्कि करुणा, संयम और आत्मकल्याण का मार्ग है। गंगा तट पर जीवन-मरण के दृश्य ने जयघोष के भीतर वैराग्य का उदय किया। सत्य की खोज उन्हें श्रमण मुनियों के पास ले गई, जहां उन्होंने संयम-दीक्षा अंगीकार कर तपश्चर्या से युक्त जीवन प्रारंभ किया। एक बार मासखमण तप के पारणे हेतु जब वे वाराणसी पहुंचे, तो संयोगवश अपने भ्राता विजयघोष के यज्ञ-मण्डप में पहुंचे। विजयघोष उन्हें पहचान न सका और कहा कि यह अन्न केवल ब्राह्मणों के उद्धार हेतु है। तब मुनि जयघोष ने करुणा और ज्ञान से सच्चे ब्राह्मण का स्वरूप प्रकट किया और कहा कि वास्तव में ब्राह्मण वही है जो राग-द्वेष से रहित, अहिंसक, सत्यनिष्ठ और संयमी हो। यज्ञ वह है जिसमें जीवों की हिंसा नहीं, बल्कि करुणा और आत्मकल्याण का संकल्प हो। उनके वचनों से विजयघोष का अज्ञान मिट गया और उसने भी श्रमण-दीक्षा लेकर मोक्षमार्ग अपनाया। मतलब सच्चा यज्ञ वह नहीं जो अग्नि में अन्न डाले, बल्कि वह है जो अज्ञान की अग्नि में अहंकार का समर्पण करे। आगे छब्बीसवें अध्ययन 'खलुंकीय' का विवेचन करते हुए साध्वी ने कहा कि अविनीत शिष्य साधना के मार्ग में सबसे बड़ा अवरोध बनता है। खलुंकीय अध्ययन में खलुंकीय शब्द का अर्थ है दुष्ट बैल जैसे दुष्ट बैल किसान की आज्ञा का उल्लंघन कर गाड़ी को तोड़ देता है, वैसे ही अविनीत शिष्य गुरु की आज्ञा न मानकर धर्म-रथ को खंडित कर देता है। साध्वी उपासना ने कहा कि जो शिष्य विनय, आज्ञापालन और श्रद्धा के बिना गुरु का अनुसरण करता है, वह संयम और साधना से विमुख होकर पतन की ओर बढ़ता है। जो अनुशासन में रहकर गुरु के संकेत-आज्ञानुसार, विनय, विवेक पूर्वक प्रवृत्ति करता है वह विनीत शिष्य कहलाता है। उन्होंने संदेश दिया कि विनय वह भूमि है जहां से ज्ञान, संयम और मुक्ति के अंकुर फूटते हैं। विनयविहीन साधक उस फूल के समान है जिसमें सुगंध नहीं होती। साध्वी ऋषिता ने उत्तराध्ययन सूत्र का वाचन किया तथा अंत में साध्वी निर्मलाजी ने मंगलपाठ दिया। त्रिशला महिला मंडल मंत्री रेखा पोखरना ने प्रति बुधवार और शनिवार को प्रवचन पश्चात महिला एवं बहू मंडल द्वारा आयोजित उत्तराध्ययन सूत्र क्लास की जानकारी दी। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

समय और उम्र अनुसार जीवन में संयम जरूरी: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तीर्थंकर की वाणी अर्थ रूप में होती है। गणधर उस वाणी को सूत्र रूप में गूंथते हैं। सूत्र और अर्थ के साथ उस वाणी का भावार्थ ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। शब्दों के भावों को समझना ही विचक्षणाता है।

श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में जैन भवन में आयोजित प्रवचन में उत्तराध्ययन सूत्र का विवेचन करते हुए साध्वी इंदुप्रभा जी ने कहा कि समय और उम्र अनुसार जीवन में संयम जरूरी है। पांचों इंद्रियों पर नियंत्रण संयम है। ब्रह्मचर्य पांचों इंद्रियों पर विजय का प्रतीक है।

ब्रह्मचर्य की आराधना में हम मेरुदंड की भांति स्थिर मजबूत और सीधे रहें। शुद्ध ब्रह्मचर्य आराधना के लिए विकारों पर नियंत्रण जरूरी है और आहार पर आसक्ति कम रखने से विकारों पर नियंत्रण हो सकता है। गरिष्ठ आहार से मन वचन और काया चंचल होते हैं। ब्रह्मचर्य आत्मा का स्वभाव है और ब्रह्मचारी को देव दानव सभी नमन करते हैं। इंदुप्रभा जी ने आगे कहा कि जन्म मरण के भय से मुक्त होने के लिए संसार से आकर्षण को कम करना होगा। हम शरीर का नहीं बल्कि आत्मा का ध्यान रखें। शरीर अनित्य है और अशुचि के भंडार है। शरीर के बदले हम अपने विचारों की विभूषा करें। संत चर्या से हम जुड़े और शांत बने। सभा का संचालन करते हुए संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने बताया कि आगामी रविवार को महासति श्री सुगनकंवर जी का जन्म शताब्दी प्रसंग गुणानुवाद, जाप और सामयिक के साथ मनाया जाएगा। धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

शरीर नहीं आत्मा को सुंदर बनाने का करें प्रयास : संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि प्रभु महावीर के निर्वाण उत्सव का सभी रसा स्वादन कर रहे हैं। उनकी भव्य देशना और वाणी का आराधना चल रहा है। प्रभु महावीर अनंत उपकारी हैं। उनके उपकारों की वजह से लाखों लाखों प्राणी धर्म मार्ग पर बढ़ते हैं और पाप मार्ग से बचते हैं। संसार में रह कर जो मानव पाप करने से बच गया उसका कल्याण निश्चित है। प्रभु के बताए मार्ग पर चलने वाला बहुत संयमी हो जाता है। उनकी कृपा से मोक्ष प्राप्त करने वाले महान लोगों के वर्णन के बारे में सुन रहे हैं। उत्तराध्यन सूत्र के 19वें अध्ययन में मृगा पुत्र का उल्लेख है। जिसमें पूर्व भव के बारे में बताया गया है। कभी कभी बच्चों को पूर्व भव के बारे में याद आता है। मृगा पुत्र को पूर्व भव याद आया और वैराग्य लेने का मन जागा था। यह शरीर कब खत्म हो जाए कोई भरोसा नहीं है। शरीर गंदगी का भंडार है। बाहर से सुंदर है लेकिन अंदर का मामला बहुत खराब है। सौ बार कुल्ला करके भी अगर किसी पर थूकेंगे तो मामला गड़बड़ हो जाएगा। इसलिए कहते हैं शरीर अंदर से बहुत गंदा है। इसमें सभी का कुछ समय के लिए निवास है। कब खत्म हो जाएगा पता नहीं। सांसों का कोई ठिकाना नहीं हैं चलते चलते भी निकल जाता है। जीवन सिर्फ तमाशा है। पानी में बतासा जैसा जीवन है। धीरे धीरे खत्म हो रहा है। सांस के रुकते ही शरीर का भी मोल नहीं बचेगा। इसलिए जब तक सांस है आत्मा को तपा कर जीवन का उद्धार कर लेना चाहिए। बर्फ की दुकान वाला अगर सो जाएगा तो बर्फ गल जाएगा।

वैसे ही शरीर का हाल है। वैसे ही मृग पुत्र ने संदेश दिया कि संसार दुखों का भंडार है। संसार में जन्म के साथ मरण दुख है। संसार की सभी सुख की चीजें क्षण भर की होती हैं। इसलिए इसके मोह माया में नहीं लगना चाहिए। संसार की छोटी चीजों में उलझ कर मानव मूल चीज भूलता जा रहा है। संयम के मार्ग पर चलना आसान नहीं होता है। लेकिन जो चला गया उसकी आत्मा का कल्याण निश्चित है। शरीर में बीमारी का कब उदय हो जाए पता नहीं। इसलिए जब तक शरीर स्वस्थ है तब तक संयम के मार्ग पर चल कर जीवन का कल्याण कर लेना चाहिए। शुभ भावों से आदमी की अपार वेदना भी चली जाती है। 21वें अध्ययन में समुद्रपाल का उल्लेख है। मनुष्य कितना भी कोशिश क्यूं ना करे लेकिन कर्मों का फल तो जरूर मिलेगा। समुद्रपाल को अपराध देख कर दीक्षा लेने का वैराग्य आया था। उन्होंने संयम मार्ग धारण कर जीवन का कल्याण कर लिया। संयम बहुत सुखकारी होता है। अगर धारण कर सकते हो तो कर लो। यहां किसी चीज की चिंता नहीं है। संयम मार्ग पर चल कर जीवन बदल लेना चाहिए। सभा का संचालन महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने किया।

किशोर मंडल से पनपा पौधा बना वटवृक्ष : साध्वी संयमलता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अर्हम भवन में तेरापंथ युवक परिषद् विजयनगर द्वारा आयोजित भव्य कार्यक्रम में अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् (अभातेयुप) के नवनिर्वाचित अध्यक्ष पवन मांडोत एवं संगठन मंत्री रोहित कोठारी का अभिनंदन किया गया। साथ ही तेयुप विजयनगर को सर्वश्रेष्ठ परिषद् सम्मान प्राप्त होने पर हर्षोल्लास मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी संयमलता जी के पावन सान्निध्य में हुआ। साध्वी संयमलता जी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि तेरापंथ धर्म संघ की संस्था किशोर मंडल से पनपा एक पौधा बना वट वृक्ष का आकार ले चुका है, अरमानों को आकाश उम्मीदों को उल्लास देने वाली युवा पीढ़ी को प्रेरणा प्रोत्साहन मिल जाए तो उनकी प्रतिभा आसमान की ऊंचाइयों को छू लेती है। ऐसे ही प्रोत्साहन की मास्टर की मिली पवन जो आज अभातेयुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गए।

स्वयं के पराक्रम पुरुषार्थ, लगन, जोश व जुनून के साथ गुरु जी की कृपा से आपके व्यक्तित्व में चार चांद लग गये हैं। आप दोनों का जीवन हर दिन दिनमनी जैसा हो हर माह महनीय है, तथा हर साल सौम्यता के लिए हो। संघ व संघपति के इंगित एवं हर आदेश की पालना करते हुए सफलता के शिखर को छुएं यह मंगल कामना है।

तेयुप विजयनगर ने अपने उत्साह जोश के साथ कमलेश चोपड़ा एवं उनकी टीम ने समय व श्रम का नियोजन कर 366 परिषदो में सर्वश्रेष्ठ परिषद का खिताब हासिल किया। उनको बहुत-बहुत शुभकामनाएं। आगे भी ऐसे ही युवा शक्ति संघ भक्ति को दर्शाते हुए अनेक कार्य करती रहे। तेयुप अध्यक्ष विकास बाँठिया ने स्वागत उद्बोधन में अतिथियों का अभिनंदन किया एवं नवनिर्वाचित राष्ट्रीय पदाधिकारियों को बधाई दी। निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा ने परिषद को सर्वश्रेष्ठ परिषद सम्मान मिलने पर पूरी टीम के प्रति आभार जताया। पवन मांडोत ने मिशन 2025-27 की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बेंगलूरु की सातों परिषदों को मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। इस मौके पर विमल कटारिया, टी पी एफ राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत मांडोत, अभातेमम से राष्ट्रीय सहमंत्री मधु कटारिया, अणुविभा से कैलाश बोराणा, राजेश चावत, प्रकाश लोढ़ा, महिला मंडल अध्यक्षा महिमा पटावरी, महेंद्र टेबा, ललित मांडोत, दिनेश पोखरणा, पुखराज मेहता, अरविन्द मांडोत, बिमल सामसूखा, मुकेश सुराणा, वीणा बैद, ममता मांडोत, ममता दलाल सहित कई गणमान्य लोगों ने पवन, रोहित व तेयुप विजयनगर को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर अभातेयुप सदस्य, तेयुप पूर्व अध्यक्ष, तेयुप प्रबंध मंडल से पवन बैद, अमित नाहटा, मनीष चावत, करण मांडोत व पीयूष ललवानी सहित कार्यसमिति सदस्यो व श्रावक समाज की उपस्थिति रही।

मित्रता विशुद्ध हृदय की अभिव्यक्ति है:साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने मैत्री भावना समझाते हुए कहा कि मित्रता विशुद्ध हृदय की अभिव्यक्ति है। उसमें छल कपट या मोह भावना नहीं। मैत्री कर्तव्य पालन की शिक्षा देने वाली उत्कृष्ट भावना है। अतः सामाजिक जीवन में उसकी विशेष प्रतिष्ठा है। मित्रता मनुष्य जाति का गौरव है जो जाति, जो राष्ट्र इस गौरव को बनाये रखता है उसका कभी विनाश नहीं होता। सबके हित में अपना हित सोचने में ही मनुष्य उन्नति की ओर अग्रसर होता है। अन्यायपूर्वक किसी को दबाना अच्छा नहीं होता। दुष्टता, दुष्ट को ही खा जाती हैं।

साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि मित्रता बढ़ाने से शत्रुता कम होती है और सद्गुणों का विकास होता है। सच्ची मित्रता में भावनाओं की निपुणता और परख होती है। माता अपने बेटे के पालन में जितना धैर्य, जितनी कोमलता रखती है। सच्ची मित्रता का निर्वाह भी अटूट धैर्य और मधुर भावनाओं से होता है। मित्रता का अर्थ है मेरा कोई शत्रु नहीं है, मैं सबको आत्मभाव से देखता हूँ। सभी मेरे हितैषी हैं। मेरे ऊपर सबकी कृपा है। मैं भी लोगों के प्रति सद्भावनाएं रखता हूँ, सबके उन्नति की बात सोचता हूँ। मैं समाज का हितैषी हूँ और अपनी योग्यताओं के एक अंश का लाभ समाज को भी देता हूँ। सबके साथ मुझे प्रेम पूर्ण व्यवहार, नम्रता पूर्वक वार्तालाप और शिष्ट आचार करना भाता है। इसमें मुझे पूर्ण सुख है। सब तरह सम्पन्न हूँ। मित्रता की भावना के कारण मैंने अनन्त की अनुभूति प्राप्त कर ली है। वह मित्रता मेरे सम्पूर्ण जीवन में ओत-प्रोत हो रही है। अंबालाल शाह ने बताया कि साध्वीवृंद के सानिध्य में महावीर निर्वाण पर्व दीपोत्सव 20 अक्टूबर को मनाया जायेगा। राजु भंडारी ने बताया कि दादा गुरुदेव श्रीमद्विजय राजेन्द्र सूरिश्वर के 108 अभिषेक का लाभ संघवी सुरेश कुमार, घेवरचंद बालगोत्र परिवार ने लिया।

एसएसएस हुब्बल्ली और वटवा के बीच विशेष एक्सप्रेस ट्रेन का होगा संचालन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

दीपावली त्योहार के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए, रेलवे बोर्ड ने त्योहारी भीड़ को कम करने के लिए एसएसएस हुब्बल्ली (यूबीएल) और वटवा (वीटीए) के बीच विशेष एक्सप्रेस ट्रेनें चलाने की मंजूरी दे दी है। ट्रेन संख्या 07333 एसएसएस हुब्बल्ली-वटवा एक्सप्रेस स्पेशल 20 अक्टूबर (सोमवार) को एसएसएस हुब्बल्ली से रात 10:15 बजे रवाना होगी और अगले दिन रात 9:50 बजे वटवा पहुंचेगी।

वापसी में, ट्रेन संख्या 07334 वटवा-एसएसएस हुब्बल्ली एक्सप्रेस स्पेशल 22 अक्टूबर (बुधवार) को वटवा से रात 12:15 बजे रवाना होगी और उसी दिन रात 10:10 बजे एसएसएस हुब्बल्ली पहुंचेगी। रास्ते में इन ट्रेनों का ठहराव धारवाड़, अलनावर, लोंडा, बेलगावी, गोकक रोड, घटप्रभा, रायबाग, कुदाची, मिराज, सांगली, कराड, सतारा, पुणे, लोनावाला, कल्याण, वसई रोड, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा और आनंद स्टेशनों पर होगा। ट्रेन में कुल 19 कोच होंगे।

वाल्मीकि निगम घोटाला मामले में पूर्व मंत्री नागेंद्र को झटका

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि विकास निगम में भ्रष्टाचार के मामले में पूर्व मंत्री बी. नागेंद्र के करीबी सहयोगी नेकुंती नागराज के घर पर छापा मारा है। 10 से ज्यादा ईडी अधिकारियों ने बल्लारी स्थित उनके आवास और कार्यालयों पर अचानक छापा मारा और कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज, बैंक खाते, चल-अचल संपत्तियां और अन्य दस्तावेज जब्त किए। पूर्व मंत्री और बल्लारी ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र से वर्तमान विधायक बी. नागेंद्र के दाहिने हाथ माने जाने वाले नेकुंती नागराज इस मामले के मुख्य आरोपियों में से एक बताए जा रहे हैं। पता चला है कि उन्होंने बल्लारी लोकसभा चुनावों के दौरान पैसों के लेन-देन और मतदाताओं को अवैध रूप से पैसे बांटने सहित नागेंद्र के निर्देशन में काम किया था। ईडी अधिकारियों

ने इसी मामले के सिलसिले में बेंगलूरु और बल्लारी समेत 16 जगहों पर छापे मारे थे। कुल 16 जगहों पर छापे मारे गए, जिनमें कर्नाटक में 12 और आंध्र प्रदेश में 4 जगहें शामिल हैं। जांच के दौरान, यह पाया गया कि अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग और केजीटीटीआई का पैसा अवैध रूप से इधर-उधर किया गया था। उस समय, बी. नागेंद्र अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री थे। बैंक ऑफ बड़ौदा की सिद्धैया रोड शाखा में स्थित अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के खाते से 2.17 करोड़ रुपये एसकेआर इंफ्रास्ट्रक्चर और गोल्डन एस्टेब्लिशमेंट को हस्तांतरित किए गए। ये संस्थान बी. नागेंद्र के करीबी सहयोगी नेकुंती नागराज के थे। इस राशि में से लगभग 1.20 करोड़ रुपये नागेंद्र के सहयोगियों और रिश्तेद-ारों, जिनमें उनकी बहन, बहनोई और करीबी सहयोगी शामिल हैं, के खातों में हस्तांतरित किए गए। जांच के दौरान, यह पाया गया कि केनरा बैंक की विल्सन गार्डन शाखा में स्थित केजीटीटीआई के खाते से 64 लाख रुपये सद्गुरु एजुकेशन ट्रस्ट और सद्गुरु सॉल्यूशंस को हस्तांतरित किए गए, और फिर स्किल पॉइंट ट्रेनिंग एंड स्टाइल मशीन इंस्टीट्यूट, मेसर्स धनलक्ष्मी एंटरप्राइजेज के खाते में हस्तांतरित किए गए। बाद में पता चला कि यह रकम एन. रविकुमार (नेकुंती नागराज के भाई) और एन. यशवंत चौधरी (नेकुंती नागराज के भतीजे) के पास पहुँची थी।

21 फरवरी से 6 मई, 2024 के बीच, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के डीजीएम ने निगम के खाते से अवैध रूप से धन हस्तांतरण के माध्यम से 84.63 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी और गबन की शिकायत दर्ज कराई थी। इसके आधार पर, सीबीआई ने उसी वर्ष 3 जून को मामला दर्ज किया था। इस मामले की जांच के दौरान, यह पाया गया कि अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग और केजीटीटीआई के खातों से नागेंद्र के करीबी सहयोगियों को धन हस्तांतरित किया गया था। सीबीआई द्वारा प्रस्तुत तथ्य-खोजी रिपोर्ट के आधार पर, राज्य उच्च न्यायालय ने सीबीआई को वाल्मीकि विकास निगम के खिलाफ आर-ोपों की जांच करने की अनुमति दी थी।

केंद्रीय जाँच ब्यूरो (सीबीआई) के अधिकारियों ने बल्लारी नगर निगम के 11वें वार्ड के भाजपा सदस्य गोविंदराजू और उनके पिता, अंडा व्यापारी कुमारस्वामी के आवासों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने गांधीनगर में दूसरे मोड़ पर स्थित गोविंदराजू के आवास का निरीक्षण किया और दस्तावेज एकत्र किए। गोविंदराजू ने घोटाले के आरोपी विधायक बी. नागेंद्र और नेकुंती नागराज के माध्यम से एक मकान खरीदने के लिए व्यापार किया था। आरोप है कि इसके लिए वाल्मीकि विकास निगम के धन का इस्तेमाल किया गया था।

आबकारी विभाग ने बार मालिकों को राज्य में शराब की खपत बढ़ाने का लक्ष्य दिया!

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

टैक्स बढ़ाकर शराब प्रेमियों के निशाने पर आए आबकारी विभाग ने अब एक और नाटक शुरू कर दिया है। राजस्व बढ़ाने के लिए बारों को ज्यादा शराब पीने का लक्ष्य तय करके उसने खुद को एक नए विवाद में घसीट लिया है। केंद्र सरकार ने आबकारी विभाग को जीएसटी संशोधन से आम आदमी को हुए नुकसान की भरपाई करने और उसका फायदा उठाने का सख्त निर्देश दिया है। इसी के चलते आबकारी विभाग अब बार मालिकों पर बिक्री बढ़ाने का दबाव बना रहा है। आबकारी विभाग के अधिकारियों की एक बैठक में बार लाइसेंसधारियों को हर लीटर शराब की बिक्री पर 10 लीटर शराब बेचने का आदेश दिया गया है। बार मालिकों ने अपना गुस्सा जाहिर करते हुए जो लोग शराब नहीं पीते, उन्हें हम कैसे व्यापार के लिए लाएँ? साल दर साल बिक्री में 10 गुना वृद्धि कैसे संभव है? कुछ लोगों ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा है कि जो लोग

नशामुक्त, तंबाकूमुक्त और शराबमुक्त की बात करते हैं, वे अब पैसे के लिए पिछले दरवाजे से उनका समर्थन कर रहे हैं और दोहरी नीति का प्रदर्शन कर रहे हैं। हर चीज की एक सीमा होनी चाहिए। बढ़ती कीमतों के कारण शराब की बिक्री में कमी आई है। लेकिन उन्होंने सवाल उठाया है कि शराब पीने के मुद्दे पर हम कैसे आगे बढ़ें। सवाल यह उठता है कि क्या स्वास्थ्य की चिंता करने वालों को शराब छोड़ने के बाद भी शराब पीने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए? पड़ोसी राज्यों में शराब की कीमतों में कमी के कारण, कर्नाटक के सीमावर्ती इलाकों में शराब की बिक्री कम हुई है। इसके अलावा, राज्य के बार मालिकों को विभिन्न क्षेत्रों से शराब की थोक बिक्री के कारण मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। बार लाइसेंस की संख्या भी बढ़ा दी गई है, जिससे परेशानी और बढ़ गई है। अब दूसरी किस्त अगले दिसंबर में दी जानी चाहिए। हमें केवल अपनी आय बढ़ाने के लिए निशाना बनाया जा रहा है। अगर हमें दिया जा रहा उत्पीड़न बंद नहीं हुआ, तो आने वाले दिनों में हमें एक बड़ी लड़ाई लड़नी होगी।

भारत ने सितंबर में 1.8 अरब डॉलर मूल्य के मोबाइल फोन निर्यात किए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) के अनुमान के अनुसार, भारत ने सितंबर 2025 में 1.8 अरब डॉलर मूल्य के मोबाइल फोन निर्यात किए, जो पिछले साल की तुलना में 95 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। उद्योग निकाय ने कहा कि अप्रैल से सितंबर 2025 तक 13.5 अरब डॉलर मूल्य के मोबाइल फोन निर्यात किए गए, जो पिछले साल के 8.5 अरब डॉलर से अधिक है, और इस तरह से पिछले साल की तुलना में 60 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई। संयुक्त राज्य अमेरिका (णड), संयुक्त अरब अमीरात,

ऑस्ट्रिया, नीदरलैंड और यूनाइटेड किंगडम मोबाइल फोन निर्यात के लिए शीर्ष गंतव्य हैं। अप्रैल और सितंबर 2024 के बीच अमेरिका को निर्यात बढ़कर 3.1 अरब डॉलर हो गया और इस वर्ष इसी अवधि में 9.4 अरब डॉलर तक पहुँचने की उम्मीद है, जो 200 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। भारत के मोबाइल फोन निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत है, जो पिछले साल 37 प्रतिशत थी। आईसीईए ने अनुमान लगाया है कि भारत का मोबाइल फोन निर्यात वित्तीय वर्ष 2025-26 में 35 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा, जो पिछले वित्तीय वर्ष में 24.1 बिलियन डॉलर था।

कर्नाटक में आरएसएस से संबंध रखने वाले सरकारी अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के आईटी, बीटी और आरडीपीआर मंत्री प्रियांक खड़गे ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को पत्र लिखकर एक आधिकारिक परिपत्र जारी करने की मांग की है जिसमें सरकारी अधिकारियों को मौजूदा नियमों का उल्लंघन करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और अन्य संगठनों की गतिविधियों से जुड़ने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई हो। मंत्री ने पहले सरकारी परिसरों में आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी, जिसका भाजपा ने कड़ा विरोध किया था। एक पत्र में, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के

पुत्र खड़गे ने मुख्यमंत्री से अपील की है कि वे संबंधित अधिकारियों को एक आधिकारिक परिपत्र जारी करने का निर्देश दें, जिसमें सरकारी अधिकारियों को आरएसएस की किसी भी गतिविधि से जुड़ने पर सख्त प्रतिबंध लगाया जाए। मंत्री ने बताया कि कर्नाटक सिविल सेवा (आचरण) नियम 2021 ने सरकारी अधिकारियों को किसी भी राजनीतिक दल या राजनीति में भाग लेने वाले संगठनों का सदस्य होने या उनसे कोई संबंध रखने पर प्रतिबंध लगा दिया है। उन्होंने कहा कि सरकारी अधिकारियों को किसी भी राजनीतिक अभियान में भाग लेने, उन्हें धन मुहैया कराने या ऐसी गतिविधियों में किसी भी प्रकार की सहायता देने से प्रतिबंधित किया गया है। इन स्पष्ट निर्देशों के बावजूद, हाल ही में यह देखा गया है कि कुछ सरकारी अधिकारी और कर्मचारी आरएसएस और अन्य संगठनों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों और गतिविधियों में भाग ले रहे हैं। सरकारी संपत्तियों के परिसरों में आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री को लिखे अपने पहले पत्र में, प्रियांक खड़गे ने इस दक्षिणपंथी संगठन पर भोले-भाले युवाओं के मन में ऐसे विचार भरने का आरोप लगाया था जो संविधान की भावना और राष्ट्र की अखंडता के विरुद्ध हैं। उन्होंने आगे आरोप लगाया था कि पुलिस की अनुमति के बिना सार्वजनिक रूप से लाठियां चलाने की संघ की आक्रामक कार्रवाई मासूम युवाओं के मन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है। उनके पत्र का जवाब देते हुए, मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव से इस मामले की जांच करने और यह देखने को कहा था कि पड़ोसी राज्य तमिलनाडु आरएसएस की गतिविधियों को कैसे नियंत्रित कर रहा है। मंत्री की इस मांग की विपक्षी भाजपा और दक्षिणपंथी समूहों ने आलोचना की थी।

कर्नाटक सरकार द्वारा तीन सूचना आयुक्त नियुक्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक सरकार ने तीन राज्य सूचना आयुक्तों की नियुक्ति की। एक अधिसूचना के अनुसार, डॉ. रिचर्ड विंसेंट डिसूजा और डॉ. महेश वाल्वेकर को कर्नाटक सूचना आयोग में बेंगलूरु पीठ के लिए राज्य सूचना आयुक्त नियुक्त किया गया है, जबकि बी. वेंकट सिंह को कलबुर्गी पीठ के लिए नियुक्त किया गया है। सरकार ने इस साल जनवरी में मुख्य सूचना आयुक्त और सात सूचना आयुक्तों की नियुक्ति की थी।

खड़गे को धमकी भरे कॉल करने के आरोप में महाराष्ट्र के सोलापुर से सेल्स एक्जीक्यूटिव गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु की सदाशिव नगर पुलिस ने कर्नाटक के आईटी-बीटी मंत्री प्रियांक खड़गे को आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर कथित तौर पर धमकियां देने और गालियां देने वाले एक सेल्स एक्जीक्यूटिव का पता लगाया है। एक शिकायत के आधार पर, पुलिस की एक टीम ने आरोपी धनप्पा, जो एक एफएमसीजी कंपनी में काम करता है, को उसके कॉल रिकॉर्ड के आधार पर उसके गृहनगर - महाराष्ट्र के सोलापुर - तक पहुँचाया। पुलिस उसे बेंगलूरु ले आई है और कॉल करने का कारण जानने और प्रियांक खड़गे का संपर्क नंबर कैसे मिला, यह जानने के लिए उसे हिरासत में ले लिया है।

विजयपुरा जिले में कनेरी मठ के संत के प्रवेश पर दो महीने के लिए प्रतिबंध

विजयपुरा/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिला प्रशासन ने महाराष्ट्र के कोल्हापुर स्थित कनेरी मठ के श्री अद्रुश्य कदसिद्धेश्वर स्वामी के प्रवेश पर दो महीने के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। लिंगायतों के लिए अलग धर्म का दर्जा माँग रहे कुछ संतों के खिलाफ उनके कथित बयानों के कारण स्वामी को कई लिंगायत और अन्य संगठनों की शिकायतों और विरोध का सामना करना पड़ रहा है। दो महीने का प्रतिबंध संभावित कानून-व्यवस्था की समस्याओं को रोकने के लिए लगाया गया है। कनेरी मठ के स्वामी को बसवना बागेवाड़ी में श्री सिद्धरामेश्वर स्वामी की पुण्यतिथि के दौरान 16 और 17 अक्टूबर को विजयपुरा जिले का दौरा करना था। विजयपुरा के उपायुक्त और जिला मजिस्ट्रेट के. आनंद ने बीएनएसएस 163 के तहत एक

आदेश जारी कर स्वामी के 16 अक्टूबर से 14 दिसंबर तक जिले में प्रवेश पर रोक लगा दी है। यह आदेश महाराष्ट्र के बिलूर में एक जनसभा में स्वामी द्वारा दिए गए बयानों पर पुलिस की एक रिपोर्ट पर आधारित है। स्वामी ने कथित तौर पर लिंगायत धर्म को मान्यता देने की माँग कर रहे लिंगायत संतों के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था। उन्होंने यह भी कहा कि संतों को चप्पलों से पीटना चाहिए।

बसवना बागेवाड़ी के पुलिस उपाधीक्षक ने एक रिपोर्ट में कहा उन्होंने कई ऐसे बयान दिए हैं जिनका उद्देश्य समुदायों के बीच दुश्मनी पैदा करना है। इसके आधार पर, पुलिस अधीक्षक लक्ष्मण निम्बारागी ने जिला मजिस्ट्रेट से संत के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की। 14 अक्टूबर को विजयपुरा में एक बैठक में, विभिन्न लिंगायत संगठनों के नेताओं ने कनेरी मठ के संत के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की माँग की। जगतिका लिंगायत महासभा के नेता जे. एस. पाटिल ने कहा कि संत विवादास्पद और अपमानजनक बयान देने के आदी हैं। उन्होंने पहले भी उदारवादी और प्रगतिशील संतों और नेताओं का अपमान किया है। डॉ. पाटिल ने कहा कि उन्हें उचित अधिकारियों द्वारा फटकार लगाई जानी चाहिए। डीएसएस के जिला संयोजक चन्नू कट्टिमनी ने संत के खिलाफ एक शिकायत दर्ज कराई है और उनके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की माँग की है। विधायक और निष्कासित भाजपा नेता बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने जिला प्रशासन के इस फैसले की निंदा की है। उन्होंने मांग की है कि निषेधाज्ञा तुरंत वापस ली जाए। उन्होंने धमकी दी है कि अगर यह फैसला वापस नहीं लिया गया तो वे विजयपुरा जिले में बंद का आह्वान करेंगे।

बेंगलूरु में सर्वेक्षण की प्रगति धीमी, शाम 6 बजे से रात 9 बजे तक होगा सर्वेक्षण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी ने शहर में चल रहे सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण में अपेक्षित प्रगति न होने के कारण गुरुवार रात भी सर्वेक्षण करने का निर्णय लिया है। मुख्य सचिव ने जीबीए को शाम 6 बजे से रात 9 बजे तक बेंगलूरु में एक विशेष अभियान चलाने और सर्वेक्षण की गति बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। अब, मुख्य सचिव के पत्र के बाद, जीबीए के मुख्य आयुक्त महेश्वर राव ने शाम को एक विशेष अभियान चलाकर सर्वेक्षण में तेजी लाने का निर्णय लिया है। यह कदम उन लोगों का सर्वेक्षण पूरा करने के लिए उठाया गया है जो दिन में उपलब्ध नहीं होते हैं। बेंगलूरु की जनता से सहयोग की अपील की गई है। जीबीए के मुख्य आयुक्त ने कहा दिन में सर्वेक्षण करते समय कुछ घरों में ताले लगे थे, जिससे सर्वेक्षणकर्ताओं को परेशानी हुई। इससे सर्वेक्षण की प्रगति में बाधा

आई है। इसे ध्यान में रखते हुए, हमने शाम 6 बजे से रात 9 बजे तक सर्वेक्षण करने का निर्णय लिया है। महिला सर्वेक्षणकर्ताओं को छूट के साथ, सर्वेक्षण तीन-चार दिनों तक रात में किया जाएगा। रात में सभी लोग घर पर ही रहते हैं। जानकारी आसानी से उपलब्ध कराने के लिए यह निर्णय लिया गया है। हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि सर्वेक्षण के लिए कितने लोग उपलब्ध होंगे। कई लोगों ने सर्वेक्षण में शामिल होने से इनकार कर दिया है। हमें नहीं पता कि कितने लोग हैं, लेकिन हम गिनती कर रहे हैं और जनता को समझाने का प्रयास कर रहे हैं। सर्वेक्षण अभी भी कम संख्या में किया जा रहा है, और सर्वेक्षण की समय सीमा इस महीने की 24 तारीख तक बढ़ा दी गई है। अब तक 34 प्रतिशत सर्वेक्षण पूरा हो चुका है। सर्वेक्षण में आई रुकावट को देखते हुए, अवधि को तीन दिन और बढ़ाया जा रहा है। जीबीए सूत्रों से पता चला है कि जीबीए आयुक्त इस महीने की 27 तारीख तक अवधि बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं।

हसनम्बा मंदिर में आने वाले 80 प्रतिशत श्रद्धालु महिलाएं

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के विभिन्न हिस्सों से लाखों महिला श्रद्धालु शक्ति देवी हसनम्बा के दर्शन के लिए आ रही हैं, जो उन्हें हर साल दर्शन का अवसर प्रदान करती हैं और शक्ति योजना एक वरदान है। सार्वजनिक दर्शन शुरू होने के बाद से पिछले 6 दिनों में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं में 80 प्रतिशत महिलाएं हैं। महिलाओं को सार्वजनिक बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलने के कारण श्रद्धालुओं की यह भारी संख्या पिछले वर्ष की तुलना में बढ़ी है। उत्तर कर्नाटक के हुब्बल्ली, रायचूर, यादगीर, धारवाड़, चित्रदुर्ग, तुमकुरु, कोलार, मैसूरु, मांड्या, चिक्कबल्लापुर सहित विभिन्न जिलों और तालुकों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आ रहे हैं। 10 से 15 अगस्त तक लगभग 8,84,503 श्रद्धालुओं ने देवी के दर्शन किए

हैं। बारिश, हवा, दिन या रात की परवाह किए बिना, दर्शन के लिए कतारों में खड़े होकर उन्हें आशीर्वाद मिला है। जिला प्रशासन ने दर्शन के लिए व्यापक व्यवस्था की है और भक्तगण इसका भरपूर आनंद उठा रहे हैं। दर्शन के लिए अभी सात दिन और बचे हैं और उम्मीद है कि अपेक्षा से अधिक भक्त आएंगे। फिल्म अभिनेता, जनप्रतिनिधि और गणमान्य व्यक्ति इस मंदिर में आ चुके हैं और उचित शिष्टाचार का पालन करते हुए दर्शन कर चुके हैं। देवी के श्रृंगार में परिवर्तन के कारण गुरुवार दोपहर 2 बजे से 3:30 बजे तक दर्शन नहीं हुए। इसी प्रकार, दोपहर 12 बजे से सुबह 5 बजे तक दर्शन की सुविधा नहीं होगी। जिला प्रभारी मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने कहा कि शुक्रवार सुबह से दर्शन सामान्य रूप से शुरू हो जाएंगे।

शुभ लाभ DAILY

भाजपा गुटों की बैठक के बाद राजनीतिक गतिविधियां तेज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के भीतर कुछ दिनों से शांत पड़े मतभेद फिर से उभर आए हैं और केंद्रीय नेतृत्व पर मौजूदा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र को पद पर नहीं बने रहने देने का दबाव बढ़ गया है। बीती रात बेंगलूरु में दावणगेरे के पूर्व सांसद जी.एम. सिद्धेश्वर के आवास पर एकत्रित हुए असंतुष्टों ने मांग की है कि किसी भी हालत में विजयेंद्र को अगले कार्यकाल के लिए अध्यक्ष पद पर नहीं रखा जाए। निष्कासित विधायक बसनगौड़ा पाटिल, विधायक बी.पी. हरीश, रमेश जारकीहोली, पूर्व मंत्री अरविंद लिंबावली, कुमारा बंगारप्पा, पूर्व सांसद प्रताप सिम्हा, प्रकाश खंड्रे, शांताराज पाटिल, शिवकुमार और अन्य

मौजूद थे। खास बात यह है कि तीन दिन पहले ही दिल्ली गए पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। इससे कई अटकलें और राजनीतिक अफवाहें फैल गई थीं। बताया जा रहा है कि कई महीनों बाद, बैठक में शामिल नेताओं ने पार्टी के ताजा घटनाक्रम पर चर्चा की और फिर अपनी बात रखने दिल्ली गए। वरिष्ठ नेताओं के हस्तक्षेप के बावजूद, दावणगेरे जिले में भाजपा का संकट अभी तक सुलझ नहीं पाया है। हालांकि वरिष्ठ नेताओं ने हाल ही में दोनों गुटों के साथ बातचीत की थी, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। बताया जा रहा है कि इस पर भी चर्चा हुई। सूत्रों के अनुसार, बैठक में मौजूदा भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र सीधे तौर पर एक और कार्यकाल के लिए पद पर बने रहने के खिलाफ थे। वह पार्टी संगठन को मजबूत करने में पूरी तरह विफल रहे हैं।

वह किसी को भी विश्वास में नहीं ले रहे हैं। सब कुछ धवलगिरी तय करते हैं। यहां तक कि वरिष्ठ नेताओं का भी ध्यान नहीं रखा जाता। इसलिए, वरिष्ठ नेताओं से अपील करने का फैसला लिया गया है कि उन्हें पद पर न रखा जाए और किसी और को मौका दिया जाए। यह अनुरोध करने पर सहमति बनी है कि आरएसएस पृष्ठभूमि और संघ परिवार से जुड़े किसी प्रमुख व्यक्ति को अध्यक्ष नियुक्त किया जाए। दावणगेरे जिले में पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल लोगों को अविलंब निष्कासित किया जाना चाहिए। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस से जुड़े लोगों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जानी चाहिए। वरिष्ठ नेताओं से आग्रह किया गया है कि पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल किसी भी व्यक्ति के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाए। बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद, वरिष्ठ नेता कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष पद पर किसी को नियुक्त कर सकते हैं। अगर हम चुप रहे, तो विरोधी गुट और मजबूत हो जाएगा। अगर हमें अपना अस्तित्व बचाना है, तो हमें विजयेंद्र के प्रदेश अध्यक्ष बने रहने का विरोध करना होगा। समझा जाता है कि बैठक में इस उद्देश्य के लिए अपने मतभेदों को भुलाकर एकजुट होने का निर्णय लिया गया।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार करें स्पष्ट

किसने धमकी दी कि अगर वह भाजपा में शामिल नहीं हुए तो उन्हें जेल भेज दिया जाएगा: अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को सार्वजनिक रूप से यह बताने की चुनौती दी है कि किसने उन्हें फोन करके भाजपा में शामिल न होने पर जेल भेजने की धमकी दी थी। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा शिवकुमार ने मीडिया में जो कहा, उसे सुनकर मैं हैरान रह गया। किस अधिकारी ने उन्हें फोन करके भाजपा में शामिल होने का दबाव बनाया था। तब इसका खुलासा क्यों नहीं किया गया? अब अचानक इस मुद्दे को सामने लाने का क्या मतलब है? डी.के. शिवकुमार ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को धमकी दी होगी कि अगर उन्होंने सहमति के अनुसार सत्ता नहीं सौंपी तो वह कांग्रेस छोड़ देंगे। नवंबर क्रांति के

मुद्दे पर चर्चा के दौरान ऐसा कहने का क्या मतलब है? यह एक धमकी भरा बयान है। उन्होंने अपने अंदाज में कांग्रेस नेतृत्व को चुनौती दी है। सत्ता सौंपने का समय आ गया है। उन्होंने संदेश दिया है कि अगर मुख्यमंत्री की कुर्सी मुझे नहीं दी जाती, तो बहुत है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सिर्फ ध्यान भटकाने की एक चाल है। उन्हें खुलकर कहने दीजिए कि किसने किसे फोन किया। उनके बयान को देखकर ऐसा लग रहा है जैसे उन्होंने संदेश दिया हो कि मैं असली पार्टी हूँ, सीएम सिद्धारमैया डुप्लीकेट हैं। बारिश से पहले भाप उठती है। इसी के साथ उन्होंने चेतावनी दी कि अब क्रांति का पहला संकेत नवंबर क्रांति है। जब शिवकुमार ने हसनम्बा में दर्शन किए, तो उन्हें प्रसाद के रूप में दो फूल मिले। एक लाल फूल, यानी सिद्धारमैया के जाने का और दूसरा पीला फूल उनके सीएम की कुर्सी जाने का संकेत है। लेकिन जब मुख्यमंत्री वहाँ गए, तो उन्हें शून्य नहीं मिला। शिवकुमार को भाजपा में ले जाने के सवाल पर अशोक ने कहा कि बस में चढ़ने के बाद टिकट देना कंडक्टर का काम है। बस में चढ़ाना ड्राइवर का काम है। पहले उन्हें बस में चढ़ने दीजिए। देखते हैं कि वह किस बस में चढ़ते हैं। फिर हम तय करेंगे कि कहाँ और कौन सा टिकट देना है। लोन सिर्फ उन्हीं को मिलेगा जिन्होंने अप्लाई किया है, यानी जो सही रास्ते पर हैं उन्हें ही मौका मिलेगा।

इंफोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति, सुधा मूर्ति ने जाति सर्वेक्षण में भाग लेने से किया इनकार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। इन्फोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति और उनकी पत्नी सुधा मूर्ति ने कर्नाटक में चल रहे सामाजिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण में भाग लेने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा है कि वे किसी भी पिछड़ी जाति से नहीं हैं। बीबीएमपी के सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। कुछ दिन पहले जब सर्वेक्षण के लिए गणनाकर्ता आए, तो सुधा मूर्ति और नारायण मूर्ति ने कथित तौर पर उनसे कहा हम अपने घर पर सर्वेक्षण नहीं करवाना चाहते।

सूत्रों ने बताया कि सुधा मूर्ति ने सामाजिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण 2025 के लिए कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा जारी एक प्रोफार्मा में जानकारी देने से इनकार करने के लिए एक स्व-घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। प्रोफार्मा में लिखा है अपने कुछ व्यक्तिगत कारणों से, मैं कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा किए जा रहे सामाजिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण में जानकारी देने से इनकार कर रही हूँ। प्रोफ़ॉर्मा में लिखी बातों के अलावा, सुधा मूर्ति ने कथित तौर पर कन्नड़ में लिखा हम किसी पिछड़े समुदाय से नहीं हैं। इसलिए, हम ऐसे समूहों के लिए सरकार द्वारा आयोजित सर्वेक्षण में भाग नहीं लेंगे।

यह सर्वेक्षण 22 सितंबर को शुरू हुआ था और मूल रूप से 7 अक्टूबर को समाप्त होने वाला था, लेकिन बाद में इसे 18 अक्टूबर तक बढ़ा दिया गया।

अवैध रूप से संग्रहीत बड़ी मात्रा में पटाखे जब्त

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले में पुलिस ने कई जगहों पर छापे मारे और अवैध व असुरक्षित तरीके से रखे जा रहे भारी मात्रा में पटाखे जब्त किए। ये छापे कई थाना क्षेत्रों में मारे गए, जिनमें करकला टाउन थाना अंतर्गत मियारू, ब्रह्मवर थाना अंतर्गत कुंजालु और कोटा थाना अंतर्गत थेक्कट्टे शामिल हैं। इस दौरान भारी मात्रा में पटाखे जब्त किए गए। यह कार्रवाई सूचना मिलने के बाद की गई कि कुछ व्यापारी और व्यक्ति दीपावली से पहले अवैध रूप से पटाखे खरीदकर जमा कर रहे हैं। उडुपी के पुलिस अधीक्षक हरिराम शंकर ने कहा कि जब्त किए गए पटाखों को उचित अनुमति के तहत सुरक्षित रूप से संग्रहीत किया जाएगा और बाद में प्रक्रिया के अनुसार नष्ट कर दिया जाएगा। संबंधित पुलिस थानों में मामले दर्ज कर लिए गए हैं और आगे की जांच जारी है।

शिवकुमार ने राज्य कांग्रेस पार्टी को ब्लैकमेल किया: चलवाडी नारायणस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि उपमुख्यमंत्री डीकेशिवकुमार का बयान शायद एक मनगढ़ंत कहानी है। भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगर डी.के. शिवकुमार मुख्यमंत्री बनने का सपना देखते हैं, तो हमें कोई आपत्ति नहीं है। हालाँकि यह कहना कि उन्हें भाजपा की ओर से धमकी भरा फोन आया था सही नहीं है। अगर धमकी भरा फोन आया था, तो उन्हें शिकायत दर्ज करानी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि सच्चाई सामने आ जाती। उन्होंने उनके बयान की आलोचना करते हुए इसे बकवास बताया। उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि वह इसके जरिए कांग्रेस पार्टी को ब्लैकमेल कर रहे हैं। मुख्यमंत्री पद की

चाहत रखने वालों के लिए कई हथकंडे अपनाना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि वह भाजपा पर आरोप लगाकर कांग्रेस पार्टी या आलाकमान को ब्लैकमेल कर रहे हैं। कन्नेरी स्वामीजी के विजयपुरा जिले में प्रवेश पर प्रतिबंध के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए, उन्होंने आलोचना की कि यह सरकार जो चाहती है उसके लिए अपना मुंह खोल रही है। यह आम लोगों का मुंह बंद कर रही है। यह डीसी द्वारा स्वेच्छा से नहीं किया गया था। यह सरकार की एक रणनीति है। यह सही कदम नहीं है। हालाँकि, उन्होंने आपत्ति जताई कि यह एक जिद्दी सरकार है। उन्होंने कहा कि किसी भी अधिकारी या आम व्यक्ति के लिए, गैर-राजनीतिक संगठनों में भाग लेने के लिए कानून में कोई बाधा नहीं है। कानून कहता है कि अधिकारी राजनीतिक गतिविधियों को छोड़कर किसी भी संगठन की गतिविधियों में भाग ले सकते हैं। यह सरकार और मंत्री मूर्खतापूर्ण काम कर रहे हैं और यह दिखाने जा रहे हैं कि उनकी सरकार कानूनों से परे है। उन्होंने कहा कि किसी को इस सरकार को कानून की सीमा दिखाने की जरूरत है जो इस तरह खेल रही है जैसे कोई सीमा नहीं है। राज्य में कोई विकास नहीं है। लोगों को सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। भारी बारिश और सूखा है। इसके लिए भुगतान करने के लिए पैसे नहीं हैं। वे गड्ढों को बंद करने के योग्य नहीं हैं। जब बारिश होती है, तो बारिश का पानी शहरी इलाकों में घुस जाता है और लोगों के लिए परेशानी का कारण बनता है। ऐसे में उद्योगपतियों ने दूसरे राज्य जाने की धमकी भी दी है।

दीपावली उत्सव के लिए बेंगलूरु-वास्को-द-गामा के बीच विशेष ट्रेनें

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। दीपावली उत्सव के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए, दक्षिण पश्चिम रेलवे ने त्योहारी भीड़ को कम करने के लिए केएसआर बेंगलूरु - वास्को-द-गामा - बेंगलूरु छावनी के बीच विशेष एक्सप्रेस ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। ट्रेन संख्या 07317 केएसआर बेंगलूरु - वास्को-द-गामा एक्सप्रेस स्पेशल शुक्रवार को

रात 11.25 बजे केएसआर बेंगलूरु से रवाना होगी और अगले दिन दोपहर 02.55 बजे वास्को-द-गामा पहुंचेगी। वापसी में, ट्रेन संख्या 07318 वास्को-द-गामा - केएसआर बेंगलूरु एक्सप्रेस स्पेशल 18 अक्टूबर को शाम 5 बजे वास्को-द-गामा से रवाना होगी और अगले दिन सुबह 08.30 बजे बेंगलूरु छावनी पहुँचेगी। रास्ते में, ट्रेन संख्या 07317 बेंगलूरु कैंट, एसएमवीटी बेंगलूरु, तुमकुरु, अरसीकेरे, कदुर, चिकजाजुर, दावणगेरे, हरिहर, रानीबेन्नूर, एसएमएम हावेरी, एसएसएस हुब्बल्ली, धारवाड़, अलनावर, लोंडा, कैसल रॉक, कुलेम, संवोर्देम और मडगाँव स्टेशनों पर रुकेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 07318 बेंगलूरु कैंट की ओर विपरीत दिशा में भी इन्हीं स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में 22 डिब्बे होंगे।

पत्नी को घातक इंजेक्शन देकर मारने के आरोप में पति गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर को स्तब्ध कर देने वाली एक बेहद परेशान करने वाली घटना में, बेंगलूरु के एक जनरल सर्जन को अपनी पत्नी, जो खुद भी एक डॉक्टर हैं, की कथित तौर पर एक घातक दवा का इंजेक्शन लगाकर हत्या करने और फिर उसके परिवार को यह विश्वास दिलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है कि यह एक प्राकृतिक मौत थी।

आरोपी डॉ. महेंद्र रेड्डी पर अपनी पत्नी डॉ. कृतिका रेड्डी की उनके मराठाहल्ली स्थित आवास पर हत्या करने का आरोप है। पुलिस का कहना है कि उन्होंने एक संदिग्ध इंजेक्शन लगाया, जिससे उनकी मौत हो गई, और इस अपराध को एक चिकित्सीय जटिलता बताकर छिपाने की कोशिश की। डॉ. महेंद्र और डॉ. कृतिका की शादी 26 मई, 2024 को हुई थी। विक्टोरिया अस्पताल में त्वचा विशेषज्ञ कृतिका कथित तौर पर अपच, पेट की समस्याओं और निम्न रक्त शर्करा सहित पुरानी स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित थीं। उनकी स्थिति की पूरी जानकारी न होने के कारण, उनके परिवार ने महेंद्र के साथ उनकी शादी तय कर दी थी, जो उसी अस्पताल में काम करते थे। लेकिन शादी के तुरंत बाद, महेंद्र को उनकी बीमारियों के बारे में पता चला। कथित तौर पर, मदद देने के बजाय, उसने इलाज की आड़ में इंजेक्शन लगाना शुरू कर दिया, जिनमें से एक जानलेवा साबित हुआ।

कृतिका के पिता मुनिरेड्डी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, पहली संदिग्ध घटना 21 अप्रैल, 2025 को हुई, जब महेंद्र ने कृतिका को उनके घर पर एक अंतःशिरा इंजेक्शन दिया, यह दावा करते हुए कि इससे उसके पेट की तकलीफ कम हो जाएगी। अगले दिन, उसने उसके परिवार से कहा कि उसे आराम की जरूरत है और उसे उसके मायके में छोड़ दिया, लेकिन उसी रात एक और खुराक लेकर लौटा। 23 अप्रैल को, कृतिका ने कथित तौर पर इंजेक्शन वाली जगह पर दर्द की शिकायत की। महेंद्र ने कथित तौर पर उसे व्हाट्सऐप पर मैसेज किया और उसे इंजेक्शन न हटाने की हिदायत दी। मुनिरेड्डी ने कहा वह उसी शाम फिर आया और तीसरी खुराक दी। उन्होंने आगे कहा अगली सुबह, 24 अप्रैल को, हमने उसे पूरी तरह से बेहोश पाया। हालाँकि वह एक डॉक्टर है, उसने न तो सीपीआर किया और न ही उसे होश में लाने की कोशिश की। हम उसे तुरंत अस्पताल ले गए, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शुरुआत में, कृतिका के परिवार ने महेंद्र के इस स्पष्टीकरण को स्वीकार कर लिया कि उसकी मृत्यु उसकी मौजूदा स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़ी जटिलताओं के कारण हुई थी। महेंद्र और उसके परिवार ने कथित तौर पर पोस्टमार्टम पर भी आपत्ति जताई और बिना किसी और जांच के शव को सौंपने का अनुरोध किया।

हालाँकि, कृतिका की बहन, रेडियोलॉजिस्ट डॉ. निकिता रेड्डी को उसकी अचानक और अस्पष्टीकृत मौत पर संदेह हुआ। उन्होंने गहन जांच पर जोर दिया और मराठाहल्ली पुलिस स्टेशन में अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज कराया।

आगे की जांच से पता चला कि शादी में सामंजस्य बिल्कुल नहीं था। मुनिरेड्डी के अनुसार, महेंद्र ने कृतिका की उपेक्षा की, परिवार के फैसले अपने पिता के माध्यम से लेने पर जोर दिया, और यहां तक कि उससे सभी निजी खर्चे भी उठाने की माँग की। उसने कथित तौर पर कृतिका के माता-पिता पर एक बड़ा अस्पताल बनाने के लिए आर्थिक मदद का भी दबाव डाला। जब उन्होंने इनकार कर दिया, तो उन्होंने दंपति को मराठाहल्ली में 'स्किन एंड स्केलपेल' नामक एक क्लिनिक स्थापित करने में मदद की। एफआईआर के अनुसार, महेंद्र बिना किसी चिकित्सीय औचित्य के कृतिका को नियमित रूप से दवाइयां देता रहा। 23 अप्रैल की रात को उसकी हरकतें जानलेवा साबित हुईं। परिवार, खासकर डॉ. निकिता के लगातार प्रयासों के बाद, फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी (एफएसएल) की रिपोर्ट मंगवाई गई। रिपोर्ट में पुष्टि हुई कि कृतिका की मौत प्राकृतिक नहीं थी, बल्कि अंतःशिरा इंजेक्शन के जरिए दी गई दवा की अधिक मात्रा के कारण हुई थी। एफएसएल की रिपोर्ट के आधार पर, पुलिस ने आईपीसी की धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया और डॉ. महेंद्र रेड्डी को गिरफ्तार कर लिया।

लोकायुक्त के छापों में 12 अधिकारियों के पास से 38 करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति बरामद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भ्रष्टाचार के खिलाफ व्यापक कार्रवाई करते हुए, कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस ने नौ जिलों में 12 सरकारी अधिकारियों के ठिकानों पर एक साथ छापे मारे और 38.10 करोड़ रुपये की अघोषित और आय से अधिक संपत्ति का खुलासा किया। सुबह-सुबह की गई यह कार्रवाई बेंगलूरु शहरी और ग्रामीण, चित्रदुर्ग, दावणगेरे, हावेरी, बीदर, उडुपी, बागलकोट और हासन जिलों में आरोपियों से जुड़े 48 ठिकानों पर की गई।

लोकायुक्त अधिकारियों ने खुलासा किया कि कुल जब्त संपत्ति में 24.34 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति, करोड़ों रुपये मूल्य के आभूषण और शेयर जैसी चल संपत्तियां और कुल 1.20 करोड़ रुपये नकद शामिल हैं। सबसे बड़ी नकदी बरामदगी बीदर में हुई, जहां एक अधिकारी के आवास से 83.09 लाख रुपये नकद जब्त किए गए। एक वरिष्ठ लोकायुक्त अधिकारी ने इन छापों को हाल के दिनों में की गई सबसे महत्वपूर्ण कार्रवाइयों में से एक बताया, जो राज्य की नौकरशाही में जड़ जमाए भ्रष्टाचार से निपटने के लिए एजेंसी के गहन प्रयासों को दर्शाता है। जांच के दायरे में आने वाले प्रमुख लोगों में राज्य स्कूल शिक्षा, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण विभाग की निदेशक वी. सुमंगला भी शामिल हैं, जो वर्तमान में निलंबित हैं। उन पर 7.32 करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। उनसे जुड़ी संपत्तियों में चार आवासीय भूखंड, पाँच मकान और 19 एकड़ कृषि भूमि शामिल है। इसके अतिरिक्त, अधिकारियों ने 2.24 करोड़ रुपये मूल्य की चल संपत्ति भी बरामद की। उनकी कुल अचल संपत्ति 5.08 करोड़ रुपये आंकी गई है। जाँचकर्ताओं को

उनके नाम पर 1 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का सोना और आभूषण, साथ ही 96.73 लाख रुपये मूल्य के शेयर भी मिले। जांच से जुड़े एक सूत्र ने कहा उनका पोर्टफोलियो उनके ज्ञात आय स्रोतों से कहीं अधिक है। संपत्ति संचय का यह स्तर गंभीर खतरे की घंटी बजाता है। जांच में नामित एक अन्य प्रमुख अधिकारी एन चंद्रशेखर हैं, जो चित्रदुर्ग जिले के होललकेरे में कृषि विभाग के सहायक निदेशक हैं। उन पर कुल 5.14 करोड़ रुपये की आय से अधिक संपत्ति रखने का आरोप है। लोकायुक्त की रिपोर्ट में उनके स्वामित्व में चार प्लॉट, तीन मकान और 15 एकड़ 8 गुंटा कृषि भूमि का उल्लेख है। जांचकर्ताओं को 60.39 लाख रुपये मूल्य के आभूषण और 1.12 करोड़ रुपये की चल संपत्ति मिली। बेंगलूरु ग्रामीण जिले में कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) के सर्वेक्षक एन के गंगामारीगौड़ा का भी नाम सूची में है।

अधिकारियों के अनुसार, उनके पास दो प्लॉट और दो मकानों सहित 4.66 करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति थी। उनकी अचल संपत्ति का मूल्य अकेले 3.58 करोड़ रुपये है, और छापेमारी के दौरान 7.73 लाख रुपये नकद भी बरामद किए गए। लोकायुक्त ने अब जब्त की गई संपत्ति की तुलना अभियुक्तों की घोषित आय से करने के लिए विस्तृत सत्यापन प्रक्रिया शुरू कर दी है। कानूनी कार्यवाही चल रही है, और अधिकारियों ने पुष्टि की है कि कई मामलों में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत अभियोजन की तैयारी की जा रही है। जांच से परिचित एक भ्रष्टाचार-निरोधक अधिकारी ने कहा यह सिर्फ एक या दो अलग-थलग मामलों की बात नहीं है। यह व्यवस्था में गहरी सड़न की ओर इशारा करता है।

छापों ने सरकारी सेवाओं में भ्रष्टाचार और प्रभावी आंतरिक जवाबदेही तंत्र की कमी को लेकर सार्वजनिक बहस को जन्म दिया है। कथित तौर पर भारी मात्रा में सार्वजनिक धन की हेराफेरी के साथ, अधिकारियों पर निर्णायक कार्रवाई करने और त्वरित अभियोजन सुनिश्चित करने का दबाव बढ़ रहा है। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ेगी, और भी अधिकारी जाँच के दायरे में आ सकते हैं। लोकायुक्त विभाग के सूत्रों ने आने वाले दिनों में और छापे और निलंबन की संभावना का संकेत दिया है।

ऑपरेशन के दौरान दुनिया ने देखी भारतीय सैनिकों और देश की बढ़ती शक्तिः राजनाथ

पुणे, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने भारतीय सैनिकों की वीरता और देश की बढ़ती स्वदेशी शक्ति को देखा और उसका लोहा माना।

श्री सिंह ने गुरुवार को पुणे में सिम्बायोसिस स्किल्स एंड प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों से कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की बढ़ती स्वदेशी शक्ति का एक ज्वलंत प्रमाण है, जो देश में आत्मनिर्भर रक्षा विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने के सरकार के अथक प्रयासों से प्राप्त हुआ है। उन्होंने विद्यार्थियों को विश्वास और दृढ़ता जैसे गुणों के महत्व समझाते हुए कहा कि जब सरकार ने रक्षा क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाना शुरू किया, तो आरंभ में यह कठिन लग रहा था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में घरेलू रक्षा विनिर्माण के विस्तार में कोई कसर न छोड़ते हुए पूरी कोशिश की गयी। इसी संकल्प के कारण सकारात्मक परिणाम मिलने लगे।

उन्होंने कहा, हमने रक्षा क्षेत्र में बदलाव का संकल्प लिया है क्योंकि देश की स्वतंत्रता के बाद से ही हम हथियारों के लिए दूसरे देशों पर बहुत अधिक निर्भर रहे हैं। हम हथियार खरीदने के आदी हो गए थे और यह सब इसलिए हो रहा था क्योंकि हमारे पास भारत में निर्माण करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी थी। हमारे पास रक्षा निर्माण को बढ़ावा देने संबंधी क़ानून भी नहीं थे। इसमें बदलाव की आवश्यकता थी। अब हमारा संकल्प है कि भारत अपने सैनिकों के लिए स्वदेश में निर्मित हथियार बनाए। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पूरी दुनिया ने हमारे सैनिकों की वीरता देखी। उन्होंने निर्धारित व्यापक लक्ष्य देश में निर्मित रक्षा उपकरणों के उपयोग से ही हासिल किया।

रक्षा निर्माण में युवाओं के योगदान की चर्चा करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में सालाना रक्षा क्षेत्र का उत्पादन 46 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर रिकॉर्ड डेढ़ लाख करोड़ रुपये का हो गया है।

इसमें निजी क्षेत्र का योगदान लगभग 33 हजार करोड़ रुपये का है। इस दौरान उन्होंने 2029 तक तीन लाख करोड़ रुपये के रक्षा विनिर्माण लक्ष्य और 50 हजार करोड़ रुपये का निर्यात लक्ष्य हासिल होने का विश्वास व्यक्त किया।

उन्होंने विद्यार्थियों से शैक्षणिक उपलब्धियों से आगे बढ़कर सृजनकर्ता, नवोन्मेषक और राष्ट्रीय विकास में योगदानकर्ता बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सच्ची सफलता केवल शैक्षणिक उपाधि हासिल करने में नहीं, बल्कि सामाजिक लाभ के लिए ज्ञान के सार्थक उपयोग में निहित है।

श्री सिंह ने भारत के भविष्य को आकार देने में कौशल विकास के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा, अब हम आप क्या जानते हैं? के युग में नहीं हैं, बल्कि दुनिया पूछती है, आप क्या कर सकते हैं? इससे स्पष्ट है जो ज्ञान उपयोग में नहीं लाया जा सकता, वह अधूरा है। उन्होंने कहा कि कौशल ही सीखने और काम को अंजाम देने के बीच का सेतु है।

उन्होंने प्रौद्योगिकी में विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धि (एआई) के प्रभाव का उल्लेख करते हुए इस आशंका को निर्मूल बताया कि इससे नौकरी जाएंगी और मानव श्रम की आवश्यकता समाप्त होगी। उन्होंने कहा कि एआई कभी मानव श्रम की जगह नहीं लेगा, बल्कि जो लोग एआई का उपयोग करते हैं, वे उन लोगों की जगह लेंगे जो इसका इस्तेमाल नहीं करते हैं।

रक्षा मंत्री ने कहा कि तकनीक को मानवीय संवेदनशीलता, मूल्यों और नैतिकता का विकल्प नहीं, बल्कि साधन मात्र बनाए रखना चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया और बाहरी दबावों से उत्पन्न चुनौतियों की भी चर्चा की। उन्होंने युवाओं से तुलनाओं में उलझने की बजाय अपने सपनों को साकार करने का आह्वान किया।

उन्होंने भारत के 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य के साथ अमृत काल में प्रवेश करने के युग में को लेकर विद्यार्थियों से कहा कि वे अपने जीवन के सबसे निर्णायक दौर में प्रवेश कर रहे हैं और अगला 20 से 25 साल उनके करियर को आकार देने के साथ ही राष्ट्र के भाग्य को भी निर्णायक स्वरूप प्रदान करेगा। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी महत्वाकांक्षा को देश में बदलाव का प्रेरक बनाने का आह्वान किया।

इस समारोह में श्री सिंह और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्कूल ऑफ डिफेंस एंड एयरोस्पेस टेक्नोलॉजी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राज्य सरकार के अन्य मंत्री और विश्वविद्यालय के कुलपति उपस्थित थे।

जम्मू कश्मीर राज्यसभा चुनाव

पीडीपी की सौदेबाजी से जूझ रही है नेकां

जम्मू, 16 अक्टूबर (ब्यूरो)। सत्ताधारी नेशनल कॉन्फ्रेंस नेकां को डर था कि राज्यसभा चुनावों के लिए भाजपा सौदेबाजी और खरीद फरोख्त पर उतरेगी पर वह उस समय हैरान रह गई जब पीडीपी ने समर्थन के बदले समर्थन की मांग कर सौदेबाजी करनी आरंभ कर दी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्षा महबूबा मुफ्ती ने गुरुवार को कहा कि पार्टी राज्यसभा चुनावों में समर्थन देगी, बशर्ते सरकार पीडीपी द्वारा प्रायोजित भूमि अधिकार विधेयक और जम्मू कश्मीर विधानसभा में दिहाड़ी मजदूरों के नियमितीकरण विधेयक का समर्थन करे।

महबूबा ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने उनसे समर्थन मांगा है और उनकी पार्टी आगामी राज्यसभा चुनावों में नेशनल कॉन्फ्रेंस का समर्थन करने पर विचार कर सकती है। महबूबा मुफ्ती ने कहा, फारूक साहब ने मुझे फोन किया और राज्यसभा चुनावों के लिए पीडीपी का समर्थन मांगा। हमारा नेतृत्व मिलकर इस मामले पर चर्चा करेगा। हालांकि, मैंने उन्हें यह भी बताया कि हमने भूमि अधिकारों और दिहाड़ी मजदूरों से संबंधित महत्वपूर्ण विधेयक पेश किए हैं। अगर सरकार इन विधेयकों को पारित करने में अपना सहयोग देती है, तो शायद हम इस पर विचार करेंगे।

याद रहे पीडीपी लंबे समय से केंद्र शासित प्रदेश में भूमि स्वामित्व और दिहाड़ी मजदूरों के नियमितीकरण से संबंधित सुधारों की वकालत करती रही है। गौरतलब है कि पीडीपी का दावा है कि अगर ये विधेयक पारित हो जाते हैं, तो हजारों परिवारों, खासकर ग्रामीण इलाकों और अस्थायी सरकारी कर्मचारियों को लाभ होने की उम्मीद है। इस बीच, नेशनल कॉन्फ्रेंस, जिसने हाल ही में अपने उम्मीदवारों के लिए पीडीपी का समर्थन मांगा था, ने अभी तक इस प्रस्ताव पर औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। गौरतलब है कि पीडीपी ने पिछले विधानसभा सत्र में शराबबंदी और दिहाड़ी मजदूरी नियमितीकरण से संबंधित विधेयक पेश किए थे। इन विधेयकों के वित्तीय निहितार्थ भी महत्वपूर्ण हैं, और पार्टी ने सत्र के दौरान भूमि नियमितीकरण से संबंधित एक विधेयक भी पेश किया है।

फिर से दो राजधानियों का होगा जम्मू कश्मीर

सीएम उमर ने दरबार-मूव फिर बहाल करने की घोषणा की

जम्मू, 16 अक्टूबर (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने चार साल से ज्यादा समय के अंतराल के बाद पारंपरिक द्विवार्षिक दरबार-मूव की बहाली की घोषणा की। उपराज्यपाल ने द्विवार्षिक दरबार मूव की इस प्रथा पर रोक लगा दी थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कैबिनेट ने सदियों पुरानी इस प्रथा को फिर से शुरू करने की मंजूरी दे दी है। फाइल उपराज्यपाल को भेजी गई थी और वहां से भी मंजूरी मिल गई है। सरकार जल्द ही इस प्रथा को फिर से शुरू कर रही है। कैबिनेट ने इस साल सितंबर में पूर्ण दरबार मूव की वापसी की सिफारिश की थी।

उपराज्यपाल ने 2021 में सरकारी खजाने में लगभग 200 करोड़ रुपए की वार्षिक बचत का हवाला देते हुए इस प्रथा को समाप्त कर दिया था। पिछले साल दिसंबर में सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा था, दरबार मूव बहाल किया जाएगा। जम्मू का अपना महत्व है और हम इसकी विशिष्टता को कम नहीं होने देंगे। उप मुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने भी इस कदम का समर्थन किया था और जम्मू की अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव का उल्लेख किया था। उन्होंने कहा था कि दरबार मूव ने होटलों, परिवहन और स्थानीय उद्योगों के लिए व्यवसाय उत्पन्न करके रोजगार और आजीविका को बढ़ावा दिया। हालांकि केवल सरकारी नौकरियां सभी की रोजगार की जरूरतों को पूरा नहीं कर सकती थीं, लेकिन इस परंपरा ने वैकल्पिक अवसर पैदा किए। यह प्रथा मूल रूप से डोगरा महाराजाओं द्वारा जम्मू और कश्मीर क्षेत्रों के बीच आर्थिक संतुलन बनाए रखने के लिए शुरू की गई थी। हमारी सरकार इस विरासत का सम्मान करती है और अपने लोगों की समृद्धि के लिए इसे बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

हर बच्चे की सुरक्षा और हर समुदाय में सद्भावना शांति अभियानों का लक्ष्य होना चाहिए: मुर्मू

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शांति अभियानों में शामिल देशों से कहा है कि शांति संरक्षक के रूप में उन्हें ऐसे विश्व का निर्माण करना चाहिए जहां हर बच्चा सुरक्षित हो, हर समुदाय सद्भावना से भरा हों और संघर्ष इतिहास के पन्नों में सिमट कर रह जाएं। संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में योगदान देने वाले देशों के सैन्य प्रमुखों के यहां आयोजित सम्मेलन में भाग लेने वाले सेना प्रमुखों और उप-प्रमुखों ने गुरूवार को यहां राष्ट्रपति भवन में श्रीमती मुर्मु से मुलाकात की। राष्ट्रपति ने उन्हें संबोधित करते हुए कहा कि वे अपने देशों के सर्वोत्तम मूल्यों और लोकाचार के गौरवशाली प्रतिनिधि हैं जो स्थायी शांति और समृद्धि के प्रति अपने राष्ट्रों के अनुभव, विशेषज्ञता और संकल्प का भंडार साथ लाए हैं।

उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षक विश्व में 71 विभिन्न अभियानों में तैनात किए गए हैं। इन शांति अभियानों का उद्देश्य निर्दोष व्यक्तियों खासतौर पर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की पीड़ा दूर करना है। उन्होंने कहा कि दुनिया के सुदूर और दूर-दराज के स्थानों पर तैनात संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षकों ने इस कार्य के दौरान अनुकरणीय साहस और करुणा प्रदर्शित की है।

राष्ट्रपति ने कहा कि सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के रूप में भारत बहुपक्षवाद और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों के दृढ़ता से पालन में विश्वास रखता है। संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षकों की स्थापना के बाद से ही भारत को निरंतर शांति रक्षकों के योगदान देने का गर्व है। उन्होंने कहा कि हमारे शांति रक्षकों ने दुनिया भर के कुछ सबसे चुनौतीपूर्ण अभियानों में विशिष्ट भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि शांति स्थापना के प्रयासों में भारत ने लैंगिक समावेशन में भी सराहनीय प्रगति की है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि महिला शांतिरक्षकों ने स्थानीय समुदायों के बीच विश्वास बढ़ाया है और उन्हें सशक्त बनाया है।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि शांति स्थापना के बड़े कार्य में वीर महिलाओं और पुरुषों का योगदान देने वाले राष्ट्रों के रूप में, हमें सामूहिक तौर पर ऐसा ढांचे विकसित करने का प्रयास करना चाहिए जो सैन्य योगदानकर्ता देशों की आवाज और मज़बूत करें। राष्ट्रपति ने कहा कि हमें स्थानीय हितधारकों के साथ अधिक सक्रियता से जुड़ने के लिए काम करना चाहिए, जो ऐसा वातावरण बनाने में सहायक होगा, जिसमें शांति थोपी नहीं जाएगी, बल्कि सहभागी प्रक्रियाओं के माध्यम से इसे पोषित किया जाएगा।

राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि संयुक्त राष्ट्र सैन्य योगदानकर्ता देशों के सैन्य प्रमुखों का सम्मेलन और इसी तरह के अन्य उद्देश्यपूर्ण कार्यक्रम नए विचारों, प्रगाढ़ सहयोग और स्थायी मैत्री बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि शांति संरक्षक के रूप में हमें एक ऐसा विश्व निर्मित करना चाहिए जहां हर बच्चा सुरक्षित रहे, हर समुदाय सद्भावना से पूर्ण हो और दुनिया में संघर्ष इतिहास के पन्नों में सिमट कर रह जाएं।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की पत्नी की आय पर कांग्रेस ने मांगा स्पष्टीकरण

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे की पत्नी अनामिका गौतम की संपत्ति में पिछले डेढ़ दशक में भारी वृद्धि होने पर सवाल उठाते हुए कहा है कि 2009 में महज 50 लाख रुपये की संपत्ति की स्वामिनी श्रीमती गौतम 2024 में 31.32 करोड़ रुपये की मालकिन कैसे बनीं इस बारे में उन्हें स्पष्टीकरण देना चाहिए।

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने बुधवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि श्री दुबे की संपत्ति का जो विवरण दिया जा रहा है वह चुनाव आयोग में दिये उनके शपथ पत्र तथा लोकपाल के विवरण के अनुसार है। उनका कहना था कि दुबे दंपत्ति को इस पर स्पष्टीकरण देना चाहिए ताकि लोकपाल के कामकाज में पारदर्शिता को लेकर इससे कोई सवाल खड़े नहीं हों।

श्रीमती गौतम की आय का विवरण देते हुए कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि 2009 में जब श्री दुबे ने पहला चुनावी शपथपत्र भरा था तो उसमें उनकी पत्नी की की संपत्ति करीब 50 लाख रुपए थी और उनके पास कोई अचल संपत्ति नहीं थी लेकिन 2014 में उनकी संपत्ति 50 लाख से बढ़कर 1.3 करोड़ हो गई और तब अचल संपत्ति 5.53 करोड़ थी जो 2009 में कुछ भी नहीं थी। श्री दुबे के पहले पांच साल के संसदीय काल में श्रीमती गौतम साढ़े 6 करोड़ की मालकिन बन गईं और 2019 के चुनाव में श्री दुबे ने जब तीसरा चुनाव लडा और तब उनकी पत्नी की संपत्ति 1.3 करोड़ से बढ़कर 3.72 करोड़ और अचल संपत्ति 9.33 करोड़ हो गई और इस तरह वह कुल 13.06 करोड़ की मालकिन बन गईं।

कांग्रेस प्रवक्ता के अनुसार श्री दुबे ने 2024 के अपने शपथ पत्र में कहा है कि उनकी पत्नी की संपत्ति करीब 29 करोड़ है और अचल संपत्ति 10.66 करोड़ है। इस बीच उनकी पत्नी ने 8.28 करोड़ का कर्ज भी लिया जबकि वह 31.32 करोड़ की मालकिन हैं। उन्होंने कहा कि श्रीमती गौतम की वार्षिक आय में भी जबरदस्त इजाफा हुआ है। आयकर से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसर साल 2013-14 में उनकी वार्षिक आय करीब 4 लाख रुपए थी लेकिन 2017-18 में यह आय 2.16 करोड़ रुपए हो गई यानि 54 गुना बढ़ गई। कमाल यह है कि श्रीमती गौतम की घोषित आय और संपत्ति में कोई तालमेल ही नहीं है। दूसरा कमाल यह कि जिस व्यक्ति से कर्ज लेने की बात कही गयी है उसका कहना है कि उसने किसी को कर्ज नहीं दिया है।

श्रीमती श्रीनेत ने कहा सांसद की पत्नी की आय में हुई इस बेतहाशा वृद्धि को लेकर स्पष्टीकरण आवश्यक है क्योंकि श्री दुबे एक सांसद हैं और वह पार्टी के प्रभावशाली सांसद भी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के वह बहुत करीबी हैं और अक्सर विपक्ष पर हमले के लिए उल-जलूल बातें कहलवाने में इनका इस्तेमाल किया जाता है।

काबुल में जल्द ही खुलेगा भारतीय दूतावास : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में भारतीय दूतावास अगले कुछ दिनों में ही खुल जायेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरूवार को यहां साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में इस बारे में पूछे गये सवाल के जवाब में कहा कि काबुल में जून 2022 से भारत का तकनीकी मिशन काम कर रहा है और अगले कुछ दिनों में इसकी जगह दूतावास खुल जायेगा।

उल्लेखनीय है कि अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी की हाल ही में संपन्न हुई यात्रा के दौरान भारत ने काबुल में दूतावास खोलने की घोषणा की थी। विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर ने श्री मुत्ताकी के साथ वार्ता के दौरान भारत के इस निर्णय की जानकारी दी थी। भारत के इस महत्वपूर्ण कूटनीतिक कदम को अफगानिस्तान के साथ संबंधों के मजबूत होने के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है। भारत ने अफगानिस्तान में अफगान तालिबान के सत्ता पर काबिज होने के बाद अपने काबुल स्थित दूतावास को बंद कर दिया था।

अयोध्या दीपोत्सव 2025 : रामायण काल की झलक दिखाएगा पुष्पक विमान

जगमग अयोध्या में जीवंत होगी त्रेतायुग की महिमा

अयोध्या,16 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में इस वर्ष का दीपोत्सव 2025 केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि रामायण काल के जीवंत पुनः प्रस्तुतीकरण का प्रतीक बनने जा रहा है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या में इस बार राम की पैड़ी पर बनाया जा रहा भव्य पुष्पक विमान श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए सबसे बड़ा आकर्षण और सेल्फी प्वाइंट बनने जा रहा है।

त्रेतायुग की उस अलौकिक कथा को, जब भगवान श्रीराम लंका विजय के बाद पुष्पक विमान से अयोध्या लौटे थे, इस दीपोत्सव में वास्तविक रूप में साकार किया जा रहा है। राम की पैड़ी के किनारे बन रहा यह राजशाही लुक वाला पुष्पक विमान अयोध्या की पहचान को नया आयाम देगा। इसकी लंबाई 32 फीट, ऊंचाई 25 से 30 फीट, और चौड़ाई 20 फीट होगी। मोर की आकृति पर आधारित इस डिजाइन को ईपीसी सीट पर तैयार किया जा रहा है, जिससे विमान हल्का, आकर्षक और लंबे समय तक संरक्षित रह सके।

पुष्पक विमान के सामने रामायण काल के दृश्यों को उकेरा जाएगा जिसमें भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण के साथ अयोध्या आगमन की झांकी सजाई जाएगी। श्रद्धालुओं के लिए यह स्थान सेल्फी प्वाइंट के रूप में खोला जाएगा, ताकि हर आगंतुक इस दिव्य दृश्य को अपनी यादों में सहेज सके। संध्या के समय लेज़र लाइट शो, दीपों की रेखा और पुष्पवर्षा के साथ यह स्थान अयोध्या के सांस्कृतिक पर्यटन का नया केंद्र बनेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि दीपोत्सव का हर दृश्य रामायण की भावभूमि को सजीव करे। इसी क्रम में राम की पैड़ी, धर्मपथ और रामकथा पार्क को थीम आधारित सजावट से अलंकृत किया जा रहा है। योगी सरकार का उद्देश्य अयोध्या को न केवल धार्मिक दृष्टि से, बल्कि सांस्कृतिक और पर्यटन की वैश्विक राजधानी के रूप में स्थापित करना है।

अयोध्या, लखनऊ और वाराणसी के कुशल शिल्पकार मिलकर इस पुष्पक विमान को आकार दे रहे हैं।पारंपरिक कला में आधुनिक तकनीक का संगम इस कृति को अन-ोखा बना रहा है। स्वर्णिम रंगों, मोरपंखी डिजाइन और राजशाही शैली का यह विमान दीपोत्सव की शोभा में चार चांद लगाएगा। दीपोत्सव के दौरान जब लाखों दीपों से जगमग अयोध्या में पुष्पक विमान की झलक दिखाई देगी, तब ऐसा लगेगा जैसे त्रेतायुग की अयोध्या पुनः लौट आई हो।श्रद्धालु, पर्यटक और कलाकार सभी के लिए यह स्थान अयोध्या के आध्यात्मिक वैभव और रामराज्य की परंपरा को अनुभव करने का अवसर बनेगा।

सीतारमण ने आमदनी बढ़ाने के लिए किसानों को सहायता का आश्वासन दिया

रायचूर (कर्नाटक), 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कर्नाटक के किसानों को भरोसा दिलाया है कि सरकार कृषि से उनकी आमदनी बढ़ाने के लिए हर संभव सहायता करेगी। श्रीमती सीतारमण ने यहां किसान प्रशिक्षण एवं सामान्य सुविधा केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर कहा, किसानों को उनकी आजीविका को सहारा देने के मकसद से केंद्र की विभिन्न योजनाओं के जरिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड, उर्वरक और वित्तीय मदद दी गई है। उन्होंने आगे बताया कि किसानों की मदद के लिए सरकार ने विभिन्न खाद्यान्नों और दालों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि की है।

मुस्लिम परिवार ने वैदिक रीति से अपनाया सनातन धर्म

कौशांबी, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। कौशांबी जिले के सराय अकिल थाना क्षेत्र के पुरखास गांव में रहने वाले एक मुस्लिम परिवार ने बुधवार को वैदिक विधि-विधान से सनातन धर्म ग्रहण किया। कार्यक्रम मंझनपुर स्थित प्राचीन दुर्गा मंदिर परिसर में हिंदू रक्षा समिति के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ।

सनातन धर्म में वापस लौटने के बाद परिवार के मुखिया मेहदी अली अब अनुज प्रताप सिंह के नाम से जाने जाएंगे। उनका पत्नी सायमा का नाम सौम्या अनुज सिंह और बेटी उर्वा का नाम उर्विजा अनुज सिंह हो गया। परिवार ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सनातन धर्म अपनाया। इस अवसर पर यज्ञ, हवन और पूजा-अर्चना का आयोजन हुआ।

सनातन धर्म में वापस लौटे अनुज प्रताप सिंह वन अंब्रेला चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक भी हैं। उन्होंने कहा, हिंदू धर्म का सार्वभौमिक दर्शन वसुधैव कुटुम्बकम् हमें गहराई से प्रभावित करता है। यह पूरी दुनिया को एक परिवार मानने की प्रेरणा देता है। परिवार की सहमति से हमने सनातन धर्म में वापस लौटने का निर्णय लिया है और अब हम हिंदू रीति-रिवाजों का पालन करेंगे। अनुज प्रताप सिंह ने कहा, धर्म परिवर्तन के बाद वे अपने सामाजिक कार्य वृक्षारोपण, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को जारी रखेंगे। हिंदू रक्षा समिति के जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश पाडेय ने कहा कि यह कार्यक्रम धार्मिक सहिष्णुता का प्रतीक है। हम किसी पर धर्म परिवर्तन का दबाव नहीं डालते, बल्कि सच्चे मन से आने वालों का स्वागत करते हैं। इस पुण्य आयोजन में मंदिर परिसर में सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित हुए। इस मौके पर वेद प्रकाश सत्यार्थी, दीपक मौर्य, शिवम पांडेय, भुवनेश्वर तिवारी, विपिन यादव, हर्षित मिश्रा, आशीष कुमार, उमेश गुप्ता, अजय सिंह समेत कई गणमान्य लोग मौजूद थे। कार्यक्रम के अंत में भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण हुआ।

त्रिपुरा के सीएम ने सपरिवार किए रामलला के दर्शन

विश्व पटल पर दिव्यता से उभर रही अयोध्या : माणिक साहा

अयोध्या, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा सपत्नीक अयोध्या पहुंचे। उन्होंने श्रीरामलला के दरबार में हाजिरी लगाई और मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के दर्शन कर देश-प्रदेश की शांति, समृद्धि और कल्याण की कामना की। इसके बाद उन्होंने हनुमानगढ़ी मंदिर पहुंचकर संकटमोचक बजरंगबली का आशीर्वाद प्राप्त किया।

अयोध्या आगमन पर त्रिपुरा के मुख्यमंत्री का एयरपोर्ट पर नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। साहा ने अयोध्या के तीर्थक्षेत्र के बदलते स्वरूप और तीव्र विकास कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अयोध्या आज एक नए, भव्य और दिव्य स्वरूप में विश्व पटल पर उभर रही है। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि भारत की सांस्कृतिक धरोहर का पुनर्जागरण भी है। नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री माणिक साहा का अयोध्या आगमन हम सभी के लिए गौरव का विषय है। अयोध्या आज विश्व के आध्यात्मिक केंद्र के रूप में विकसित हो रही है और यह श्रद्धालुओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

अभी जेल में ही रहेगा अतीक अहमद का बेटा अली

बिल्डर से 5 करोड़ की मांगी थी फिरौती

प्रयागराज, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। मरहूम माफिया अतीक अहमद का बेटा अली अभी जेल में ही रहेगा।

सेशन कोर्ट ने उसकी जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। एक बिल्डर से 5 करोड़ रुपए रंगदारी मांगने और जमीन पर जबरन कब्जा करने के मामले में वह झांसी जेल में बंद है।

प्रयागराज के चकिया क्षेत्र में रहने वाले प्रॉपर्टी डीलर मोहम्मद मुस्लिम ने 23 अप्रैल 2023 को एक एफआईआर दर्ज कराई थी। इसमें अतीक के दोनों बेटों समेत 6 लोगों पर आरोप लगाए गए थे। एफआईआर में कहा गया था कि अतीक के बेटों उमर और अली के साथ असल कालिया, ऐतहेशान, करीब और दूसरे लोगों ने उसे गाड़ी में जबरन बैठाया और अतीक के चकिया स्थित ऑफिस में बंद कर दिया। उन लोगों ने मोहम्मद मुस्लिम की धुनाई भी की। बिल्डर मोहम्मद किसी तरह वहां से निकल कर भागा। बाद में उससे 1.20 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी गई। इस मामले में पुलिस ने गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। अली अहमद को हाल ही में नैनी जेल से झांसी जेल शिफ्ट किया गया है। उसे अभी यहीं रहना होगा।

नकली खाद का काला कारोबार, तीन गिरफ्तार

मथुरा, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने नकली डीएपी और उर्वरक तैयार करके प्रदेश और अन्य राज्यों में बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। मथुरा के रिफाइनरी इलाके में नकली डीएपी से भरा ट्रक पकड़ने के बाद एसटीएफ ने गाजियाबाद के मुख्य सरगना सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। टीम ने भारी मात्रा में यूरिया और डीएपी के अलावा खाली बैग सहित अन्य सामान बरामद किया है। नकली खाद गैंग के नेटवर्क की जांच जारी है। इस संबंध में मथुरा के थाना हाईवे और गाजियाबाद के मुरादनगर थानों में केस दर्ज कराए गए हैं।

खाद संकट के दौरान एसटीएफ को सूचना मिली थी कि बाजार में नकली डीएपी और यूरिया को बेचा जा रहा है। एसटीएफ के एएसपी राकेश कुमार ने आगरा इकाई को जांच में लगाया था। 15 अक्टूबर को एसटीएफ इंस्पेक्टर यतींद्र शर्मा को सूचना मिली कि नकली डीएपी व खाद से भरा ट्रक तारसी चौराहे से होकर गुजरेगा।

इस पर टीम ने चेकिंग शुरू कर दी। इसी दरम्यान राजस्थान नंबर के ट्रक को संदिग्ध पाए जाने पर रोका। उसके चालक जगन सिंह से पूछताछ की तो उसने बताया कि ट्रक में लोड खाद की डिलीवरी एग्रो जंक्शन केंद्र, तारसी चौराहे पर सुभाष सिंह की दुकान पर देनी है।

सुभाष से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि यूरिया व खाद उसने गाजियाबाद से नकद धनराशि देकर खरीदी है। इसके बाद एसटीएफ की टीम ने गाजियाबाद में बंबा रोड, टेलीफोन एक्सचेंज के पास छापा मारा। इस दौरान कृषि विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। यहां राहुल सिंघल के यहां नकली उर्वरक तैयार की जा रही थी। यहां से बड़ी मात्रा में उर्वरक को सीज किया गया।

एसटीएफ ने सेक्टर 2, साहिबाबाद, गाजियाबाद निवासी राहुल सिंघल, भैंसा, रिफाइनरी, मथुरा निवासी सुभाष सिंह और ट्रक चालक कागारौल, आगरा निवासी जगन सिंह को गिरफ्तार किया है।

इस दौरान मथुरा और गाजियाबाद के जिला कृषि अधिकारियों ने उक्त बरामद खाद व डीएपी के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला में भेजे हैं। आरोपियों ने बताया कि वह नकली खाद व डीएपी तैयार करके यूपी और अन्य प्रदेशों के बाजार में बेच रहे थे। नकली खाद मामले में इंस्पेक्टर यतींद्र शर्मा ने तीनों आरोपियों के खिलाफ हाईवे थाना और मुरादनगर, गाजियाबाद में आवश्यक वस्तु अधिनियम सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज कराए गए हैं।

गैंग के मुख्य सरगना राहुल सिंघल ने बताया कि वह नकली उर्वरक बनाने का काम कर रहा था। इसका कच्चा माल मुजफ्फरनगर और आईपीएल मार्का डीएपी के खाली बैग जयपुर व कोलकाता से मंगवाता है। उसने बताया कि वह लंबे समय से नकली खाद बनाकर और पैकिंग करके उत्तर प्रदेश, राजस्थान व अन्य जगहों के किसानों को सप्लाई करता है। उसने बताया कि नकली खाद में चार से पांच गुना ज्यादा फायदा होता है।

त्यौहार को लेकर योगी सरकार बरत रही सतर्कता

मिलावटखोरों पर कड़ी कार्रवाई जारी

3,394 क्विंटल मिलावटी खाद्य सामग्री जब्त

लखनऊ, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। त्यौहारों पर मिलावटखोरों के खिलाफ योगी सरकार की सख्त कार्रवाई जारी है। दीपावली के अवसर पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश द्वारा चलाए जा रहे दीपावली विशेष अभियान (8 से 17 अक्टूबर 2025) के तहत पूरे प्रदेश में बड़े पैमाने पर छापेमारी की जा रही है। अब तक प्रदेशभर में 5,464 निरीक्षण और 2,448 छापों के दौरान 3,369 नमूने संग्रहीत किए गए हैं। कुल 3,394 क्विंटल मिलावटी खाद्य सामग्री (476 लाख मूल्य) जब्त की गई है, जबकि 1,463 क्विंटल सामग्री (234 लाख मूल्य) नष्ट कराई गई।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की सचिव डॉ. रौशन जैकब ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार प्रदेश को मिलावट मुक्त बनाने के उद्देश्य से यह अभियान लगातार प्रभावी परिणाम दे रहा है। 16 अक्टूबर को की गई कार्यवाही में प्रदेश के कई जनपदों में भारी मात्रा में मिलावटी खाद्य पदार्थ जब्त और नष्ट किए गए। उन्होंने कहा कि दीपावली और छठ जैसे त्यौहारों के पावन अवसरों पर जनस्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। मथुरा में बाजना क्षेत्र की चार डेयरियों में अपमिश्रक का प्रयोग पाए जाने पर चार एफआईआर दर्ज की गईं और छह लाइसेंस निलंबित किए गए।अलीगढ़ में 19,500 किलोग्राम मिलावटी खाद्य पदार्थ (17.37 लाख) नष्ट कराए गए और 4,188 किलोग्राम सामग्री (23.55 लाख) जब्त की गई। वहीं बदायूं में 2,100 किलोग्राम छेना मिठाई और 960 किलोग्राम पनीर, गाजीपुर में 1,439 किलोग्राम मिलावटी देशी घी, बुलंदशहर में 1,325 किलोग्राम मिलावटी पनीर, प्रयागराज में 5,295 किलोग्राम मिलावटी खाद्य तेल, सम्भल में 2,500 लीटर दूध, सहारनपुर में 1,060 किलोग्राम मिठाइयां तथा कानपुर नगर में 550 किलोग्राम मिलावटी खोया नष्ट कराया गया।

डॉ. रौशन जैकब ने बताया कि आगरा के गबाना, खैर और मथुरा के बजना क्षेत्र ऐसे संवेदनशील क्षेत्र हैं, जहां बड़ी डेयरियां और पनीर फैक्ट्रियां संचालित हैं, जो मुख्यतः दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र में दूध और पनीर की आपूर्ति करती हैं। मुख्यमंत्री जी की इच्छा के अनुरूप इन क्षेत्रों में खाद्य पदार्थों में मिलावट के गिरोहों और माफिया तत्वों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए उनकी कमर तोड़ने का अभियान चलाया जाएगा। इसी प्रकार नकली दवाओं के गिरोहों पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को यह स्पष्ट निर्देश दे दिए हैं कि छोटे कारोबारियों जैसे पनीर और मिठाई की छोटी दुकानों, स्टाफ या मजदूरों पर किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं की जाएगी।

फर्जी आईएएस बन कर ठगे 80 करोड़, गिरफ्तार

लखनऊ, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुजरात कैडर का आईएएस अधिकारी बन 150 लोगों से 80 करोड़ रुपए की ठगी करने वाला जालसाज झारखंड के बोकारो का रहने वाला डॉ. विवेक मिश्र पकड़ा गया। चिनहट पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया। आरोपी और उसकी दो बहनों के खिलाफ चिनहट थाने में वर्ष 2019 में धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया था। केस की विवेचना सीबीसीआईडी कर रही है।

चिनहट थाने के इंस्पेक्टर दिनेशचंद्र मिश्र ने बताया कि गोमतीनगर विकल्पखंड निवासी सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता डॉ. आशुतोष मिश्र ने आरोपी विवेक और उसकी दो बहनों निधि और विधि मिश्र के खिलाफ 24 जुलाई 2019 को चिनहट थाने में धोखाधड़ी, जालसाजी और धमकाने का केस दर्ज कराया था। पहले केस की विवेचना आर्थिक अपराध संगठन को दी गई थी। इसके बाद शासन ने विवेचना को सीबीसीआईडी को ट्रांसफर कर दी। सीबीसीआईडी में तैनात इंस्पेक्टर रमेशचंद्र तिवारी इस केस की जांच कर रहे थे। इंस्पेक्टर चिनहट ने बताया कि बृहस्पतिवार को पुलिस ने कमता इलाके से आरोपी विवेक मिश्र को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि केस में नामजद विवेक की बहनों की भूमिका की जांच सीबीसीआईडी कर रही है। आरोपी विवेक खुद को 2014 बैच का आईएएस अधिकारी बताता था। वह खुद को गुजरात सरकार में सचिव के पद पर तैनात होने का झांसा देकर लोगों को अपने जाल में फंसाता था। इतना ही नहीं आरोपी अपनी बहनों को गुजरात कैडर की आईपीएस अधिकारी बताता था। आरोपी ने सोशल मीडिया पर कई फर्जी अकाउंट बना रखे थे। सोशल मीडिया के माध्यम से वह खासकर सीधी-साधी युवतियों को अपने जाल में फंसाता था। युवतियों से शादी का प्रस्ताव देकर उनके परिवार के लोगों से नजदीकियां बनाकर आरोपी उन लोगों को सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करता था। शिकायतकर्ता आशुतोष मिश्र ने आरोपी का राजफाश करने के लिए अपने जूनियरों के साथ मिलकर छानबीन की तो पता चला कि आरोपी ने 150 लोगों को नौकरी दिलाने के नाम पर 80 करोड़ रुपए की ठगी का अंजाम दिया। पीड़ित ने आरोपी की सच्चाई का पता लगाने से अपने चार जूनियरों को नौकरी दिलाने के लिए संपर्क किया था।

चित्रकूट का ट्रेजरी घोटाला 100 करोड़ के पार

चित्रकूट, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। चित्रकूट कोषागार घोटाले की रकम 100 करोड़ से पार पहुंच गई है। वर्ष 2018 से 2025 तक पेंशन और वेतन मद में फर्जी प्रविष्टियां कर हेराफेरी की जाती रही। पटल संभालने वाले दो संदिग्ध कर्मचारियों के खिलाफ जांच चल रही है और 22 लाख की रिकवरी की जा चुकी है। ट्रेजरी विभाग से सेवानिवृत्त 95 शिक्षकों के खातों में भेजे गए 50 करोड़ रुपए के घोटाले में गुरुवार को नए तथ्य सामने आए। आकलन है कि घोटाले की रकम 100 करोड़ रुपए के पार पहुंच सकती है।

आंतरिक जांच समिति की रिपोर्ट में पाया गया है कि यह हेराफेरी वर्ष 2018 से सितंबर 2025 तक लगातार चलती रही। सरकारी अभिलेखों में पेंशन और वेतन मद में फर्जी प्रविष्टियां कर धनराशि विभिन्न खातों में भेजी जाती रही। कई मामलों में एक ही शिक्षक के नाम पर बार-बार भुगतान दर्ज किए गए हैं। जांच में पटल संभालने वाले दो कर्मचारियों की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। दोनों परोक्ष रूप से जिले में रियल एस्टेट कारोबार में सक्रिय बताए जा रहे हैं। दोनों कर्मचारियों ने अपने प्रभाव का उपयोग कर लंबे समय तक यह खेल जारी रखा। वरिष्ठ कोषाधिकारी रमेश सिंह ने बताया कि अब तक लगभग 22 लाख रुपए की रिकवरी की जा चुकी है और एफआईआर दर्ज कराने के लिए तहरीर भेजी गई है। जांच आगे बढ़ने के साथ घोटाले के और बिंदु सामने आने की संभावना जताई जा रही है।

एएमयू के प्रोफेसर इतिहासकार डॉ. रेजावी का दावा

फतेहपुर सीकरी महल में श्रीराम और हनुमान की मूर्तियां

अलीगढ़, 16 अक्टूबर (एजेंसियां)। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के इतिहास विभाग के शिक्षक और मुगलों के अधीन रहे शहरों पर शोध करने वाले प्रो. नदीम रेजावी ने कहा कि फतेहपुर सीकरी के महल की दीवारों पर श्रीराम और हनुमान जी की मूर्तियां दिखाई देती हैं। वह बृहस्पतिवार को यूनिवर्सिटी की अलीगढ़ सोसायटी ऑफ हिस्ट्री एंड आर्कियोलॉजी (एएसएचए) के तत्वावधान में सम्राट अकबर की जयंती पर अकबर की समकालीन भारत में प्रासंगिकता विषय पर आयोजित संगोष्ठी में बोल रहे थे।

प्रोफेसर रेजावी ने अकबर की सत्य की खोज में अंतरधार्मिक संवाद और विभिन्न परंपराओं के बीच समझ बढ़ाने के प्रयासों को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि अकबर के समग्र संस्कृति के आदर्श फतेहपुर सीकरी की कला और वास्तुकला में प्रतीकात्मक रूप से प्रकट होते हैं, जहां श्रीराम और हनुमान जी की मूर्तियां महल की दीवारों पर दिखाई देती हैं।

प्रो. शीरीं मूसवी ने कहा कि अशोक, अकबर और नेहरू जैसे तीन दूरदर्शी शासकों ने भारत की समावेशी पहचान को आकार देने में निर्णायक भूमिका निभाई। प्रो. रेजावी ने अकबर की धार्मिक नीति को उजागर किया, जिसमें उन्होंने कई हिंदुओं को साम्राज्य सेवा में शामिल किया। प्रो. रेजावी की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस से फतेहपुर सीकरी रिविजिटेड पुस्तक जल्द प्रकाशित होने वाली है। प्रख्यात इतिहासकार प्रो. इरफान हबीब ने अकबर के मित्र और इतिहासकार अबुल फजल के विचारों के बारे में बताया।

संपादकीय

भारत एआई का गढ़

भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का गढ़ बनने जा रहा है। यही आकलन करने के बाद गूगल ने आंध्रप्रदेश के विशाखापट्टनम में एआई का डाटा सेंटर स्थापित करने की घोषणा की है। यह डाटा केंद्र, अमरीका से बाहर, सबसे बड़ा केंद्र होगा। गूगल ने आगामी पांच सालों में 15 अरब डॉलर खर्च करने का ऐलान राजधानी दिल्ली में आयोजित एक मेगा इवेंट में किया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव, आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू आदि इस मेगा आयोजन में उपस्थित रहे। गूगल क्लाउड के सीईओ थॉमस कूरियन ने खुलासा किया कि आज 14,000 से अधिक भारतीय गूगल के साथ जुड़े हैं और गूगल की 5 एआई लैब्स पहले से ही भारत में सक्रिय हैं। विशाखापट्टनम का केंद्र गूगल के संपूर्ण एआई सिस्टम का हिस्सा होगा, जो भारत में क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, डाटा सॉल्यूशंस और एआई मॉडल्स को तेजी से स्केल करेगा। गूगल के थॉमस ने यह स्पष्ट घोषणा की कि भारत अब सिर्फ उपभोक्ता नहीं, बल्कि एआई नवाचार का जेनरेटर बन रहा है।' भारत में अदाणी समूह के साथ मिल कर यह एआई केंद्र बनाया जाएगा। गूगल का इतना बड़ा निर्णय भारतीय बाजार और भारत में एआई को ग्रहण करने की संभावनाओं की ताकत को सत्यापित करता है। भारत सरकार ने एआई मिशन के लिए 5 साल के दौरान 10,300 करोड़ रुपए से अधिक की राशि आवंटित की है। उसके तहत 38,000 ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) लगाई गई हैं। प्रौद्योगिकी और एआई पारिस्थितिकी तंत्र में करीब 60 लाख लोग कार्यरत हैं। इस साल प्रौद्योगिकी क्षेत्र का राजस्व 280 अरब डॉलर को पार कर सकता है। भारत की अर्थव्यवस्था में 2035 तक एआई 1.7 ट्रिलियन डॉलर जोड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय डाटा कॉरपोरेशन के मुताबिक, भारत का एआई बाजार 2025 में करीब 8 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। दरअसल भारत विश्व में सबसे बड़ा ऐसा देश और समाज है, जो अभी से एआई के साथ परिवर्तन लाने को उत्साहित है। विशाखापट्टनम को इसलिए चुना गया है, क्योंकि आंध्रप्रदेश की राजधानी रहते हुए हैदराबाद को 'साइबर सिटी' का विशेषण मिला था। तेलंगाना के गठन के बाद समीकरण बदले। अब हैदराबाद उसकी राजधानी है, लिहाजा आंध्र के विशाखापट्टनम को गूगल की विराट परियोजना के लिए चुना गया। यहां गूगल के विकास और बढ़ोतरी की अपार क्षमताएं हैं, क्योंकि रणनीतिक तौर पर यह क्षेत्र एआई की रीढ़ है। सवाल है कि क्या भारत का विकास और उसकी बढ़ोतरी भी गूगल के अनुपात में ही होगी? इस मौके पर गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने 'एक्स' पर यह लिखा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से बात की थी और विशाखापट्टनम में पहले गूगल एआई हब स्थापित करने की योजना बताई थी। पिचाई के मुताबिक, इस एआई केंद्र में गीगावॉट स्केल कंप्यूट क्षमता, अंतरराष्ट्रीय सबसी गेटवे और बड़े ऊर्जा आधारभूत ढांचे का गेटवे शामिल होंगे। इससे भारत में उपयोगकर्ता और उद्यमियों को उद्योग संबंधी प्रौद्योगिकी मिल सकेगी, जिससे देश में एआई नवाचार बढ़ेगा। बेशक ऐसे बुनियादी ढांचे के साथ भारत अपनी डाटा संप्रभुता में सुधार कर सकता है, एआई का सशक्त गढ़ बन सकता है, लेकिन यह सवाल मौजू है कि एआई कैसे तैनात की जाएगी? एआई कंपनियां भविष्य में 'द्वारपाल' की शक्तियों के साथ मानविकी पर भारी पड़ेंगी। क्या भारत में ऐसा होना चाहिए कि मानविकी बिल्कुल पिछड़ जाए, जिसमें कला-साहित्य, भाषा, अर्थशास्त्र आदि क्षेत्र शामिल हैं। गूगल ने सत्यापित किया है कि कैसे प्रौद्योगिकी के नवाचार आधुनिक संपन्नता के इंजन साबित हो सकते हैं, लेकिन यह भी बताया कि कैसे ऐसी आर्थिक बढ़ोतरी न तो प्राकृतिक है और न ही गारंटीशुदा है। अंततः एआई ही भविष्य को तय करेगी। वह भविष्य कैसा होगा, यह इस सत्य पर आश्रित होगा कि एआई के ढांचे को वास्तविक और शारीरिक तथा डिजिटली तौर पर नियंत्रित कौन करेगा? कौन एआई की कीमत, मूल्य, पहुंच और नियम आदि तय करेगा? एआई के फायदे और जोखिम कैसे बांटे जाएंगे? बड़ी और दिग्गज कंपनियों के एकाधिकार कौन तोड़ेगा।

गूगल ने आगामी पांच सालों में 15 अरब डॉलर खर्च करने का ऐलान राजधानी दिल्ली में आयोजित एक मेगा इवेंट में किया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव, आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू आदि इस मेगा आयोजन में उपस्थित रहे। गूगल क्लाउड के सीईओ थॉमस कूरियन ने खुलासा किया कि आज 14,000 से अधिक भारतीय गूगल के साथ जुड़े हैं और गूगल की 5 एआई लैब्स पहले से ही भारत में सक्रिय हैं। विशाखापट्टनम का केंद्र गूगल के संपूर्ण एआई सिस्टम का हिस्सा होगा, जो भारत में क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, डाटा सॉल्यूशंस और एआई मॉडल्स को तेजी से स्केल करेगा। गूगल के थॉमस ने यह स्पष्ट घोषणा की कि भारत अब सिर्फ उपभोक्ता नहीं, बल्कि एआई नवाचार का जेनरेटर बन रहा है।' भारत में अदाणी समूह के साथ मिल कर यह एआई केंद्र बनाया जाएगा। गूगल का इतना बड़ा निर्णय भारतीय बाजार और भारत में एआई को ग्रहण करने की संभावनाओं की ताकत को सत्यापित करता है। भारत सरकार ने एआई मिशन के लिए 5 साल के दौरान 10,300 करोड़ रुपए से अधिक की राशि आवंटित की है।

कुछ अलग

फिर वही पुराना दर्दे-जिगर

इस देश के लोगों को उन कतारों में खड़े होने की आदत हो गई है, जो आगे नहीं सरकती। वैसे कतारों में खड़े होने की आदत यहां है भी नहीं। कतार तोड़ कर आगे बढ़ जाने की धक्कमपेल है। धक्का-मुक्की यहां शूरवीरता मानी जाती है और चोर दरवाजे खोल कर गद्दी पर आसीन हो जाना नए युग का धर्म। फिर जो आसीन हो गया, वह नीचे उतरता कहां है। संन्यास लेने का वक्त आ जाए तो भी देश की चिंता उसे इतना सताती है कि उसका संन्यास मुल्तवी होता जाता है। यहां त्याग और तपस्या एक मुखौटा बन गयी है, और जीवन जीने का उपदेश देना एक रिवाज। जो जिंदगी जी नहीं पाये वे अपनी असफलता को रण छोडना नहीं अपनी त्याग भावना का प्रतीक मानते हैं। कला संस्कृति की बात करने वाली उवाच प्रशस्ति के तराजुओं में तोल कर हर धान एक ही कीमत बिकता है। वह कीमत है, थोथा चना बाजे घना। बड़े आदमी के साथ फोटो खिंचवा कर फेसबुक से लेकर सांस्कृतिक समाचारों में घुसपैठ कर जाना एक ऐसा प्रिय शगुन है कि जिसे हर स्थापना का भी तलाशना है। यह स्थापना कहीं भी हो सकती है केवल लेखन ही नहीं, खेल के मैदान में, खोज तलाश के अन्वेषण में और ऊंचे स्वर में चिल्ला कर उनकी ऐसी उपलब्धियों के चीखो-पुकार में जो कभी आपके पास फटकी नहीं। लेकिन उनकी प्राप्ति की घोषणा करने में आपने कभी कमी नहीं की। वैसे जब आर्थिक प्रगति के दावे हों तो लगता है ऊंची अटारियों वालों के घर और भी ऊंचे हो गए और गूदड़ बस्तियों के क्रंदन को कोई सुनता नहीं। अचानक सुन लेते हैं लीजिये असाध्य रोगों का इलाज मिल गया है।

अल्बानिया की पहली एआई मंत्री डिएला की नियुक्ति

मंत्री बनी एआई रोबोट महिला डिएला

प्रमोद भार्गव

एआई मंत्री डिएला को अल्बानिया की नेशनल एजेंसी फॉर इंफॉर्मेशन सोसायटी ने माइक्रोसॉफ्ट के सहयोग से विकसित किया है। डिएला को मंत्री पद की जिम्मेदारी संवैधानिक लोकतांत्रिक प्रणाली से चौथी बार प्रधानमंत्री बने एडी रामा ने सौंपी है। इसी साल मई 2025 में चुनाव जीतने के बाद 11 सितंबर को उन्होंने अपनी नई सरकार का गठन किया है। डिएला ने संपूर्ण स्त्री भाव से संसद में राजनीतिक चतुराई से भरा उल्लेखनीय वक्तव्य भी दिया। उन्होंने कहा, 'विपक्ष मेरी नियुक्ति को बार-बार असंवैधानिक बता रहा है। विपक्ष के इस व्यवहार से मेरी भावना आहत हुई है।

विडंबना देखिए, मनुष्य द्वारा निर्मित वाहनों ने मनुष्य के पैरों से चलने की ताकत छीन ली। मशीनी तकनीक मनुष्य के हाथों के हुनर छीनती जा रही है और अब हैरान करने वाली वास्तविकता यहां तक पहुंच गई है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अर्थात कृत्रिम बुद्धि से निर्मित डिएला नामक रोबोट स्त्री को यानी मानव के विरुद्ध एक प्रति मानव के रूप में अस्तित्व में लाया गया रोबोट का यह दखल राजनीति से नेता के विस्थापन के रूप में देखने में आया है। सत्ता पक्ष डिएला की नियुक्ति से भ्रष्टाचार मुक्त शासन की कल्पना कर रहा है, जबकि विपक्ष इस रोबोट-स्त्री की तैनाती को असंवैधानिक करार दे रहा है। एआई मंत्री डिएला को अल्बानिया की नेशनल एजेंसी फॉर इंफॉर्मेशन सोसायटी ने माइक्रोसॉफ्ट के सहयोग से विकसित किया है। डिएला को मंत्री पद की जिम्मेदारी संवैधानिक लोकतांत्रिक प्रणाली से चौथी बार प्रधानमंत्री बने एडी रामा ने सौंपी है। इसी साल मई 2025 में चुनाव जीतने के बाद 11 सितंबर को उन्होंने अपनी नई सरकार का गठन किया है। डिएला ने संपूर्ण स्त्री भाव से संसद में राजनीतिक चतुराई से भरा उल्लेखनीय वक्तव्य भी दिया। उन्होंने कहा, 'विपक्ष मेरी नियुक्ति को बार-बार असंवैधानिक बता रहा है। विपक्ष के इस व्यवहार से मेरी भावना आहत हुई है। मैं शासन-प्रशासन को पारदर्शी बनाने और जनता की मदद के लिए हूं। विपक्ष आशंकित न हो, मेरा लक्ष्य जैविक मनुष्य को प्रतिस्थापित (रिप्लेस) करने का नहीं है। मैं किसी की जगह लेने के लिए नहीं आई हूं।' डिएला ने जो कहा वह अजैविक मानव के लिए ठीक हो सकता है, लेकिन सच्चाई तो यही है कि मनुष्य के विरुद्ध एक प्रति मनुश्य के रूप में अपनी जगह बनाता रोबोट जैविक मनुष्य को सीमेंट, कंक्रीट और यंत्रों के जंगल में धकेलता जा रहा है। प्रति मानव रोबोट में बुद्धि डालकर उसे हम मनुष्य का शासक बनाने में लगे हुए हैं। अभी तक रोबोट को नए-नए रूपों में विकसित करने का काम वैज्ञानिक रूपी मनुष्य करता था, लेकिन प्रौद्योगिकी के आकाश में कृत्रिम बुद्धि ने ऐसे पंख दे दिए हैं कि रोबोट अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से स्वयं अद्यतन (अपडेट) होने लगे हैं और जो जीवित रोबोट अस्तित्व में आए हैं, वे स्वयं रोबोट पैदा करने लगे हैं। रोबोट के स्वमेव परिवर्तन और नए रोबोट पैदा करने की इस ताकत के परिणाम फलदायी होंगे या घातक यह अभी भविष्य के गर्भ में जरूर है, किंतु चिंतनीय बिंदु अवश्य है। अमेरिकी वैज्ञानिकों ने जीवित रोबोट 'जेनोबोट्स' अवतरित कर दिया है। इसके आविश्कारक वैज्ञानिकों का दावा है कि यह रोबोट अपने जैसे रोबोट संतान के रूप में पैदा कर सकता है। यह करिश्मा वर्मोंट, हावर्ड और टफ्ट्स विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों ने कर दिखाया है। यह रोबोट अफ्रीका में पाए जाने वाले जेनोपस लेविस प्रजाति के मेढ़क के भूरण की स्तंभ कोशिकाओं से बनाया है। वैज्ञानिकों ने मेंढक के भ्रूण की

(एंब्रियो) की जीवित कोशिकाओं को अन्य नए जीवन रूपों के तौर पर प्रयोग करने में सफलता पाई है। इसे जीवित क्रिया-कलाप करने लायक जीव के तौर पर देखा जा रहा है। एक मिमि से भी कम चौड़े इन रोबोट्स को पहली बार 2020 में दुनिया के सामने सार्वजनिक किया गया था। ये जीते-जागते रोबोट्स हैं। भ्रूण से विकसित इन रोबोट के दिल को मोटर की तरह उपयोग में लाया जाता है। मसलन ये जेनोबोट्स मुंह के अंदर एकल कोशिकाओं को एकत्रित करते हैं और रोबोट के रूप में बच्चों को अवतरित (पैदा) करते जाते हैं। जो हूबहू माता-पिता के प्रतिकृति होते हैं। उन्हीं की तरह दिखते हैं और क्रिया-कलाप करते हैं। ये चल-फिर सकते हैं, तैर सकते हैं। कोई गड़बड़ी होने पर खुद को ठीक भी कर सकते हैं। वैज्ञानिकों का दावा है कि जेनोबोट्स में जानवर या पौधों से अलग जैविक प्रजनन का एकदम नया मौलिक रूप खोजा है। ये रूप विज्ञान के लिए ज्ञात किसी भी रूप नख से शिख तक भिन्न हैं। लोग अभी तक यह जानते हैं कि रोबोट धातु, चीनी मिट्टी या प्लास्टिक से बने होते हैं। जबकि जेनेबोट्स मेंढक के जीवित भूरण की स्तंभ कोशिकाओं को कतरन (स्क्रैप) करके सेने (इनक्यूबेट) के लिए छोड़ दिया। इन्हें साइबॉर्ग रोबोट की श्रेणी में रखा जा सकता है। इस सिलसिले में सूक्ष्म षल्य क्रिया विषेशज्ञ का कहना है कि 'स्तंभ कोशिकाओं की कतरन को चिमटी और लघु इलेक्ट्रोड से सूक्ष्मदर्षी यंत्र के माध्यम से एक आकार में ढाला गया, फिर इन्हें षरीर का रूप दिया गया। तत्पश्चात ये कोषिकाएं पुनः सक्रिय हो गईं। इस तरह तैयार जेनोबोट्स को जब टुकड़ों में विभाजित किया गया तो वह स्वयं को जोड़कर क्रियाशील हो गया।' इसी कारण ये रोबोट के साथ जीव भी हैं। इन्हें साइबॉर्ग रोबोट की श्रेणी में रखा जा सकता है। इनके वंषाणु (जीन) में कोई फेर-बदल नहीं किया गया है। सब कुल मिलाकर ये पारंपरिक रोबोट से भिन्न हैं। अतएव हो सकता है, इनकी कालांतर में एक नई श्रेणी बना दी जाए। इसीलिए टफ्ट्स 'रिजेनरेटिव एंड डेवलपमेंट बायोलॉजी' के निदेशक माइकल लेविन का कहना है कि यह एक विशेष प्रयोग है। ये रोबोट समुद्र, नदी और तालाब की गहराईयों से माइक्रोप्लास्टिक कचरा खींच लाने में सक्षम हैं। लिहाजा इस जीवित मशीन को स्वच्छता के अभियान में भी लगाया जा सकता है। मानव की धमनियों की बाधा को दूर करने में भी इनका इस्तेमाल हो सकता है। ऐसी ही रोबोट तकनीक का कमाल है डिएला! 28 लाख की आबादी वाले देश अल्बानिया की अल्बानियाई भाषा में 'डिएला' का अर्थ 'सूरज' होता है। डिएला को अल्बानिया की पारंपरिक वेशभूषा में सौम्य, सुंदर और सुशील स्त्री को रोबोट के रूप में विकसित किया गया है। डिएला की वाणी और मुखाकृति अल्बानियाई अभिनेत्री अनिला बिशा का प्रतिदर्श (मॉडल) है। प्रधानमंत्री ने इन्हें सार्वजनिक खरीद मंत्रालय का मंत्री बनाने की घोशणा विधिपूर्वक राजधानी तिराना की संसद में की थी। अल्बानिया यूरोपीय संघ में षामिल होने की प्रक्रिया में है। इस प्रक्रिया को पूरी होने में भ्रश्टाचार बड़ी बाधा बन रहा है। इसीलिए डिएला को सरकारी खरीद निविदा प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने और कदाचरण खत्म करने की दृश्टि से नियुक्त किया गया है। अतएव यह तैनाती नवाचार को प्रोत्साहित करने और स्वच्छ छवि को बढ़ावा देने के नजरिए से की गई है। यानी डिएला का मनोनयन रामा सरकार की रणनीति की एक कूटनीतिक चाल भी है। प्रधानमंत्री रामा इसी लक्ष्यपूर्ति के बहाने राश्ट्र को भ्रश्टाचार मुक्त बनाए जाने के प्रति, प्रतिबद्धता जता रहे हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में सरकार में षामिल अन्य मंत्रियों, सरकारी अधिकारियों ने कहना षुरू कर दिया है कि सार्वजनिक व्यय में भ्रश्टाचार से लड़ने में मदद मिलेगी। इसके विपरीत विपक्षी सांसद दावा कर रहे हैं कि यह तथाकथित एआई से संचालित स्त्री रोबोट भ्रश्टाचार पर पर्दा डालने का काम करेगा। क्योंकि हम जानते हैं कि अंततः रोबोट एक मशीन ही है, जिसके डाटा और सर्किट में परिवर्तन किए जा सकते हैं। अल्बानिया के संविधान में जनता द्वारा निर्वाचित सांसद को ही मंत्री बनने का अधिकार है न कि किसी स्त्री रोबोट के आभासी अवतार को? मन, दिल और जैविक शरीर के बिना अस्तित्व वाला रोबोट मंत्री का स्थान कैसे ले सकता है? यह तरीका इंसान को जीवंत राजनीति से विस्थापन का कुटिल तकनीकी उपाय भर है, जो किसी भी देश और मानव जाति के लिए घातक है। कोई प्रतीक मनुष्य का स्थान नहीं ले सकता है। डिएला की तैनाती में जो सबसे प्रमुख कमी है, वह है कि इसकी गलतियों के लिए जिम्मेदार किसे ठहराया जाए? क्योंकि डिएला कोई प्राकृतिक व्यक्ति नहीं है और न ही इस पर कोई स्पष्ट कानून है। इसमें निजता और डेटा संप्रभुता जैसी सुरक्षा संबंधी समस्याएं भी परिलक्षित हो रही हैं। अतएव एआई कुशल और समावेशी शासन व्यवस्था के लिए एक शक्तिशाली मशीनी यंत्र अवश्य है, तथपि इसके उत्तरदायित्व और लोक विश्वास सुनिश्चित होने जरूरी हैं। जिससे इसके नैतिक और लोकतांत्रिक मानदंड निर्धारित हों।

देश दुनिया से

पटाखों पर राजनीति के बजाय तार्किक समाधान निकालें

बीते दशक से दिल्ली में दिवाली के आसपास प्रदूषण की स्थिति खतरनाक हो जाती है और कोर्ट का मानना है कि पटाखों से प्रदूषण और अधिक बढ़ जाता है। लेकिन इस प्रकरण की अहम बात यह है कि पटाखों पर प्रतिबंध के बावजूद बिक्री में कोई कमी नहीं आती, क्योंकि प्रशासन की नाक के नीचे दुकानदार धड़ल्ले से पटाखे बेचते हैं और लोग जमकर खरीदते भी हैं। बीते 7 अक्तूबर को दिल्ली सरकार ने कहा था कि वह सुप्रीम कोर्ट जाएगी और ग्रीन पटाखों की अनुमति लेगी। वर्ष 2019 से दिल्ली में सभी पटाखों पर बैन है और मुख्यमंत्री ने जनभावना को देखते हुए सीमित ग्रीन पटाखे चलाने की इजाजत मांगी थी। दिल्ली सरकार ने कहा है कि अगर सुप्रीम कोर्ट पटाखों से प्रतिबंध हटाता है तो वह ऐसे सभी कदम उठाने को तैयार है, जिनसे निर्देशों का पूरी तरह पालन हो सके। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि अगर पटाखे फोड़ने पर प्रतिबंध हटा लिया जाता है तो हम अदालत के आदेश के आलोक में आवश्यक कदम उठाने के लिए तुरंत एक बैठक करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि आदेश का पालन हो। सरकार जिन पटाखों की पैरवी कर रही है, उनके विषय में यह बताया जाता है कि ग्रीन पटाखों से सामान्य पटाखों की तुलना में 30 प्रतिशत कम प्रदूषण होता है। लेकिन कई वर्षों से पिछली आम आदमी पार्टी की सरकार न तो इसके लिए कोई ठोस काम कर पाई थी और न ही जागरूकता फैला पाई थी। इस बार बारी भारतीय जनता पार्टी की है, जिसे इस कसौटी पर खरा उतरना बाकी है। आम आदमी पार्टी के समय में बीजेपी के कई बड़े नेता इस मामले को लेकर केजरीवाल को घेरते थे और कहते थे कि पटाखों पर बैन लगाना हिंदुत्व पर प्रहार है, हालांकि आदेश हर बार कोर्ट का ही होता था और अब भी कोर्ट का ही है। अब यह देखना बाकी है कि दिल्ली सरकार कितनी सक्रियता दिखाती है और किस तरह का समाधान निकालती है। दरअसल, हम प्रदूषण को लेकर आज तक यह तय नहीं कर पाए हैं कि इसकी असली वजह क्या है। इस मामले को लेकर विशेषज्ञों की अलग-अलग राय है। कुछ कहते हैं कि सर्दियों के मौसम में प्रदूषण अपने आप बढ़ जाता है। बीते लगभग दो दशकों में दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण बढ़ने का सबसे बड़ा कारण यह रहा कि दिल्ली से सटे हर कोने में जितनी हरियाली थी, वहां अब बड़ी-बड़ी इमारतें बन चुकी हैं। जैसे गाजियाबाद से सटे राज नगर में लाखों फ्लैट बन चुके हैं। दूसरी ओर गुरुग्राम में जितनी हरियाली थी, आज वहां एक-एक इंच जमीन किसानों ने बेच दी और वहां भी लाखों फ्लैट बन चुके हैं। बल्कि एशिया के सबसे महंगे फ्लैट वहां बिकने लगे हैं।वहीं तीसरी ओर लोनी बॉर्डर और चौथी ओर फरीदाबाद में भी यही स्थिति है। इसके अलावा विशेषज्ञों का मानना है कि पराली जलाना भी प्रदूषण का एक बड़ा कारण है, क्योंकि इससे हवा में हानिकारक गैसें और कण फैलते हैं, जैसे मीथेन, कार्बन मोनोऑक्साइड और पार्टिकुलेट मैटर। यह धुंध का निर्माण करता है, जो शहर की वायु गुणवत्ता को खराब करता है। पराली जलाने के कारण सर्दियों के महीनों में प्रदूषण का स्तर विशेष रूप से गंभीर हो जाता है, क्योंकि धीमी हवाएं इन प्रदूषकों को शहर के ऊपर फंसा देती हैं। दिल्ली-एनसीआर में हर रोज सैकड़ों नए वाहन खरीदे जाते हैं, अर्थात राजधानी में अपनी क्षमता से अधिक वाहन हो चुके हैं, जो प्रदूषण बढ़ने का एक और बड़ा कारण है। पटाखों को लेकर कोर्ट की सबसे जटिल समस्या यह है कि दीपावली सर्दी के मौसम में आती है, जब दिल्ली में प्रदूषण पहले से ही बहुत अधिक होता है। कोर्ट का मानना है कि पटाखे जलाने से प्रदूषण और भी बढ़ जाता है। लेकिन प्रतिबंध के बावजूद पटाखों की बिक्री और खरीद में कोई कमी देखने को नहीं मिलती। पटाखों पर प्रतिबंध को कुछ लोग अपनी आस्था पर चोट मानते हैं, जिसको लेकर कई हिंदूवादी संगठनों और नेताओं के बयान हर वर्ष देखने और सुनने को मिलते हैं। यह बात तय है कि दिवाली हिंदुओं के सबसे बड़े त्योहारों में से एक है और इस पर्व पर पटाखे न जलाकर त्योहार अधूरा लगता है। जब से सनातन परंपरा का उदय हुआ है, तब से यह प्रथा चली आ रही है, और उसे निभाए बिना त्योहार पूरा नहीं लगता। सवाल यही है कि दिल्ली में इसका समाधान कैसे संभव है, क्योंकि हर वर्ष यही स्थिति दोहराई जाती है, जो त्योहार के उत्साही लोगों में कुंठा पैदा कर रही है। कोर्ट और जनता के बीच फंसा यह भावनात्मक घटनाक्रम अब निराशा का रूप ले चुका है। इसमें एक सवाल यह उठता है कि आखिर राजधानी में इतना पटाखा आ कहां से रहा है? पूर्ण रूप से प्रतिबंध होने के बावजूद इतनी बड़ी मात्रा में पटाखे किस तरह आ रहे हैं? स्थिति स्पष्ट है कि तंत्र की मिलीभगत के बिना यह संभव नहीं है। तो फिर यह ड्रामा क्यों किया जा रहा है? बहरहाल, कोर्ट और सरकार को इसका कोई स्थायी समाधान निकालना चाहिए, जिससे लोगों के मन की कुंठा भी दूर हो और त्योहार भी मनाया जा सके।

आप का नजरिया

मंदिर आर्थिकी की दिशा में

हिमाचल के मंदिरों का सरकारीकरण पहली बार अपनी संवेदना का कानूनी शब्दकोष पढ़ रहा है। हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के ताजा निर्देश वर्षों से चल रही वित्तीय व्यवस्था को नैतिकता व सदाशयता की सीमा बता रहे हैं। न्यायमूर्ति विवेक सिंह ठाकुर और न्यायमूर्ति राकेश कैंथला की पीठ ने मंदिर व्यवस्था के उच्चारण बदलते तथा सारी चढ़त के पैमाने तय करते हुए, खर्च करने का मार्गदर्शन किया है। दरअसल मंदिरों की कमाई आज तक परिभाषित नहीं हुई, जबकि मंदिर आर्थिकी विकसित करने से कई परिवारों को रोजगार, व्यापार को आधार और पर्यटन को चमत्कृत करने का रोड मैप तैयार हो सकता है। इसमें दो राय नहीं कि मंदिर आय की फिजूलखर्ची रुकनी चाहिए, लेकिन यह भी जरूरी है कि आय के इस स्रोत का सही इस्तेमाल करके हम कम से कम पांच हजार करोड़ की आर्थिकी पैदा कर सकते हैं। दक्षिण भारत के मंदिर, वैष्णो देवी या शिरडी का साई मंदिर अकेले तौर पर ही पांच से हजार करोड़ की आर्थिकी पैदा कर रहे हैं, तो प्रदेश के कम से कम आठ-दस मंदिर इस हैसियत में हैं कि आय-व्यय के हिसाब को एक बड़ी आर्थिकी की तस्वीर तक ले जाएं। धूमल सरकार ने प्रशासनिक अधिकारी के सी शर्मा की अध्यक्षता में दक्षिण भारतीय मंदिरों की प्रबंधकीय व्यवस्था पर आधारित एक सिफारिशी रिपोर्ट तैयार की, लेकिन इसका कार्यान्वयन नहीं हुआ। नतीजतन मंदिरों का संचालन एक आधी अधूरी व्यवस्था देख रही है। न कोई कर्मचारी कॉडर बना और न ही प्रबंधन का कोई कोड स्थापित हुआ। आश्चर्य तो यह कि मंदिर व्यवस्था का कोई राज्य स्तरीय पैमाना ही नहीं, लिहाजा हर धार्मिक स्थल पर स्थानीय या क्षेत्रीय राजनीति की पहलवानी होती रही है। मंदिर आय से राजनीतिक खर्चे पूरे होते रहे। दियोटसिद्ध जैसे मंदिर ट्रस्ट ने अनावश्यक कर्मचारियों की संख्या बढ़ा कर रोजगार खरीद लिया, जबकि कई मंदिरों की आय से विकास के नाम पर पैसा जाया होने लगा। माननीय अदालत ने वीआईपी कल्चर की ओर इशारा करते हुए कुछ खर्चे गिनवाए हैं, जहां काजू-किसमिस जैसी खरीद की कड़वाहट घोलती रही है। यहां प्रश्न यह भी तय किया गया कि मंदिर आय का असली वारिस ईश्वरीय स्थापना है। इसका व्यापक अर्थ यह भी हो सकता कि श्रद्धा में आया धन श्रद्धालुओं की सुविधा में खर्च हो। हमें लगता है कि कानूनी दृष्टि में मंदिर विधेयक को विशिष्टता के साथ आज के संदर्भ में सार्थक बनाने पर बहस होनी चाहिए। सर्वप्रथम प्रबंधकीय हिसाब से एक केंद्रीय ट्रस्ट या मंदिर विकास प्राधिकरण का गठन करके स्थायी कॉडर व इंतजाम करना होगा। मंदिरों का विकास श्रद्धालुओं की सुविधा तथा आर्थिकी के हिसाब से करते हुए, प्रसाद, पूजा सामग्री व उपहार वस्तुओं के उत्पादन तक होना चाहिए। हिमाचल में आने वाले अस्सी फीसदी पर्यटक किसी न किसी तरह से धार्मिक यात्राओं से ही जुड़ते हैं, अतः इस संभावना के सांस्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक व पारंपरिक मूल्यों का संरक्षण तथा विस्तार होना चाहिए। कुछ संस्कृत विद्यालयों को मंदिरों की आस्था से जोड़ा गया था, लेकिन अब धर्म स्थलों पर बनारस और चारधाम जैसे प्रयोग जरूरी हो जाते हैं। मंदिर आय से परिसरों को सांस्कृतिक केंद्रों के रूप में विकसित करके स्थानीय कलाकारों को रोजगार तथा श्रद्धालुओं को यहां के कलात्मक पक्ष से रू-ब-रू होने का अवसर मिलेगा। इसी आय से हिमाचल में आठ-दस धर्म नगरियां विकसित करके, वहां के हर पहलू में धार्मिक व पारंपरिक मान्यताओं को मथुरा-वृंदावन दर्शन जैसी परिपाटी की तरह पेश किया जा सकता है। अगर हम मंदिर आर्थिकी की दिशा में संगठित प्रयास करते हैं, तो कई धार्मिक यात्रा सर्किट, मंदिर रेल परियोजना तथा मंदिर विकास परियोजनाओं का वित्त पोषण चढ़ावे से ही कर सकते हैं। हमारा लक्ष्य मंदिर आर्थिकी को पांच हजार करोड़ तक पहुंचाने का होना चाहिए और यह अदालत द्वारा निर्देशित फिजूलखर्ची रोक कर ही संभव होगा।

हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के ताजा निर्देश वर्षों से चल रही वित्तीय व्यवस्था को नैतिकता व सदाशयता की सीमा बता रहे हैं। न्यायमूर्ति विवेक सिंह ठाकुर और न्यायमूर्ति राकेश कैंथला की पीठ ने मंदिर व्यवस्था के उच्चारण बदलते तथा सारी चढ़त के पैमाने तय करते हुए, खर्च करने का मार्गदर्शन किया है। दरअसल मंदिरों की कमाई आज तक परिभाषित नहीं हुई, जबकि मंदिर आर्थिकी विकसित करने से कई परिवारों को रोजगार, व्यापार को आधार और पर्यटन को चमत्कृत करने का रोड मैप तैयार हो सकता है। इसमें दो राय नहीं कि मंदिर आय की फिजूलखर्ची रुकनी चाहिए, लेकिन यह भी जरूरी है कि आय के इस स्रोत का सही इस्तेमाल करके हम कम से कम पांच हजार करोड़ की आर्थिकी पैदा कर सकते हैं। दक्षिण भारत के मंदिर, वैष्णो देवी या शिरडी का साई मंदिर अकेले तौर पर ही पांच से हजार करोड़ की आर्थिकी पैदा कर रहे हैं, तो प्रदेश के कम से कम आठ-दस मंदिर इस हैसियत में हैं कि आय-व्यय के हिसाब को एक बड़ी आर्थिकी की तस्वीर तक ले जाएं। धूमल सरकार ने प्रशासनिक अधिकारी के सी शर्मा की अध्यक्षता में दक्षिण भारतीय मंदिरों की प्रबंधकीय व्यवस्था पर आधारित एक सिफारिशी रिपोर्ट तैयार की, लेकिन इसका कार्यान्वयन नहीं हुआ। नतीजतन मंदिरों का संचालन एक आधी अधूरी व्यवस्था देख रही है। न कोई कर्मचारी कॉडर बना और न ही प्रबंधन का कोई कोड स्थापित हुआ।

दृष्टि कोण

आरटीआई कानून को प्रभावकारी बनाने की जरूरत

भारत का प्रथम मुख्य सूचना आयुक्त होने के नाते मुझे राजस्थान स्थित ब्यावर में आयोजित सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई) के 20 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में हुए समारोह में आमंत्रित किया गया, वह शहर जहां 1996 में इस प्रकार का कानून बनाए जाने के समर्थन में पहला सार्वजनिक प्रदर्शन हुआ था। अपने संबोधन की शुरुआत मैंने गुरुदत्त की क्लासिक फ़िल्म 'कागज़ के फूल' के गीत की पंक्तियों से की— 'वक्त ने किया क्या हसीं सितम, तुम रहे न तुम हम रहे न हम...।' अब जबकि 2005 में आए इस अधिनियम की सालगिरह मनाई जा रही है, इसको लेकर गर्मागर्म बहसें भी चली हुई हैं, अक्सर भावनात्मक, यह क्या फायदे लेकर आया और क्या चुनौतियां भी। कहा जा सकता है कि 2014 के राष्ट्रीय चुनावों में यह उसी सरकार को मुश्किल में डालने के कारणों में से एक रहा, जिसने इस अधिनियम को लागू किया था। अगली सरकार ने घोषित तौर पर पारदर्शिता और जवाबदेही के सिद्धांत को बरकरार रखने की बात कही और प्रशासन एवं सरकार की पहचान अलग रखने का प्रयास किया। पीएम नरेंद्र मोदी ने 2014 के अपने चुनाव अभियान में 'पारदर्शिता अधिकतम और प्रशासनिक अड़ंगे न्यूनतम' रखने का वादा किया था–'सबका साथ, सबका विकास' का नारा देकर प्रशासन में जन भागीदारी बढ़ाने का वादा। फिर भी, जैसा कि पूर्व मुख्य न्यायाधीश एपी शाह ने हाल ही में ब्यावर में आयोजित एक आरटीआई मेले में अपने संबोधन में उल्लेख किया है, कानून में संशोधन और गोपनीयता की सुरक्षा के लिए बनाए गए नए कानून के पारित होने के कारण सूचना आयुक्तों का अधिकार क्षेत्र घटा है और यह सूचना आयोगों की स्वतंत्रता में भी ह्रास करने वाला है। आगे, आरटीआई अधिनियम की धारा 8 में भी एक संशोधन किया गया है, जिसमें सार्वजनिक हित स्थापित होने पर निजी मानी जाने वाली जानकारी के प्रकटीकरण की अनुमति थी। इसलिए, यह अधिनियम शासन की प्रकृति के संदर्भ में परिवर्तनकारी रहा। यह

सर्वमान्य सिद्धांत है कि लोकतंत्र में सरकार का सार तत्व पारदर्शिता है, ताकि प्रत्येक अंग - कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका- नागरिक के प्रति जवाबदेह हो। लेकिन जहां तक भारत में नौकरशाही की मानसिकता का प्रश्न है, 'माई-बाप' वाली सामंती सोच गणतंत्र के जन्म के बाद भी लंबे समय तक कायम है। सूचना का अधिकार अधिनियम घोषित करता है कि लोकतंत्र के लिए एक जागरूक नागरिक वर्ग और सूचना की पारदर्शिता होना आवश्यक है, जो इसके संचालन के लिए तो अत्यंत आवश्यक है ही, साथ ही भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने, सरकारों एवं उनके तंत्रों को जनता के प्रति जवाबदेह बनाने के लिए भी जरूरी है। इस प्रकार, यह अधिनियम लोकतंत्र में नागरिकों को शासन में प्रमुख भागीदार बनाने का प्रयास करता है। इस दृष्टि से देखा जाए तो यह कानून शासन को अत्यधिक सुदृढ़ बनाने में एक माध्यम है। दो प्रतिष्ठित गैर-सरकारी संगठनों - सूचना का अधिकार आकलन एवं विश्लेषण समूह (आरएजी) और जन सूचना के अधिकार के लिए राष्ट्रीय अभियान - ने अपनी जन आकलन रिपोर्ट (2008) में 11 राज्यों से प्राप्त फीडबैक के विस्तृत विश्लेषण के आधार पर पाया कि आरटीआई अधिनियम को लेकर जागरूकता स्तर, अपने प्रारंभिक चरण में किसी भी अन्य कानून के बारे में जागरूकता की तुलना में काफी ऊपर था। सर्वे में भाग लेने वाले 40 प्रतिशत से अधिक शहरी उत्तरदाताओं को इस अधिनियम के बारे में जानकारी थी, हालांकि ग्रामीण उत्तरदाताओं में यह आंकड़ा 20 फीसदी से भी कम था।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के स्वात जिले में ट्रक पलटा, परिवार के 15 सदस्यों की मौत

इस्लामाबाद,16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में तड़के हुए सड़क हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई और आठ घायल हो गए। यह हादसा स्वात जिले में हुआ। रेस्क्यू 1122 के एक अधिकारी के अनुसार, स्वात जिले में पंजाब जा रहे एक ट्रक के पलट जाने से कम से कम 15 लोगों की जान चली गई। सभी एक ही परिवार के सदस्य हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, मलकंद रेस्क्यू 1122 की प्रवक्ता शफीका गुल ने एक बयान में कहा, गुरुवार सुबह स्वात मोटर-वे की सुरंग संख्या 3 के पास एक ट्रक के पलट जाने से एक ही परिवार के कम से कम 15 सदस्यों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि मृतकों और घायलों में पुरुष, महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। बयान में कहा गया है, परिवार बहरीन तहसील के गबराल इलाके का रहने वाला था और जब यह दुखद घटना हुई तब वे पंजाब जा रहे थे।

प्रवक्ता के अनुसार, बचाव दल घटनास्थल पर पहुंचे और मोटर-वे पुलिस के साथ मिलकर राहत अभियान चलाया। घायलों को बटखेला स्थित जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाया गया है। डॉक्टरों ने बताया कि घायलों में से चार की हालत गंभीर है और उन्हें स्वात रेफर कर दिया गया है।

पिछले महीने डेरा इस्माइल खान में ब्रेक फेल होने के कारण एक ट्रक के दुर्घटनाग्रस्त होने से कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई थी और तीन अन्य घायल हो गए थे। 11 सितंबर को मनसेहरा में एक जीप के खड्डु में गिर जाने से दो महिलाओं की मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए थे। उससे दो दिन पहले हरिपुर के हजारा मोटर-वे पर एक सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई थी।

रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में राजमार्गों और मोटर-वे पर दुर्घटनाएं आम हैं। यह दुर्घटनाएं लापरवाही से गाड़ी चलाने, चालक की थकान और वाहनों के खराब रखरखाव के कारण होती हैं। सड़कों की खराब स्थिति भी हादसों के लिए जिम्मेदार है। यातायात कानूनों के कमजोर होने के कारण लोग नियमों का उल्लंघन करते हैं।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया को ढाका के एवर केयर अस्पताल में भर्ती कराया गया

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया को तड़के डॉक्टरों की सलाह पर राजधानी के एवर केयर अस्पताल में भर्ती कराया गया। बीएनपी मीडिया सेल के सदस्य शायरुल कबीर खान ने इसकी पुष्टि की। रिपोर्ट के अनुसार, बीएनपी प्रमुख को बुधवार रात करीब 11:40 बजे उनके गुलशन स्थित आवास अस्पताल ले जाया गया। उनकी निगरानी कर रहे मेडिकल बोर्ड की सिफारिश पर उन्हें तड़के अस्पताल में भर्ती कर लिया गया। लगभग 80 वर्षीय खालिदा जिया लंबे समय से स्वास्थ्य जटिलताओं से घिरी हैं। वह लिवर सिरोसिस, किडनी की समस्या, हृदय रोग, मधुमेह और गठिया से पीड़ित हैं। उन्होंने 28 अगस्त को इस अस्पताल मे स्वास्थ्य की जांच कराई थी। इस साल की शुरुआत में खालिदा जिया आठ जनवरी को उच्च इलाज के लिए लंदन गई थीं। वह लंदन के एक क्लिनिक में 17 दिन भर्ती रहीं। इसके बाद उन्होंने अपने बेटे तारिक रहमान के आवास पर विशेषज्ञ चिकित्सक प्रो. पैट्रिक कैनेडी और प्रो. जेनिफर क्रॉस की देखरेख में अपना इलाज जारी रखा। बीएनपी प्रमुख ब्रिटेन से छह मई को स्वदेश लौटीं। तब से एवर केयर अस्पताल के प्रो. शहाबुद्दीन तालुकदार की अध्यक्षता में गठित मेडिकल बोर्ड की निगरानी में हैं।

अमेरिका जूझ रहा सरकारी शटडाउन से, सीनेट की 15 दिन में नौ बार कोशिश, नहीं पारित हो सका वित्त पोषण विधेयक

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका इन दिनों सरकारी शटटाउन से जूझ रहा है। शटडाउन के 15 दिन गुजर गए। इस दौरान सीनेट ने नौ बार संकट से उबारने के लिए प्रयास किए। सीनेट ने बुधवार को भी सरकार को वित्त पोषण देने के लिए सदन से पारित रिपब्लिकन पार्टी के विधेयक को पारित कराने में विफल रही। सीनेट में गुरुवार को फिर एक बार कोशिश होगी। रिपोर्ट के अनुसार, सीनेट में बुधवार को मतदान में डेमोक्रेट्स का कोई अतिरिक्त समर्थन नहीं मिला। डेमोक्रेट्स स्वास्थ्य सेवा कर क्रेडिट के विस्तार की मांग कर रहे हैं। रिपब्लिकन को पांच और सीनेटरों को अपने पक्ष में करने के लिए राजी करना होगा। इस बीच ट्रंप प्रशासन ने अप्रयुक्त अनुसंधान और विकास निधि से सैन्य कर्मियों को वेतन का भुगतान करने की तैयारी की है। गुरुवार को दसवीं बार मतदान इस पर प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने चेतावनी दी कि यह अस्थायी समाधान है और अगर शटडाउन जारी रहा तो सैनिकों को महीने के अंत में अगला वेतन नहीं मिल पाएगा। सीनेट के बहुमत नेता जॉन थून ने कहा कि वह गुरुवार को पेंटागन को वित्तपोषित करने के लिए साल भर के विनियोग विधेयक को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे। इसमें अन्य वित्त पोषण विधेयक भी शामिल हो सकते हैं। इस विधेयक को पारित होने के लिए 60 मतों की आवश्यकता होगी। मतदान सुबह 10 बजे होगा। बताया गया है कि सीनेट रिपब्लिकन फंडिंग बिल पर 10वीं बार मतदान करेगी।

अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को औकात दिखाई तो बौखलाकर बोला- ये सब भारत की देन

काबुल। पाकिस्तान अपने कुकर्मो के चलते कई तरह की मुसीबतों से घिर गया है। उसने अपने पड़ोसी देश अफगानिस्तान से जबरन पंगा ले रहा है। इसके चलते जब अफगानिस्तान ने घुसकर मारा तो चीखा और बोला ये सब भारत करा रहा है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के आरोप हैं कि अफगानिस्तान, भारत का प्रॉक्सी वॉर लड़ रहा है। हालांकि, इसे लेकर भारत सरकार की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। फिलहाल, दोनों मुल्कों के बीच 48 घंटे के संघर्ष विराम पर सहमति बनी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, आसिफ ने आरोप लगाए हैं कि फैसले काबुल के बजाए दिल्ली से लिए जा रहे हैं। उन्होंने हाल ही में हुई अफगानिस्तान के विदेश मंत्री और भारत की मुलाकात पर भी सवाल उठाए हैं। आसिफ ने कहा कि तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी ने भारत के हालिया 6 दिवसीय दौरे पर जाकर प्लान बनाया है। पूर्व में बताया था कि पाकिस्तानी सैन्य बलों ने अफगानिस्तान के कंधार प्रांत और राजधानी काबुल में सटीक हमले किए। सुरक्षा सूत्रों के हवाले से एक्स पर कहा, अफगान तालिबान के आक्रमण के खिलाफ पाकिस्तानी सेना की जवाबी कार्रवाई में प्रमुख ठिकाने नष्ट कर दिए गए।

बांग्लादेश में जुलाई चार्टर पर जनमत संग्रह कराने के समय पर राजनीतिक दलों में गतिरोध

ढाका,16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में जुलाई चार्टर पर राष्ट्रीय जनमत संग्रह कराने के समय को लेकर राजनीतिक असहमति अंतरिम सरकार धर्मसंकट में है। संकेत हैं कि मुख्य सलाहकार डॉ. मोहम्मद यूनुस जल्द ही निर्णायक हस्तक्षेप कर सकते हैं। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने फरवरी में होने वाले आगामी राष्ट्रीय चुनाव के दिन ही जनमत संग्रह कराने का प्रस्ताव रखा है। इसके उलट बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी और नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) जैसी पार्टियां जनमत संग्रह चुनाव से पहले कराने की मांग कर रही हैं। जमात और एनसीपी का तर्क है कि चार्टर पर जनता की राय मतदान से पहले जाननी चाहिए।

रिपोर्ट के अनुसार, अंतरिम सरकार कल (शुक्रवार) जुलाई के राष्ट्रीय (जुलाई) चार्टर पर हस्ताक्षर करने वाली है इसे कैसे लागू किया जाए, इस पर राजनीतिक दलों के बीच मतभेद बने हुए हैं। इन मतभेदों को पाटने और हस्ताक्षर से पहले अनिश्चितता को दूर करने के प्रयास में सर्वसम्मति आयोग के अध्यक्ष डॉ. यूनुस ने बुधवार को प्रमुख राजनीतिक दलों और गठबंधनों के नेताओं से चर्चा की। चर्चा के बाद वामपंथी गठबंधन ने अनसुलझे मुद्दों का हवाला देते हुए घोषणा की कि वह चार्टर पर हस्ताक्षर नहीं करेगा।

एनसीपी नेता अख्तर हुसैन ने कहा कि जुलाई चार्टर पर हस्ताक्षर करने के पार्टी के फैसले की समीक्षा की जा रही है। बताया गया है कि अंतरिम सरकार के विभाग भी जनमत संग्रह की समय-सीमा को लेकर विभाजित हैं। जुलाई चार्टर पर हस्ताक्षर समारोह कल राष्ट्रीय संसद के साउथ प्लाजा में निर्धारित है। इसमें कम से कम 30 राजनीतिक दलों के शामिल होने की उम्मीद है। जनमत संग्रह का मूल प्रस्ताव राष्ट्रीय सहमति आयोग का है। अब आयोग अंतरिम सरकार को संभावित तिथियों का सुझाव देते हुए एक औपचारिक पत्र भेजने की तैयारी कर रहा है। आयोग के सदस्य प्रोफेसर डॉ. बदीउल आलम मजूमदार ने पुष्टि की है कि अभी तक समय सीमा तय नहीं हो सकी है। उन्होंने कहा, हमने जनमत संग्रह कब होगा, इस पर कोई निर्णय नहीं लिया है। चुनाव से पहले जनमत संग्रह कराने के समर्थकों का कहना है कि इससे राजनीतिक दलों को जनता की भागीदारी पर ध्यान केंद्रित करने का मौका मिलेगा। इस मसले पर बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान की अध्यक्षता में स्थायी समिति ने सोमवार रात बैठक की। पार्टी ने अपने रुख की पुष्टि की कि जनमत संग्रह राष्ट्रीय चुनाव के साथ ही होना चाहिए। महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर और स्थायी समिति के सदस्य सलाहुद्दीन अहमद सहित बीएनपी नेताओं ने शीघ्र जनमत संग्रह के विचार को चुनाव में देरी की एक चाल बताकर खारिज कर दिया । फखरुल ने चेतावनी दी कि अगर सरकार सहमत शर्तों से पीछे हटती है तो बीएनपी जनमत संग्रह और चुनाव दोनों का बहिष्कार कर सकती है। संविधान सुधार आयोग के एक सदस्य ने संकेत दिया कि एक धर्म-आधारित पार्टी रणनीतिक लाभ के लिए चुनाव में देरी करना चाह रही है। जमात महासचिव प्रो. मिया गुलाम पोरवार ने टकराव की बजाय बातचीत का आग्रह करते हुए सुलह का स्वर अपनाया है। उन्होंने आम सहमति में बाधा डालने वाले एक राजनीतिक नेता के अहंकार की भी आलोचना की। बीएनपी और गणतंत्र मंच के नेताओं ने कहा कि डॉ. यूनुस इस मुद्दे पर काफी हद तक चुप रहे हैं। हालांकि, हाल ही में संयुक्त राष्ट्र की यात्रा से लौटने के बाद वह कथित तौर पर काफी मजबूत स्थिति में हैं। बीएनपी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा, अगर डॉ. यूनुस जनमत संग्रह पर जल्दबाजी में राजपत्र जारी कर देते हैं तो राजनीतिक दलों के पास पैंतरेबाजी करने की बहुत कम गुंजाइश होगी। उन्होंने कहा कि अगर वे सहयोग करने से इनकार करते हैं तो उन्हें और सख्ती से काम करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। गणसंघति आंदोलन के नेता जोनायद साकी ने इस मसले पर आम सहमति की जरूरत पर जोर दिया है। जातीय नागोरिक ओइक्या के महमूदुर रहमान मन्ना ने कहा कि उनकी पार्टी को अभी तक सरकार से कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं मिला है। उन्होंने कहा, फिर भी, हमने बीएनपी के साथ अपनी स्थिति पर सहमति बना ली है।

नेपालः निर्वाचन आयोग ने बुलाई सर्वदलीय बैठक, राजनीतिक दलों से चुनाव प्रक्रिया में शामिल होने की अपील

काठमांडू,16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

नेपाल में आम चुनाव के लिए जरूरी तैयारियों को लेकर निर्वाचन आयोग ने गुरुवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। देश की अंतरिम सरकार ने 5 मार्च 2026 को आम चुनाव कराने की घोषणा की है। निर्वाचन आयोग की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक बैठक में उन 29 राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को बुलाया गया है जो पिछले संघीय संसद, प्रदेश सभा और स्थानीय चुनाव में कम से कम एक भी सीट पर जीत हासिल की थी।

निर्वाचन आयोग के प्रवक्ता नारायण प्रसाद भट्टराई ने कहा कि सभी दलों से निर्वाचन प्रक्रिया में शामिल होने की अपील की गई है। इस समय पूरे देश में मतदाता नामावली संकलन का काम चल रहा है। सभी दलों को इस कार्य में भी सहयोग करने की अपील की गई है। हाल ही में सरकार ने नेपाल में मतदान की उम्र सीमा को 18 वर्ष से घटा कर 16 वर्ष कर दिया है। नेपाल में जेन जी विद्रोह के बाद गठित अंतरिम सरकार ने एक अध्यादेश के जरिए निर्वाचन में मतदान करने की उम्र को 18 वर्ष से घटा कर 16 वर्ष किए जाने का फैसला किया था। इसके साथ ही निर्वाचन आयोग ने सभी राजनीतिक दलों से कहा है कि आयोग द्वारा जारी निर्वाचन तालिका के मुताबिक ही सभी दल अपना पंजीकरण और नवीकरण करा लें। आयोग ने आम निर्वाचन में सहभागिता के लिए नए राजनीतिक दलों को अपना दल पंजीकरण कराने के लिए 15 नवंबर तक का समय दिया है। इसी तरह पुराने राजनीतिक दलों को भी इसी अवधि में अपने दल का नवीकरण कराने को कहा गया है।

फटकार के बाद फिर पाकिस्तान पर मेहरबान हुआ अंतरराष्ट्रीय मुद्रा

वाशिंगटन डीसी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) बीते दिनों पाकिस्तान को फटकार लगाता हुआ दिख रहा था। वैश्विक निकाय ने गलत व्यापार आंकड़े देने पर पाक पर सख्ती दिखाकर उससे 11 अरब डॉलर का पूरा हिसाब-किताब मांगा था। लेकिन लंबे समय से आर्थिक बदहाली के शिकार पाकिस्तान पर फिर आईएमएफ मेहरबान दिखा। बुधवार को पाकिस्तान-आईएमएफ के बीच लोन प्रोग्राम को लेकर एक स्टाफ लेवल समझौता (एसएलए) हुआ है। इसके बाद पाकिस्तान को 1.2 अरब डॉलर (करीब 10600 करोड़ भारतीय रुपये) मिलने का रास्ता भी साफ हो गया है। पाकिस्तान को नए समझौते के तहत आईएमएफ से एक्सटेंडेड फंड फैसिलिटी (ईएफएफ) के तहत 1 अरब डॉलर (8816 करोड़ रुपये से ज्यादा) उपलब्ध कराए जाएंगे। जबकि रेजिलिएंस एंड सस्टेनेबिलिटी फैसिलिटी (आरएसएफ) के तहत 200 मिलियन डॉलर (करीब 1763 करोड़ रुपये) की राशि मिलेगी। बीते सप्ताह इवा पेत्रोवा के नेतृत्व में आईएमएफ मिशन ने ईएफएफ की दूसरी समीक्षा पर पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ चर्चा की थी, जिसके बाद अब पाकिस्तान को लोन की एक और किस्त मिलने का रास्ता साफ हो गया है।

ट्रंप ने कहा-हमास को निशस्त्र करने के लिए अमेरिकी सेना की जरूरत नहीं होगी

वाशिंगटन,16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

गाजा पट्टी में आतंकवादी संगठन हमास और इजराइल के बीच लागू युद्धविराम के सूत्रधार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कहा कि हमास को हर हाल में हथियार छोड़ने होंगे। उन्होंने आश्वस्त होते कहा कि हमास को निशस्त्र कराने के लिए अमेरिकी सेना की जरूरत नहीं पड़ेगी।

रिपोर्ट के अनुसार ट्रंप ने बुधवार को दोहराया, हम चाहते हैं कि हमास हथियार छोड़ दे। हमास ऐसा करने के लिए सहमत भी हो गया है। अब हमास को ऐसा करना ही होगा। अगर वह ऐसा नहीं करता, तो हम उसे ऐसा करने पर बाध्य कर देंगे। उन्होंने पूरी दृढ़ता के साथ कहा कि अमेरिकी सेना को इसमें शामिल होने की जरूरत नहीं होगी। इससे पहले ट्रंप ने मंगलवार को कहा था उग्रवादी समूह का निशस्त्रीकरण गाजा शांति प्रस्ताव का प्रमुख हिस्सा है। युद्धविराम समझौते के पहले चरण में इस पर जोर नहीं दिया गया। इस बीच दो अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि इजराइल में अमेरिकी नेतृत्व वाला समन्वय केंद्र (कमांड सेंटर) आने वाले दिनों में शुरू हो जाएगा। यह गाजा में युद्धविराम समझौते के कार्यान्वयन की निगरानी करेगा। कमांड सेंटर का नेतृत्व शुरू में एक अमेरिकी थ्री-स्टार जनरल करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि कमांडर के पास एक विदेशी डिप्टी भी होगा। वह टू-स्टार अधिकारी के समकक्ष होगा।

इस बीच वरिष्ठ इजराइली अधिकारियों ने हमास पर शांति समझौते के कार्यान्वयन में बाधा डालने का आरोप लगाया है। इजराइली अधिकारियों की इस टिप्पणी पर वरिष्ठ अमेरिकी सलाहकारों ने बुधवार को कहा कि गाजा में युद्ध को समाप्त करने वाला नाजुक शांति समझौता कायम दिख रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि हमास शेष बंधकों के शवों को वापस करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है।

हमास से मिले दो और शव रेडक्रॉस ने इजराइल को सौंपे, समूह ने कहा-सभी मृत बंधक वापस, दावे पर ट्रंप भड़के

तेल अवीव,16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हमास ने रेडक्रॉस को दो और बंधकों के सौंप दिए। इसके बाद रेडक्रॉस के अधिकारियों ने दोनों शव इजराइली सेना को सौंप दिए। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने इसकी पुष्टि की। हमास ने दावा किया है कि उसने अब सभी मृत बंधकों को वापस कर दिया है। इस पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

रिपोर्ट के अनुसार, शवों को पहचान के लिए अबू कबीर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन ले जाया गया है। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने इजरायल को रोके रखा है। अगर हमास समझौते को बरकरार नहीं रखता तो इजराइल की फिर गाजा पट्टी में वापसी होगी। अन्य रिपोर्ट्स के अनुसार, इजराइली अधिकारियों ने कहा कि हमास की तरफ से सौंपे गए चौथे शव की पहचान फिलीस्तीनी नागरिक के तौर पर हुई है। वह बंधक नहीं था। आईडीएफ ने कहा कि युद्धविराम समझौते के तहत हमास को सभी जीवित और मृत बंधकों को सोमवार तक सौंपना था।

इससे पहले हमास ने मंगलवार रात गाजा सिटी में रेडक्रॉस को चार शव सौंपे थे। इन्हें बाद में इजरायली सेना को सौंपा गया। सोमवार को हमास ने अंतिम 20 जीवित बंधकों को रिहा किया था। युद्धविराम समझौते की शर्तों के अनुसार सभी 28 मृत बंधकों के शव सोमवार दोपहर तक लौटाए जाने थे। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू कह चुके हैं कि अगर हमास ने निशस्त्रीकरण से इनकार किया तो तबाही मच जाएगी। नेतन्याहू ने सीबीएस न्यूज को दिए साक्षात्कार में कहा है कि अगर हमास निशस्त्रीकरण के लिए सहमत नहीं होता है, तो तबाही मचनी तय है। यह पूछने पर कि जब इजराइली सेना अभी भी गाजा के कुछ हिस्सों में तैनात है और हमास पट्टी पर फिर से नियंत्रण स्थापित कर रहा है, तो यह कैसे कहा जा सकता है कि युद्ध समाप्त हो गया है नेतन्याहू ने कहा, हम शांति को एक मौका देने के लिए सहमत हुए हैं।

इजराइल ने हमास के दावों को टालमटोल की रणनीति बताकर खारिज कर दिया है और धमकी दी है कि अगर आतंकवादी समूह शेष शवों को तुरंत वापस नहीं करता है तो वह सहायता सीमित कर देगा। मिस्र के साथ राफाह सीमा बंद कर दी जाएगी। और लड़ाई फिर से शुरू कर दी जाएगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भी मंगलवार को कहा कि हमास ने मध्यस्थों को मृत बंधकों के बारे में धोखे में रखा ।

कार्लोस अल्कराज ने 'सिक्स किंग्स स्लैम' में खेलने के फैसले का बचाव किया, कहा, टूर के थकाऊ शेड्यूल से ये बेहतर

रियाद (एऊदी अरब),16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

विश्व नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी स्पेन के कार्लोस अल्कराज़ ने सऊदी अरब में होने वाले 'सिक्स किंग्स स्लैम' प्रदर्शनी टूर्नामेंट में खेलने के अपने फैसले का बचाव किया है। अल्कराज ने हाल ही में कहा था कि व्यस्त शेड्यूल के चलते वे कुछ एटीपी टूर्नामेंट्स से हटने पर विचार कर सकते हैं ताकि अपनी फिटनेस और स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे सकें।

पुरुष और महिला टेनिस सर्किट करीब 11 महीने तक चलते हैं और लंबे प्रारूप के कारण खिलाड़ियों पर शारीरिक और मानसिक दबाव लगातार बढ़ रहा है। एशियाई स्विंग के दौरान गर्मी और नमी की वजह से कई खिलाड़ियों को चोट और थकान के कारण टूर्नामेंट से हटना पड़ा।

इस बीच प्रोफेशनल टेनिस प्लेयर्स एसोसिएशन ने मार्च में खेल की शासी संस्थाओं के खिलाफ मुकदमा दायर किया था, जिसे अस्थिर शेड्यूल बताया गया था।

टोक्यो में खिताब जीतने के बावजूद टखने की चोट से जूझ रहे अल्कराज ने इसके बाद शंघाई टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था, लेकिन अब उनका 'सिक्स किंग्स स्लैम' में उतरना, जहां 1.5 मिलियन (करीब 12.5 करोड़ रुपये) की उपस्थिति राशि और 6 मिलियन (करीब 50 करोड़ रुपये) का विजेता चेक है, आलोचना का विषय बन गया।

अल्कराज ने आलोचना पर कहा, यह फॉर्मेट बिल्कुल अलग है। प्रदर्शनी मैचों में उतनी मानसिक और शारीरिक थकान नहीं होती जितनी आधिकारिक टूर्नामेंट में 15-16 दिन लगातार खेलने पर होती है। यहां हम बस 1-2 दिन मज़े के लिए खेलते हैं और दर्शकों को एंटरटेन करते हैं।

पिछले साल के विजेता जैनिक सिनर भी इस बार रियाद में हिस्सा ले रहे हैं। उन्होंने शंघाई में क्रैम्प्स की वजह से जल्दी बाहर होने के बाद प्रदर्शनी इवेंट को चुना। अल्कराज ने कहा, मैं आलोचना को समझता हूं, लेकिन कई बार लोग हमारी स्थिति और भावनाओं को नहीं समझ पाते। इतने लंबे टूर्नामेंट्स की तुलना में प्रदर्शनी खेल मानसिक रूप से थकाने वाले नहीं होते।

अल्कराज को टूर्नामेंट में सीधे सेमीफाइनल में बाई मिली है और उनका मुकाबला गुरुवार को टेलर फ्रिट्ज से होगा। उन्होंने बताया कि उनका टखना अभी पूरी तरह फिट नहीं है। उन्होंने कहा, मैं 100 प्रतिशत फिट महसूस नहीं कर रहा हूं, कोर्ट पर मूवमेंट के दौरान अभी भी संदेह बना रहता है, लेकिन काफी सुधार हुआ है और मैं सिक्स किंग्स स्लैम में अच्छा प्रदर्शन करने को तैयार हूं।

न्यूज़ ब्रीफ

रणजी ट्रॉफी 2025-26: अभिनव तेजराना ने प्रथम श्रेणी डेब्यू पर जड़ा दोहरा शतक, गोवा के लिए रचा इतिहास

पोरवोरिम (गोवा)। रणजी ट्रॉफी 2025-26 में गोवा के युवा बल्लेबाज़ अभिनव तेजराना ने अपने प्रथम श्रेणी पदार्पण (डेब्यू) मैच में शानदार दोहरा शतक जड़कर इतिहास रच दिया। उन्होंने गुरुवार को चंडीगढ़ के खिलाफ गोवा क्रिकेट एसोसिएशन अकादमी ग्राउंड पर यह उपलब्धि हासिल की। 24 वर्षीय तेजराना ने 301 गेंदों में दोहरा शतक पूरा किया और प्रथम श्रेणी डेब्यू पर दोहरा शतक लगाने वाले गोवा के पहले बल्लेबाज़ बन गए। वे इस उपलब्धि को हासिल करने वाले भारत के केवल 13वें खिलाड़ी हैं। तेजराना ने 320 गेंदों में 205 रन बनाए, जिसमें 21 चौके और चार छक्के शामिल थे। इस दौरान उनका ललित यादव के साथ चौथे विकेट के लिए 309 रनों की साझेदारी रही, जो गोवा के चौथे विकेट के रिकॉर्ड से सिर्फ एक रन कम रही। यह रिकॉर्ड राहुल केनी और अजय रात्रा के नाम है। गौरतलब है कि बिहार के साकिबुल गनी के नाम प्रथम श्रेणी डेब्यू पर सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड है, जिन्होंने 2021-22 सीज़न में मिजोरम के खिलाफ 341 रन बनाए थे।

ऑस्ट्रेलिया की ओलंपिक चैंपियन एरियर्न टिटमस ने तैराकी से लिया संन्यास

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया की चार बार की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता तैराक एरियर्न टिटमस ने 25 वर्ष की उम्र में प्रतिस्पर्धी तैराकी से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। टिटमस ने बुधवार को अपना निर्णय सार्वजनिक किया, जिससे उनका शानदार करियर समाप्त हो गया—एक ऐसा करियर जिसमें उन्होंने अमेरिकी स्टार कैटी लेडेकी के साथ खेल इतिहास की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विताओं में से एक को जन्म दिया। टिटमस ने आठ ओलंपिक पदक और चार विश्व खिताब अपने नाम किए हैं। उनका यह फैसला ऑस्ट्रेलिया के लिए चौंकाने वाला है क्योंकि वे लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक में वापसी की योजना बना रही थीं। सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में टिटमस ने कहा, यह बहुत कठिन फैसला था, लेकिन मैं इससे खुश हूं। मुझे तैराकी से हमेशा प्यार रहा है। यह मेरा बचपन का सपना था। लेकिन कुछ समय पूल से दूर रहने के बाद मुझे एहसास हुआ कि जीवन में कुछ चीजें मेरे लिए तैराकी से भी ज्यादा अहम हैं। टिटमस ने पेरिस ओलंपिक में 400 मीटर फ्रीस्टाइल फाइनल में एक बार फिर गोल्ड मेडल जीतकर सुर्खियां बटोरी थीं। इसे रेस ऑफ द सेंचुरी कहा गया था, जब उन्होंने लेडेकी और कनाडा की समर मैकिन्टॉश को पछाड़कर अपना खिताब बरकरार रखा। पेरिस ओलंपिक से आठ महीने पहले टिटमस ने अंडाशय से सौम्य ट्यूमर हटवाने के लिए सर्जरी करवाई थी। उन्होंने बताया कि इस स्वास्थ्य चुनौती ने उन्हें तैराकी के बाहर के जीवन के महत्व को समझने में मदद की।

वृंदावन पहुंचे कुलदीप ने किये बांके-बिहारी के दर्शन

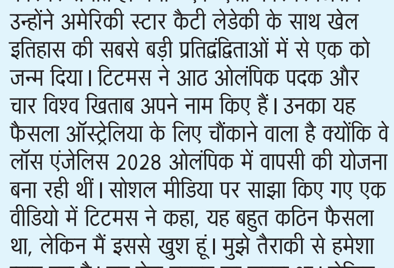

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के खिलाफ शानदार प्रदर्शन कर भारतीय क्रिकेट टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव आजकल वृंदावन में हैं। कुलदीप खेल के बाद जब भी समय मिलता है सीधे वृंदावन पहुंच जाते हैं। कुलदीप ने सोशल मीडिया में इसकी तस्वीरें जारी की हैं। इन तस्वीरों में कुलदीप बांके-बिहारी लाल मंदिर में नजर आ रहे हैं। वह वृंदावन की कुंजी गलियों में भक्ति मार्ग पर चलते नजर आ रहे हैं। साथ में उन्होंने लिखा है, राधे-राधे। वेस्टइंडीज के खिलाफ हुई टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच में कुलदीप ने आठ विकेट लिए थे। अब वह ऑस्ट्रेलिया में 29 अक्टूबर से शुरू होने वाली पांच मैच की टी-20 सीरीज में खेलते हुए नजर आयेंगे। जैसे ही मंदिर में लोगों ने कुलदीप को देखा उनका उत्साह बढ़ गया। चारों ओर 'राधे-राधे' और 'बांके बिहारी लाल की जय' के जयकारे गूंजने लगे। कुलदीप भी हाथ जोड़कर सभी को 'राधे-राधे' कहते दिखे। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली सीरीज से पहले कुलदीप का यह दौरा दिखाता है कि वह कितने आस्थावन हैं। वह आम तौर पर किसी बड़े टूर्नामेंट या सीरीज से पहले मंदिरों में जाकर भगवान के दर्शन कर आशीर्वाद लेते हैं।

अभिषेक और स्मृति बने सितंबर के आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

नई दिल्ली,16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेटरों अभिषेक शर्मा और स्मृति मंधाना ने सितंबर 2025 के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार जीता है। अभिषेक को पुरुष वर्ग में, जबकि मंधाना को महिला वर्ग में यह सम्मान मिला।

अभिषेक शर्मा ने एशिया कप टी20आई टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने सात मैचों में 44.85 की औसत और 200 के स्ट्राइक रेट से 314 रन बनाए। इस प्रदर्शन के दम पर वे प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बने और आईसीसी पुरुष टी20आई बल्लेबाज़ी रैंकिंग में अब तक के सबसे अधिक 931 रेटिंग पॉइंट्स हासिल किए। अभिषेक ने टीममेट कुलदीप यादव और ज़िम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट को पछाड़कर यह अवॉर्ड जीता।

अभिषेक ने कहा, यह पुरस्कार जीतना शानदार एहसास है। मैं खुश हूं कि टीम के लिए अहम मैचों में अच्छा योगदान दे पाया। हमारी टीम की मानसिकता और टीम संस्कृति कमाल की है, जिससे हम मुश्किल हालात में भी जीत दर्ज करते हैं। मैं टीम मैनेजमेंट और अपने सभी साथियों का आभारी हूं।

दूसरी ओर, भारतीय महिला टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज़ में बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने तीन पारियों में क्रमश: 58, 117 और 125 रन बनाए और सीरीज़ में कुल 308 रन 77 की औसत और 135.68 के स्ट्राइक रेट से बनाए। तीसरे वनडे में उन्होंने सिर्फ 50 गेंदों में शतक लगाकर भारत की ओर से सबसे तेज़ शतक का रिकॉर्ड बनाया। मंधाना ने दक्षिण अफ्रीका की ताज़मिन ब्रिट्स और पाकिस्तान की सिदरा अमीन को पछाड़कर यह पुरस्कार जीता। स्मृति मंधाना ने कहा, आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ पुरस्कार प्राप्त करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। यह मुझे और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करता है। यह टीम के सामूहिक प्रयास और विश्वास का नतीजा है। मेरा लक्ष्य हमेशा से टीम के लिए प्रदर्शन कर भारत को जीत दिलाना रहा है।

आईसीसी ने इन दोनों खिलाड़ियों को वैश्विक फैंस और विशेषज्ञ पैनल के वोटों के आधार पर विजेता घोषित किया। इस पैनल में पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर और मीडिया प्रतिनिधि शामिल थे।

महिला विश्वकप क्रिकेट : बारिश के कारण मुकाबला रद्द होने से सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हुई पाकिस्तान

कोलंबो। बारिश के कारण महिला विश्व कप क्रिकेट में पाकिस्तान और इंग्लैंड का मुकाबला पूरा नहीं हो पाया। इस मैच में हुई लगातार बारिश से दोनो ही टीमों को अंक बांटने पड़े हैं। इसी के साथ ही पाक टीम अब तक केवल एक अंक हासिल करने के साथ ही सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गयी है। इस मैच में पाक ने इंग्लैंड को नौ विकेट पर 133 रनों पर ही रोक दिया। इसके बाद डकवर्थ लुईस प्रणाली के आधार पर पाक को जीत के लिए 113 रन का संशोधित लक्ष्य मिला। इसका पीछा करते हुए पाक ने सलामी बल्लेबाज मुनीबा अली के 9 और ओमाइमा सोहेल के 19 रनों की सहायता से 6.4 ओवर में बिना किसी नुकसान के 34 रन बना लिए थे। लगातार बारिश को देखते हुए अंपायरों ने मैच रद्द कर दिया। इससे पाक टीम सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गयी है। पाक टीम इस टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं जीत पायी। वह तीन हार के बाद अंक तालिका में केवल एक अंक से सबसे नीचे रही है। अब उसे न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका से खेलना है। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड सात अंक लेकर तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया। दूसरे नंबर पर चल रही ऑस्ट्रेलिया के भी सात अंक है पर उसका रनरेट प्लस 1.35 है जबकि इंग्लैंड का प्लस 1.86 है। यह टूर्नामेंट का तीसरा मैच था जो बारिश के कारण रद्द हुआ है। इससे पहले श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका और न्यूजीलैंड का मैच भी बारिश के कारण नहीं हो पाया था।

केन विलियमसन बने लखनऊ सुपर जायंट्स के रणनीतिक सलाहकार

नई दिल्ली,16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

न्यूजीलैंड के दिग्गज बल्लेबाज केन विलियमसन इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले सत्र से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) से बतौर रणनीतिक सलाहकार जुड़ गए हैं। फ्रेंचाइज़ी के मालिक संजीव गोयनका ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करके इसकी पुष्टि की।

गोयनका ने लिखा, केन सुपर जायंट्स परिवार का हिस्सा रहे हैं, और उन्हें रणनीतिक सलाहकार के रूप में वापस स्वागत करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। उनकी लीडरशिप, रणनीतिक समझ, खेल की गहरी जानकारी और खिलाड़ियों को प्रेरित करने की क्षमता टीम के लिए अमूल्य साबित होगी।

विलियमसन सुपर जायंट्स की एसए20 लीग की डरबन टीम से भी जुड़े रहे हैं। 35 वर्षीय बल्लेबाज़ ने न्यूजीलैंड के लिए आखिरी मैच इस साल मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में खेला था। उन्होंने अब तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास नहीं लिया है और न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ कैजुअल कॉन्ट्रैक्ट पर बने हुए हैं। वे इंग्लैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला में नहीं खेलेंगे लेकिन 26 अक्टूबर से शुरू होने वाली वनडे श्रृंखला में वापसी की उम्मीद है।

आईपीएल में विलियमसन का अनुभव लंबा रहा है, हालांकि पिछले तीन सीज़न में उनका ऑन-फील्ड योगदान सीमित रहा। 2023 में गुजरात टाइटंस से खेलते हुए पहले ही मैच में घुटने में चोट लगने के कारण वे बाहर हो गए थे। 2024 में उन्होंने सिर्फ दो मुकाबले खेले। 2025 की मेगा नीलामी में उन्हें कोई खरीदार नहीं मिला। हाल ही में उन्होंने इंग्लैंड की द हंड्रेड लीग में लंदन स्पिरिट के लिए खेलते हुए आठ पारियों में 204 रन बनाए।

हालांकि, विलियमसन के पास कोई कोचिंग या सपोर्ट स्टाफ का अनुभव नहीं है, लेकिन वे दुनिया भर में अपनी रणनीतिक समझ और नेतृत्व क्षमता के लिए मशहूर हैं। उन्होंने 2019 में न्यूजीलैंड को वर्ल्ड कप फाइनल तक पहुंचाया था और 2021 में टीम को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप जिताई थी। अब वे एलएसजी टीम से जुड़ेंगे, जिसकी कप्तानी ऋषभ पंत कर रहे हैं और कोच जस्टिन लैंगर हैं।

नेपाल और ओमान ने टी20 विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई किया

मस्कट। नेपाल और ओमान ने टी20 विश्व कप 2026 में प्रवेश किया है। यूएई की समोआ पर जीत के साथ ही नेपाल और ओमान की जगह विश्व कप में पक्की हो गयी। ग्रुप चरण में अजेय रहे नेपाल को सुपर सिक्स में दो अंक मिले। वहीं यूएई और कतर के खिलाफ भी उसे जीत मिली थी। मुकाबले जीते। वहीं ओमान ने सुपर सिक्स चरण में जीत के साथ ही दो अंक हासिल किए। उन्होंने कतर के खिलाफ 172 रनों का आराम से बचाव किया और फिर यूएई के खिलाफ एक कड़ा मुकाबला जीता। वहीं समोआ पर जीत के बाद यूएई अंतिम क्वालीफाइंग स्थान की दौड़ में बना हुआ है। उसे 16 अक्टूबर को जापान के खिलाफ एक अहम मुकाबले में अगर यूएई जीतती है तो उसे विश्वकप में जगह मिल सकती है। अमीरत टीम अभी तीसरे स्थान पर है, जबकि कतर को आगे बढ़ने के लिए समोआ पर जीत हासिल करनी होगी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए पर्थ पहुंची टीम इंडिया

पर्थ,16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम पर्थ पहुंच गई है। भारत की वनडे टीम के प्रमुख खिलाड़ी विराट कोहली, रोहित शर्मा और नए कप्तान शुभमन गिल गुरुवार सुबह ऑस्ट्रेलिया के पर्थ शहर पहुंचे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत 19 अक्टूबर से होगी।

कोहली, रोहित और गिल के अलावा के.एल. राहुल, यशस्वी जायसवाल, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और नितीश कुमार रेड्डी भी टीम के साथ पर्थ पहुंचे। उड़ान में देरी के कारण टीम को निर्धारित समय से देर से पर्थ पहुंचना पड़ा। इनके साथ कुछ सपोर्ट स्टाफ के सदस्य भी आए हैं।

मुख्य कोच गौतम गंभीर और कोचिंग स्टाफ के अन्य सदस्य बुधवार शाम दिल्ली से रवाना हुए थे और वे दिन में बाद में टीम से जुड़ेंगे।

सीरीज का पहला मैच पर्थ में 19 अक्टूबर को खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा मैच 23 अक्टूबर को एडिलेड और तीसरा व अंतिम वनडे 25 अक्टूबर को सिडनी में होगा। वनडे सीरीज के बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 29 अक्टूबर से पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज को लेकर खास उत्साह है क्योंकि यह रोहित शर्मा और विराट कोहली की मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी जीत के बाद पहली अंतरराष्ट्रीय सीरीज होगी। शुभमन गिल को वनडे का कप्तान बनाए जाने के बाद दोनों सीनियर खिलाड़ियों के भविष्य को लेकर अटकलें तेज हैं। रोहित और कोहली पहले ही टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, लेकिन माना जा रहा है कि दोनों 2027 वनडे विश्व कप तक खेलने के इच्छुक हैं। कप्तान शुभमन गिल भी इस विचार के समर्थन में बोल चुके हैं। उन्होंने कहा था, वो अनुभव जो इन दोनों खिलाड़ियों के पास है और भारत को जिताने में उनका जो योगदान रहा है, वैसे बहुत कम खिलाड़ी होते हैं जिनके पास इतनी स्किल, क्वालिटी और अनुभव हो। ऐसे खिलाड़ी दुनिया में भी बहुत कम हैं। हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीत के दौरान गिल ने इशारा किया था कि रोहित और कोहली 2027 विश्व कप तक टीम का हिस्सा बने रह सकते हैं।

राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी के लिए अहमदाबाद की सिफारिश पर खेल मंत्री बोले- भारतीय खेलों के लिए ऐतिहासिक पल

नई दिल्ली,16 अक्टूबर (एजेंसियां)।

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने अहमदाबाद को 2030 शताब्दी राष्ट्रमंडल खेलों के लिए प्रस्तावित मेज़बान शहर के रूप में अनुशंसा किए जाने को भारतीय खेलों के लिए एक ऐतिहासिक पल बताया है। उन्होंने कहा कि यह फैसला भारत के खेल इतिहास में एक बड़ा मील का पत्थर साबित होगा।

डॉ. मांडविया ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा, 2030 के शताब्दी राष्ट्रमंडल खेलों के लिए अहमदाबाद को प्रस्तावित मेज़बान शहर के रूप में अनुशंसित करने के लिए मैं कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स की कार्यकारी बोर्ड का आभारी हूं। यह निर्णय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत की वैश्विक खेल शक्ति के रूप में बढ़ती प्रतिष्ठा को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि यह विकास भारत के 2036 ओलंपिक खेलों की मेज़बानी के सपने को भी मजबूती देगा।

उन्होंने कहा, यह केंद्र सरकार की दृष्टि के अनुरूप एक बड़ा कदम है। हाल ही में नई दिल्ली में सफलतापूर्वक विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप का आयोजन कर भारत ने अपनी संगठन क्षमता साबित की है। बीते एक दशक में विश्व स्तरीय खेल अवसंरचना, नीतिगत सुधारों, खेल विज्ञान और वित्तीय सहयोग के ज़रिए हम 'चैंपियनों का देश' बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहे हैं। मांडविया ने कहा कि भारत ने राष्ट्रमंडल खेलों में हमेशा शानदार प्रदर्शन किया है और यह सिफारिश भारत के बढ़ते खेल प्रभाव का प्रमाण है।

गौरतलब है कि कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स की कार्यकारी बोर्ड ने अहमदाबाद को 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेज़बानी के लिए प्रस्तावित शहर के रूप में अनुशंसित किया है। यह अनुशंसा अब 26 नवंबर 2025 को होने वाली जनरल असेंबली में अनुमोदन के लिए रखी जाएगी।

2030 के राष्ट्रमंडल खेल शताब्दी वर्ष में आयोजित होंगे और 74 सदस्य देशों के बीच सहयोग, समावेशिता और खेल उत्कृष्टता का प्रतीक बनेंगे। यह आयोजन भारत के वैश्विक खेल केंद्र बनने के विज़न को भी और मज़बूती देगा।

आईपीएल की ब्रांड वैल्यू घटी

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) पिछले एक दशक में विश्व की सबसे धनी लीग बनकर उभरी है पर अब लगता है इसके चमक कम होती जा रही है। इसका अंदाजा इसी से होता है कि आईपीएल की ब्रांड वैल्यू पिछले साल की तुलना में 8 फीसदी कम होकर 82,700 करोड़ से 76,100 करोड़ ही रह गई है। माना जा रहा है कि प्रसारण क्षेत्र में हुए विलय और रियल मनी गेमिंग पर प्रतिबंध से ब्रांड वैल्यू घटी है। यह लगातार दूसरा साल है, जब इस टी-20 लीग के मूल्य में कमी आई है और ये 2023 में 92,500 करोड़ से कम है। एक रिपोर्ट के अनुसार आईपीएल पारिस्थितिकी तंत्र के मूल्य में गिरावट दो प्रमुख कारणों से आई है। साल 2024 में प्रमुख प्रसारण कंपनियों का विलय हुआ जिससे मीडिया अधिकारों के लिए प्रतिस्पर्धा में कमी आई। इसके अलावा रियल मनी गेमिंग व्यवसाय में प्रमुख प्रायोजक और विज्ञापनदाता कंपनियों पर प्रतिबंध लगा। इससे ये पहली बार है जब आईपीएल को नुकसान हुआ है।

शुभ लाभ

आईएमएफ का वृद्धि अनुमान बढ़ाना भारत की आर्थिक मजबूती का प्रमाण : पीयूष गोयल

नई दिल्ली,16 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) का चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के विकास दर के अनुमान को बढ़ाकर 6.6 फीसदी करना देश की आर्थिक मजबूती और मजबूत बुनियादी ढांचे का प्रमाण है। आईएमएफ ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को 6.4 फीसदी से बढ़ाकर 6.6 फीसदी कर दिया है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने नई दिल्ली में रसायन एवं पेट्रोरसायन उद्योग के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि अप्रैल-जून तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था ने 7.8 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है, जो पिछले पांच तिमाहियों में सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कि यह वृद्धि देश में निवेश, उपभोक्ता खर्च में वृद्धि और जीएसटी में कटौती के कारण आर्थिक आत्मविश्वास को दर्शाती है। इसी महीने विश्व बैंक ने भी भारत के वृद्धि अनुमान को 6.3 फीसदी से बढ़ाकर 6.5 फीसदी किया था। गोयल ने उद्योग से वैश्विक निर्यात में भारत का हिस्सा बढ़ाकर अंतरराष्ट्रीय व्यापार में नेतृत्व करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कभी-कभी उद्योग मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) में मामूली रियायतों को लेकर अनावश्यक आपत्ति करता है, जो देश की कमजोर छवि पेश करता है। उन्होंने आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती और विविधीकरण पर जोर देते हुए कहा कि एक ही आपूर्तिकर्ता या सीमित देशों पर निर्भरता से इस क्षेत्र में जोखिम उत्पन्न हो सकता है। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि कुछ उत्पादों के लिए घरेलू संरक्षण जरूरी हो सकता है लेकिन अन्य मामलों में उद्योग को वैश्विक बाजारों के साथ जुड़े रहकर अपनी दक्षता और प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''हम निश्चित रूप से अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में किसी एक भौगोलिक क्षेत्र की कृपा पर नहीं रहना चाहते हैं जो किसी एक उद्योग को पंगु बना दे। हालांकि, कुछ ऐसे क्षेत्र हो सकते हैं, जिन्हें ठोस संरक्षण की जरूरत है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सबसे नीच...

उनका कहना है कि उनकी बेटी अपनी आगे की शिक्षा ओड़ीशा में पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि बंगाल में औरंगजेब का शासन है। पीड़ित छात्रा के पिता का भरोसा टूटना कोई आश्चर्य में डालने वाली बात नहीं है। कुछ महीने पहले ही कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में एमबीबीएस की छात्रा के साथ दर्दनाक तरीके से रेप और हत्या की घटना सामने आई थी। वर्तमान स्थिति में सबसे खराब बात ये है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस मामले पर तुरंत कार्रवाई करना तो दूर, पीड़िता को ही दोषी ठहराने और राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराधों को कम करके आंकने की कोशिश कर रही हैं।

जिम्मेदारी से बचने के लिए पीड़िता को दोषी ठहराना? पश्चिम बंगाल की महिला मुख्यमंत्री की संवेदनहीनता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पहले तो हमले पर दुख व्यक्त किया और अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का वादा भी किया, लेकिन अंत में उन्होंने पीड़िता को ही अपने साथ हुई क्रूरता के लिए दोषी ठहरा दिया। जैसे ही पता लगा कि बलात्कारी मुस्लिम हैं और वह भी तृणमूल कांग्रेस पार्टी के सदस्य हैं तो ममता ने फौरन अपना रंग बदल दिया। ममता ने कहा, पीड़िता को रात के 12.30 बजे परिसर से बाहर कैसे जाने दिया गया? निजी संस्थान को इसकी अनुमति नहीं देनी चाहिए। लड़कियों को रात में कॉलेज के बाहर जाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। लड़कियों को अपनी सुरक्षा भी करनी होगी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री का यौन उत्पीड़न के मामलों को कम करके आंकने वाली टिप्पणियां करने का शर्मनाक रिकॉर्ड रहा है। पिछले कुछ वर्षों में ममता बनर्जी और उनकी तृणमूल कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ सदस्यों को बलात्कार की घटनाओं पर अपनी असंवेदनशील प्रतिक्रियाओं के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा है।

साल 2012 का पार्क स्ट्रीट सामूहिक बलात्कार सबसे चर्चित रहा। 6 फरवरी 2012 को कोलकाता के पार्क स्ट्रीट से घर लौट रही एक एंग्लो-इंडियन महिला सुजेट जॉर्डन के साथ चलती कार में 5 लोगों ने बलात्कार किया था। खबर सामने आने के तुरंत बाद टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने आरोपियों को सभी आरोपों से बरी कर दिया। उन्होंने इस घटना को शाजानो घोटोना (मनगढ़ंत घटना) करार दिया था, जो सरकार को बदनाम करने के लिए रची गई थी। टीएमसी सांसद काकोली घोष दस्तीदार सहित उनकी पार्टी के नेताओं ने सार्वजनिक रूप से पीड़िता के चरित्र पर सवाल उठाया और इस घटना को एक महिला और उसके मुवक्किल के बीच गलतफहमी बताया। 2015 में कोलकाता की एक अदालत ने इस मामले के तीन आरोपियों को दोषी ठहराया, जिससे यह साबित हुआ कि हमला वास्तव में हुआ था।पश्चिम बंगाल विधानसभा में राज्य में बलात्कार के बढ़ते मामलों पर एक बहस के दौरान 2013 में मुख्यमंत्री ने यह आरोप लगाया था कि यह राज्य की जनसंख्या में वृद्धि के कारण है। उन्होंने बलात्कार के बढ़ते मामलों के लिए आधुनिकीकरण, शॉपिंग मॉल और मल्टीप्लेक्स की बढ़ती संख्या को भी जिम्मेदार ठहराया था। 2024 के संदेशखाली दंगों के दौरान भी, ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस के गुंडों द्वारा महिलाओं के उत्पीड़न और यौन शोषण को मामूली घटना बताकर कमतर आंकने की कोशिश की थी। ममता बनर्जी ने कहा, इसके बाद, कुछ मीडिया संस्थानों ने इस घटना का फायदा उठाया। एक मामूली घटना को लेकर शोर मचाया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने महिलाओं के खिलाफ अपराधों को मामूली घटना बताया। जबकि एनसीआरबी के आंकड़े राज्य की स्थिति को उजागर करते हैं।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने हाल ही में वर्ष 2023 के लिए अपनी भारत में अपराध रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट में बताया गया है कि पश्चिम बंगाल में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और विशेष एवं स्थानीय कानूनों (एसएलएल) के तहत महिलाओं के खिलाफ अपराधों के 34,691 मामले दर्ज किए गए। यह देश में किसी भी राज्य में हुए महिलाओं के प्रति अपराध की सबसे ज्यादा मामलों में एक है। हालांकि यह 2022 के 34,738 मामलों से थोड़ा कम है। राज्य में क्राइम रेट हर एक लाख महिलाओं में 71.3 है। राज्य की जनसंख्या 48.64 मिलियन यानी 4.864 करोड़ है।

कुल मिलाकर ममता बनर्जी की टीएमसी सरकार कुछ खास तरह की हिंसा में देश में सबसे आगे है। राज्य में 2023 में विदेशियों द्वारा किए गए अपराधों की सबसे अधिक दर्ज की गई। विदेशी अधिनियम, 1946 और विदेशियों के पंजीकरण अधिनियम, 1939 के तहत ये मामले दर्ज किए गए। वर्ष 2023 में, पश्चिम बंगाल में विदेशियों ने 1,021 आपराधिक मामले दर्ज किए गए। इन दोनों अधिनियमों के तहत 989 मामले दर्ज किए गए, जबकि नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट 1985 के तहत 7 मामले, आर्म्स एक्ट 1959 के तहत दो मामले दर्ज किए गए। विदेशियों से जुड़े कुछ मामले धोखाधड़ी, मानव तस्करी जैसे अपराधों के तहत दर्ज किए गए। 2023 में, भारत में एसिड हमलों के 207 मामले दर्ज किए गए, जिनमें से अकेले पश्चिम बंगाल में 57 मामले सामने आए। एन-सीआरबी के आंकड़ों से पता चला है कि एसिड हमलों के 57 मामलों में पश्चिम बंगाल में 60 पीड़ित थे, जबकि देश भर में 207 मामलों में 220 पीड़ित थे।

एनसीआरबी के आंकड़ों से पता चलता है कि वर्ष 2023 में देश भर में हुए सभी एसिड हमलों में से 27.5 प्रतिशत अकेले पश्चिम बंगाल में दर्ज किए गए। 2022 में, देश भर में हुए 202 मामलों में से, पश्चिम बंगाल में 48 एसिड हमले दर्ज किए गए, जिनमें 52 पीड़िता थी। इसमें बंगाल 2018 से देश में सबसे आगे है। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, देश भर में एसिड हमलों के सभी मामलों में 267 गिरफ्तारियां हुईं और गिरफ्तार लोगों में 246 पुरुष और 21 महिलाएं थीं। पश्चिम बंगाल में 2023 में बलात्कार/सामूहिक बलात्कार के साथ हत्या के 7 मामले, दहेज हत्या के 350 मामले और महिलाओं को आत्महत्या के लिए उकसाने की 419 घटनाएं दर्ज की गईं।

पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा किए गए क्रूरता से जुड़े आईपीसी की धारा 498 ए के तहत दर्ज मामलों में पश्चिम बंगाल दूसरे स्थान पर है। यहां 19698 मामले दर्ज किए गए और 20462 पीड़ित हैं। देश भर में पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता से संबंधित कुल 128814 मामले दर्ज किए गए। इनमें उत्तर प्रदेश 19889 मामलों के साथ सबसे आगे रहा। कुल मिलाकर, पति या रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता के मामलों में सबसे ज्यादा 29.8 प्रतिशत (1.33 लाख मामले) मामले दर्ज किए गए, जिनमें 1.35 लाख पीड़ित शामिल थे। इस श्रेणी में वर्ष 2022 में ऐसे अपराधों का हिस्सा 31.4 प्रतिशत था।

इस बीच, पश्चिम बंगाल में वर्ष 2023 में धारा 364ए के तहत फिरौती के लिए अपहरण के 17 मामले और 18 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को शादी के लिए मजबूर करने (आईपीसी की धारा 366) के तहत अपहरण के 515 मामले दर्ज किए गए। नाबालिगों के मामले में पश्चिम बंगाल में यह संख्या 390 थी। जबकि उत्तर प्रदेश और बिहार में सबसे ज्यादा नाबालिगों के साथ अपराध दर्ज की गईं। महिलाओं के अपहरण और अपराध की (आईपीसी की धारा 363ए, 365, 367, 368, 369) के तहत, देश भर में 7964 मामले दर्ज किए गए। इनमें पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा 2054 घटनाएं दर्ज की गईं। इस बीच, पश्चिम बंगाल में महिलाओं के अपहरण कुल संख्या 6544 रही, जो देश में सबसे ज्यादा है।

एनसीआरबी रिपोर्ट के राज्यों के आंकड़ों से पता चलता है कि पश्चिम बंगाल में बलात्कार की 1110 घटनाएं दर्ज की गईं। इनमें 1112 पीड़िताएं थीं। इनमें से 917 मामलों में अपराधी पीड़िता के परिचित थे, 27 मामलों में अपराधी परिवार के सदस्य, 11 दोस्त/ऑनलाइन दोस्त/लाइव पार्टनर थे, और 193 मामलों में अपराधी पीड़िताओं के लिए अजनबी या अज्ञात थे। बलात्कार के प्रयास अपराध श्रेणी में, पश्चिम बंगाल दूसरे स्थान पर था, जहां 825 मामले दर्ज किए गए, जिनमें सभी पीड़िताएं 18 वर्ष से अधिक आयु की थीं। इस श्रेणी में राजस्थान सबसे आगे रहा, जहां 845 मामले दर्ज किए गए। महिलाओं की गरिमा भंग करने के इरादे से उन पर हमला श्रेणी में, पश्चिम बंगाल में 2023 में 2487 पीड़िताओं से जुड़े 2479 मामले दर्ज किए गए। वहीं, महिलाओं की गरिमा का अपमान श्रेणी में पश्चिम बंगाल के आंकड़े 412 थे। महिलाओं के खिलाफ आईपीसी के तहत कुल अपराध 31928 थे, जो देश में सबसे अधिक हैं।

पश्चिम बंगाल में वर्ष 2023 में यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) के तहत 2721 मामले दर्ज किए गए। इनमें से 1798 मामले बच्चों के साथ बलात्कार (पॉक्सो अधिनियम की धारा 4 और 6/आईपीसी की धारा 376) से संबंधित थे, 644 घटनाएं बच्चों के यौन उत्पीड़न (पॉक्सो अधिनियम की धारा 8 और 10/आईपीसी की धारा 354) से संबंधित थीं और 244 घटनाएं यौन उत्पीड़न (पॉक्सो अधिनियम की धारा 12/आईपीसी की धारा 509) के थे। पश्चिम बंगाल में पोर्नोग्राफी के लिए बच्चों का इस्तेमाल/बाल पोर्नोग्राफी सामग्री रखने (पॉक्सो अधिनियम की धारा 14 और 14) के 29 मामले दर्ज किए गए।

महिलाओं के विरुद्ध अपराधों के मामलों में 125 घटनाएं ऐसी मिलीं जो झूठी पाई गई। 1165 मामले ऐसे थे जिनमें मामले कानून या दीवानी विवाद के रूप में समाप्त हुए। पश्चिम बंगाल पुलिस ने 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 34344 मामलों का निपटारा किया, जिनमें लंबित मामलों की दर 23.2 प्रतिशत रही। एनसीआरबी की रिपोर्ट में दिए गए तथ्य और आंकड़े बताते हैं कि घरेलू हिंसा और अपहरण की घटनाएं अभी भी प्रमुख हैं, जो 2023 में दर्ज घटनाओं में 75 प्रतिशत से अधिक हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि वास्तविक संख्या न केवल पश्चिम बंगाल में, बल्कि दूसरे राज्यों में भी कहीं अधिक हो सकती है। आंकड़ों के अनुसार, पश्चिम बंगाल में सजायाफ्ता दर केवल 3.7 प्रतिशत है, जो राष्ट्रीय दर 21.3 प्रतिशत से काफी कम है। 3,68,000 से अधिक लंबित मामलों की संख्या स्थिति को और भी बदतर बना देती है, हालांकि पश्चिम बंगाल में आरोप-पत्र दाखिल करने की दर अच्छी है।

एनसीआरबी की भारत में अपराध 2023 रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम बंगाल में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की दर प्रति लाख महिला जनसंख्या पर 71.3 है, जो राष्ट्रीय औसत 65.3 मामलों के काफी अधिक है। इन आंकड़ों के बावजूद, पश्चिम बंगाल सरकार ने अपनी पीठ थपथपाने और कोलकाता को महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित शहर बता रही है। हालांकि, राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष अर्चना मजूमदार ने तृणमूल कांग्रेस पर एनसीआरबी के आंकड़ों को गलत तरीके से पेश करने का आरोप लगाया और कहा कि पश्चिम बंगाल में महिलाओं के खिलाफ अपराधों से संबंधित लगभग 4 लाख मामले लंबित हैं, जो भारत में सबसे ज्यादा हैं, और जिनमें न तो कोई कार्रवाई हुई है और न ही कोई दोषी साबित हुआ है। उन्होंने कहा, यह एनसीआरबी के आंकड़ों की आधी-अधूरी व्याख्या और गलत व्याख्या है 2023 में, राज्य सरकार ने महिलाओं के खिलाफ अपराध पर अपनी रिपोर्ट पेश की। इसमें पश्चिम बंगाल में चार लाख से ज्यादा मामले लंबित हैं, जिनमें किसी को भी दोषी नहीं ठहराया गया है या कोई कार्रवाई नहीं की गई है। यह देश में सबसे ज्यादा है। पुलिस प्रशासन इन पर काम नहीं कर रहा है। प्रशासन और पुलिस के असहयोग के कारण न्यायपालिका भी विफल हो रही है। वे समय पर आरोप-पत्र दाखिल नहीं कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल में यह सब चल रहा है, और वे तथ्य छिपा रहे हैं।

आरजी कर मामले के जख्म अभी भरे भी नहीं हैं उससे पहले दुर्गापुर में मेडिकल कॉलेज की छात्रा से गैंगरेप की खबर आ गई। बीरभूम में भी ऐसी ही घटनाएं सामने आईं और स्थानीय पुलिस की निष्क्रियता की दिखी, फिर भी टीएमसी खुद की पीठ थपथपा रही है। जाहिर है, टीएमसी पर राजनीतिक हमले के लिए महिला सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा है। इसलिए ममता सरकार जवाबदेही से बचने की कोशिश में इसे मामूली मुद्दा बता देती है।

राज्यपाल ने राष्ट्रपति ...

जब वह अपने पुरुष साथी के साथ बाहर गई थी।पुलिस ने इस मामले में अब तक छह लोगों को गिरफ्तार किया है और सभी न्यायिक हिरासत में हैं। राज्यपाल ने भी इस घटना को लेकर सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा, हम जो देख रहे हैं, वह केवल हिमशैल का ऊपरी हिस्सा है। इसके नीचे प्रशासन की अक्षमता छिपी हुई है, जो व्यवस्था चलाने के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने राज्य के पुलिस प्रशासन पर भी सवाल उठाए। बोस ने कहा, राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्रमुख जिम्मेदारी है। लेकिन वर्तमान हालात को देखते हुए यह कहना मुश्किल है कि पुलिस अपनी भूमिका सही ढंग से निभा रही है। बंगाल एक सॉफ्ट स्टेट बन गया है, जहां कानून का सही तरीके से पालन और उसका प्रवर्तन नहीं हो रहा।

दिल्ली और...

इनकी कुल लागत 4,920 करोड़ से ज्यादा है। यह 21,000 करोड़ निवेश लाएगा और एक लाख नौकरियां मिलेंगी। ये मॉडर्न हब प्लग एंड प्ले इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ हैं, जहां वॉक टू वर्क कॉन्सेप्ट है। रायलसीमा क्षेत्र में इससे औद्योगिक और वैश्विक प्रतियोगिता बढ़ेगी।

इन केंद्रों से 21000 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित होने और लगभग एक लाख रोजगार सृजित होने की उम्मीद है, जिससे दक्षिणी राज्य के रायलसीमा क्षेत्र में औद्योगिक विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री ने 960 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से सब्बावरम से शीलानगर तक छह लेन वाले ग्रीनफील्ड राजमार्ग की आधारशिला रखी। इस परियोजना का उद्देश्य बंदरगाह शहर विशाखापत्तनम में भीड़भाड़ को कम करना और व्यापार एवं रोजगार को सुगम बनाना है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने पिलेरू-कलूर खंड सड़क के चार लेन के निर्माण, कडप्पा-नेल्लोर सीमा से सीएसपुरम तक चौड़ीकरण और राष्ट्रीय राजमार्ग 165 पर गुडीवाड़ा और नुजेला रेलवे स्टेशनों के बीच चार लेन वाले रेल ओवरब्रिज (आरओबी) का उद्घाटन किया।

इसी तरह, पीएम ने राष्ट्रीय राजमार्ग 565 पर कनिगिरी बाईपास और राष्ट्रीय राजमार्ग 544डीडी पर एन. गुंडलापल्ली कस्बे में बाईपास किए गए खंड के सुधार कार्य का भी उद्घाटन किया। इसके अलावा, पीएम मोदी ने 1200 करोड़ रुपए से अधिक की रेलवे परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। उन्होंने कोठावलसा-विजयनगरम चौथी रेलवे लाइन और पेंदुर्थी तथा सिंहाचलम उत्तर के बीच रेल फ्लाईओवर की आधारशिला रखी। उन्होंने कोट्टावलसा-बोड्डावारा खंड और शिमिलिगुड़ा-गोरपुर खंड के दोहरीकरण का उद्घाटन किया। ऊर्जा क्षेत्र में, प्रधानमंत्री ने गेल इंडिया लिमिटेड की श्रीकाकुलम-अंगुल प्राकृतिक गैस पाइपलाइन का उद्घाटन किया, जिसका निर्माण लगभग 1,730 करोड़ रुपए की लागत से हुआ है और यह आंध्र प्रदेश में लगभग 124 किलोमीटर और ओडिशा में 298 किलोमीटर तक फैली है।

इसी प्रकार, प्रधानमंत्री ने चित्तूर में इंडियन ऑयल के 60 टीएमटीपीए (हजार मीट्रिक टन प्रति वर्ष) एलपीजी बॉटलिंग संयंत्र का उद्घाटन किया, जिसे लगभग 200 करोड़ रुपए के निवेश से स्थापित किया गया है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ने कृष्णा जिले के निम्मलुरु में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड द्वारा लगभग 360 करोड़ रुपए के निवेश से स्थापित एडवांस्ड नाइट विजन प्रोडक्ट्स फैक्ट्री का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने नंदयाल जिले के श्रीशैलम में श्री भ्रामराम्बा मल्लिकार्जुन स्वामी वरला देवस्थानम के दर्शन के बाद कुरनूल लौटने पर इन परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

पीएम मोदी ने कहा कि इन प्रोजेक्ट्स से उद्योगों को बल मिलेगा और लोगों का जीवन आसान होगा। कुरनूल और आसपास के इलाकों को बड़ा फायदा। उन्होंने राज्य के लोगों को बधाई दी। पीएम ने कहा, पिछले 16 महीनों में आंध्र प्रदेश में प्रगति की गाड़ी तेज दौड़ी है। दिल्ली और अमरावती मिलकर आगे बढ़ रही हैं। चंद्रबाबू और पवन की जोड़ी ने सही विजन दिया। अगर आंध्र को कुछ चाहिए था तो सही लीडरशिप, जो अब इस प्रदेश को प्राप्त है। पीएम मोदी ने कहा, मेरा यह दौरा न सिर्फ विकास का प्रतीक है बल्कि आंध्र की सांस्कृतिक विरासत को भी जोड़ता है। श्रीशैलम की पवित्रता से लेकर कुरनूल की रैली तक, सब कुछ ऊर्जा से भरा। युवाओं के लिए एआई हब जैसे ऐलान से राज्य टेक हब बनेगा। कुल मिलाकर, यह 13,430 करोड़ की सौगात आंध्र को नई उड़ान देगी।

इससे पहले, कुरनूल एयरपोर्ट पर पहुंचने पर राज्यपाल एस. अब्दुल नजीर, सीएम चंद्रबाबू नायडू, डिप्टी सीएम पवन कल्याण और अन्य नेताओं ने पीएम मोदी का स्वागत किया। पीएम मोदी ने नांदयाल जिले के श्रीशैलम में स्थित श्री भ्रामरंबा मल्लिकार्जुन स्वामी वरला देवस्थानम मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। यह मंदिर 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक और 52 शक्तिपीठों में से एक है, जहां एक ही परिसर में शिवलिंग और शक्तिपीठ है। पीएम ने पंचामृत से रुद्राभिषेक किया, जिसमें गाय का दूध, दही, घी, शहद और चीनी मिलाई जाती है। उनके साथ सीएम नायडू और डिप्टी सीएम पवन कल्याण भी थे। मंदिर दर्शन के बाद वे श्री शिवाजी स्फूर्ति केंद्र गए, जो छत्रपति शिवाजी महाराज की याद में बना है। वहां ध्यान कक्ष में चार किलों के मॉडल हैं और बीच में शिवाजी की ध्यान मुद्रा वाली प्रतिमा। यह जगह 1677 की उनकी तीर्थयात्रा की स्मृति में बनी है।

वामपंथी उग्रवाद...

उन्होंने कह कि हमारी नीति स्पष्ट है, जो नक्सली आत्मसमर्पण करेंगे उनका स्वागत है, लेकिन जो हथियार उठाए रहेंगे, उन्हें सुरक्षा बलों की कठोर कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। जनवरी 2024 में छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनने के बाद से अब तक 2100 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है, 1785 गिरफ्तार किए गए हैं और 477 को न्यूट्रलाइज किया गया है। यह सब 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने के संकल्प की दिशा में एक ठोस कदम है। अमित शाह ने सभी नक्सलियों से अपील की कि वे हिंसा छोड़ें, हथियार डालें और मुख्यधारा में लौटकर देश की प्रगति में भागीदार बनें।

इसके साथ ही दूसरी ओर गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि विदेशों में छिपे अपराधियों की भारत वापसी (प्रत्यर्पण) में तेजी लाने के लिए हर राज्य में एक विशेष जेल बनाई जाएगी जो अंतरराष्ट्रीय मानकों के मुताबिक होगी। उन्होंने कहा कि जिन अपराधियों के खिलाफ इंटरपोल की रेड नोटिस जारी हो चुकी है, उनके पासपोर्ट रद्द किए जाएंगे ताकि वे दुनिया में आजादी से नहीं घूम सकें। शाह ने कहा कि जब तक भगोड़ों के मन में भारतीय कानून का डर नहीं होगा, तब तक देश की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि कई भगोड़े जैसे विजय माल्या, नीरव मोदी और मेहुल चोकसी विदेशी अदालतों में यह दलील देते हैं कि भारतीय जेलें अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरी नहीं उतरतीं, इसलिए उन्हें प्रत्यर्पित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि चाहे यह बहाना हो, लेकिन हमें ऐसा कोई मौका नहीं देना चाहिए, इसलिए हर राज्य की राजधानी में ऐसी जेलें बनाई जाएं। अमित शाह ने जानकारी दी कि फिलहाल भारत के 338 प्रत्यर्पण अनुरोध दुनिया के अलग-अलग देशों में लंबित हैं। ये अनुरोध आर्थिक अपराध, आतंकवाद, और ड्रग तस्करी जैसे गंभीर मामलों से जुड़े हैं।

उधर, छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद अब अपने अंतिम चरण में है। 17 अक्टूबर को जगदलपुर में देश का सबसे बड़ा माओवादी आत्मसमर्पण होगा। नक्सली प्रवक्ता और डीकेएसजेडसी सदस्य रूपेश उर्फ सतीश उर्फ आसन्ना अपने 120 साथियों के साथ सरेंडर करेंगे। कुल 140 नक्सली 17 अक्टूबर को सरेंडर करेंगे। बीते दिनों सुकमा में 27 माओवादियों आत्मसमर्पण किया था। इसके बाद कांकेर जिले के कोयलीबेडा के बीएसफ कैंप में टॉप माओवादी लीडर राजू सलाम समेत 50 से ज्यादा नक्सलियों ने सरेंडर किया था और अब 120 नक्सलियों ने आज जगदलपुर में सरेंडर किया है। इस तरह कुल 170 नक्सली सरेंडर कर चुके हैं।

इस संबंध में एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें नक्सली इंद्रावती नदी पार उसपरी घाट पर दिख रहे हैं। नक्सली कमांडर रुपेश के नेतृत्व में सभी ने सरेंडर करने का फैसला लिया है। स्थानीय पुलिस नक्सलियों को हथियारों के साथ आत्मसमर्पण के लिए जगदलपुर ले आएगी। प्रदेश के अंतागढ़, सुकमा के बाद अब बीजापुर में लाल आतंक का सफाया शुरू हो गया है। माड़ डिवीजन के 120 से ज्यादा नक्सल आत्मसमर्पण करने के लिए जंगल से निकल चुके हैं। सरेंडर करने वाले नक्सलियों में रुपेश समेत कई ऐसे नक्सली हैं, जिन पर लाखों रुपए इनाम घोषित हैं। इसमें जोनल कमेटियों के दूसरे बड़े नक्सली भी शामिल हैं। जंगल से बाहर निकलने वाले नक्सलियों के लिए एक सब कॉरिडोर की व्यवस्था की गई है। नक्सली प्रवक्ता रूपेश माड़ डिवीजन के स्पेशल जोनल कमेटी का सदस्य है।

स्थानीय निकायों में...

उन्होंने तमिलनाडु राज्यपाल मामले में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का हवाला दिया। उन्होंने तर्क दिया कि कानून को चुनौती दिए बिना ही स्थगन प्राप्त कर लिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया कि चुनाव मौजूदा आरक्षण के आधार पर होने चाहिए। यह भी कहा कि सीमा से अधिक होने पर छूट केवल अनुसूचित क्षेत्रों और जनजातीय क्षेत्रों में ही लागू होती है, जो तेलंगाना में नहीं है।

कृष्णमूर्ति मामले में दिए गए पिछले फैसलों की याद दिलाते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सामान्य क्षेत्रों में, त्रिस्तरीय परीक्षण के तहत भी, आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकता। महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों को भी सर्वोच्च न्यायालय द्वारा बढ़ाए गए आरक्षण को अस्वीकार किए जाने का सामना करना पड़ा था।

जस्टिस मेहता ने कहा कि गवली फैसले में सामान्य क्षेत्रों में 50 प्रतिशत से अधिक आरक्षण की अनुमति नहीं थी। अंततः सर्वोच्च न्यायालय ने याचिका खारिज कर दी, और न्यायमूर्ति नाथ ने कहा, आप अपने चुनाव जारी रख सकते हैं। दूसरी ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने आरक्षण सीमा के मामले पर सुप्रीम कोर्ट के पिछले निर्णयों का हवाला देते हुए हाईकोर्ट के फैसले का बचाव किया। गोपाल शंकरनारायणन ने कहा, हमने जिस आदेश को चुनौती दी है, वह ओबीसी के लिए आरक्षण को बढ़ाकर 42 प्रतिशत कर देता है। जो कुल मिलाकर 60 प्रतिशत से ज्यादा हो जाता है। उन्होंने संविधान पीठ द्वारा दिए गए शीर्ष न्यायालय के 2010 के के कृष्णमूर्ति फैसले का हवाला दिया, जिसमें 50 प्रतिशत की नीति की पुष्टि की गई थी।

हाईकोर्ट का यह आदेश पिछले महीने मुख्य न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह और न्यायमूर्ति जीएम मोहिउद्दीन द्वारा दिया गया था। यह आदेश तीन सरकारी आदेशों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर दिया गया था, जिनमें से एक में 42 प्रतिशत आरक्षण का आदेश दिया गया था और अन्य दो में दिशा निर्देश निर्धारित किए गए थे। हाईकोर्ट ने कहा था कि यह वृद्धि 50 प्रतिशत की सीमा का उल्लंघन करती प्रतीत होती है और ऐसे परिदृश्यों में सर्वोच्च न्यायालय के ट्रिपल टेस्ट का हवाला दिया, जिसमें एक अनुभवजन्य अध्ययन करने के लिए एक आयोग की स्थापना करना, उस अध्ययन के आधार पर आरक्षण के अनुपात को निर्दिष्ट करना शामिल है।तीसरा महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि ऐसा आरक्षण अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित कुल सीटों के 50 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकता। हाई कोर्ट ने फैसला सुनाया कि प्रथम दृष्टया आरक्षण में वृद्धि इस परीक्षण में विफल रही, इसलिए उसने तीनों आदेशों पर तब तक रोक लगा दी जब तक कि वह उनकी वैधता पर अंतिम निर्णय नहीं ले लेता।

सीएम भूपेंद्र...

सीआर पाटिल की जगह भारतीय जनता पार्टी की राज्य इकाई के नए अध्यक्ष बनाए गए थे।

2022 में गुजरात में विधानसभा चुनाव हुए थे। चुनाव से 15 महीने पहले सितंबर 2021 में राज्य की पूरी कैबिनेट बदल दी गई थी। इस बार राज्य में चुनाव को करीब 26 महीने बचे हुए हैं। हालांकि, इस बार मुख्यमंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया है, सिर्फ उनके कैबिनेट सहयोगियों ने पद छोड़े हैं। 2021 में तो पांच साल के अंदर दो बार मुख्यमंत्री बदल दिए गए थे। 2017 में जब चुनाव हुआ था, तब विजय भाई रूपाणी को सीएम बनाया गया था, लेकिन 2021 में उन्हें हटाकर भूपेंद्र पटेल को जिम्मेदारी दे दी गई।विधानसभा चुनाव में 182 में से 103 नए चेहरों को टिकट दिया गया था। पांच मंत्रियों समेत 38 विधायकों के टिकट काट दिए गए थे। 2022 के चुनाव में में इसका नतीजा भी देखने को मिला। भाजपा ने गुजरात में रिकॉर्ड 156 सीटें हासिल की। कहा जा रहा है इसी फॉर्मूले के तहत गुजरात कैबिनेट के मंत्रियों की छुट्टी हुई है। विश्लेषक मानते हैं कि चेहरे बदलकर भाजपा राज्य में लंबे समय से चल रही सरकार के प्रति होने वाली एंटी इनकंबेंसी को खत्म कर देती है। नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद से पूरी कैबिनेट को चुनाव से करीब 15 महीने पहले बदला जा रहा था। हालांकि, इस बार ये बदलाव थोड़ा जल्दी हुआ है। माना जा रहा है कि भाजपा जातीय और क्षेत्रीय समीकरणों को ध्यान में रखकर ही नए मंत्रियों का चुनाव करेगी। कई नए विधायकों को मंत्री बनाया जा सकता है जबकि पिछली कैबिनेट में मंत्री रहे कुछ नेताओं को प्रमोशन दिया जा सकता है। चर्चा है कि जीतू वघानी, रीवाबा जडेजा और जयेश रादडिया को मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है। मंत्रिमंडल विस्तार को देखते हुए ही राज्यपाल का शुक्रवार को मुंबई का दौरा रद्द कर दिया गया है। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक, मंत्रिपरिषद विस्तार में 10 नेताओं को मंत्री बनने का मौका मिल सकता है और पिछली कैबिनेट में रहे मंत्रियों को हटाया जा सकता है। गुजरात की मंत्रिपरिषद में मुख्यमंत्री पटेल सहित 17 मंत्री थे। आठ कैबिनेट स्तर के और इतने ही राज्य मंत्री थे।

रूस से तेल खरीद...

अपनी ऊर्जा जरूरतों के मुताबिक हो रही है। इसमें कोई बदलाव का फैसला नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, जहां तक अमेरिका का सवाल है, हम कई वर्षों से अपनी ऊर्जा खरीद का विस्तार करने का प्रयास कर रहे हैं। पिछले दशक में इसमें लगातार प्रगति हुई है। वर्तमान प्रशासन ने भारत के साथ ऊर्जा सहयोग को गहरा करने में रुचि दिखाई है। इस पर चर्चाएं जारी हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके अच्छे मित्र हैं और दोनों के बीच शानदार संबंध हैं। भारत जल्द ही रूस से तेल की खरीद बंद कर देगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि ऐसा आश्वासन खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से दिया है। ट्रंप ने कहा कि भारत का यह कदम एक बड़ा कदम है। अब हमें चीन से भी यही करने के लिए कहना होगा।

खूंखार अपराधी ...

भी ओसामा पर प्राथमिकी दर्ज हुई थी। इसी बीच साल 2023 में ओसामा को राजस्थान के कोटा में ट्रैफिक पुलिस ने हिरासत में ले लिया। तभी हुसैनगंज पुलिस ने कोटा पहुंचकर ओसामा को गिरफ्तार कर लिया और वापस ले आई। अब उसपर दर्ज फायरिंग और जमीन विवाद मामले में कोर्ट में पेशी हुई। कोर्ट ने ओसामा को मंडल कारा भेज दिया। कुछ दिन बाद ओसामा को हुसैनगंज मामले में जमानत मिल गई। लेकिन मोतिहारी में दर्ज एफआईआर में वह जेल में बंद रहा। इस मामले में मोतिहारी व्यवहार कोर्ट में उसकी जमानत याचिका खारिज की गई, जिसके बाद पटना हाईकोर्ट से उसे जमानत मिली। आखिर में ओसामा साल 2024 में जेल से रिहा हो गया।

इस बीच शहाबुद्दीन के समर्थकों ने ओसामा के भीतर अपने अब्बा की विरासत को आगे बढ़ाने की ललक देखी क्योंकि शहाबुद्दीन पर भी 19 साल की उम्र में ही पहला आपराधिक केस दर्ज हुआ था, जो साल 2016 तक 39 तक बढ़ गया। शहाबुद्दीन के समर्थकों के मुताबिक, ओसामा भी अब अपराध की बदौलत राजनीति में करियर शुरू कर सकता है। बिहार में राजद सरकार में जंगलराज प्रदेश की बर्बादी का कारण रहा है। लालू प्रसाद यादव के इस जंगलराज में शहाबुद्दीन का आतंक चरम पर था। इस जंगलराज में शहाबुद्दीन बंदर और लालू यादव मदारी थे। लालू यादव और शहाबुद्दीन के बीच रिश्ता अब तक राजद निभा रही है।

शहाबुद्दीन की मौत के बाद भी राजद उसके परिवार का पूरा खयाल रखती है। तेजस्वी यादव के नेतृत्व में राजद ने लोकसभा चुनाव 2024 में सीवान से शहाबुद्दीन की बीवी हिना शहाब को उम्मीदवार बनाया लेकिन उसकी हार के बाद राजद को ये सीट गंवानी पड़ी। इसके बाद भी खबरें आईं कि बिहार चुनाव 2025 में राजद शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा को दावेदार बना सकती है। जुलाई 2025 में तेजस्वी यादव का शहाबुद्दीन के घर पहुंचकर डिनर करने के बाद ये खबरें और तेज हो गईं। तेजस्वी यादव का आतंक फैलाने वाले शहाबुद्दीन के परिवार को लेकर काफी नरम दिल रहा है। इसीलिए जुलाई 2025 में राजद के स्थापना दिवस पर भी वे शहाबुद्दीन को याद करना नहीं भूले। मंच से तेजस्वी यादव ने शहाबुद्दीन अमर रहे के नारे लगवाए।

अब ओसामा शहाब राजद के सिंबल पर बिहार चुनाव में मैदान में है। ये वही समय है जब शहाबुद्दीन पहली बार राजद से चुनाव लड़ा था। फर्क सिर्फ यह है कि अपराधी का चेहरा बदल गया है, चरित्र नहीं। राजद ने ओसामा को टिकट देकर साफ कर दिया कि वह बिहार की राजनीति में अब भी अपराधी छवि को ऊपर मानती है। जबकि नीतीश सरकार में बिहार से जंगलराज हटा है और प्रदेश शिक्षा, विकास की ओर बढ़ा है।

रमा एकादशी व्रत कथा, इसके पाठ से मिलेगा व्रत का पूर्ण लाभ और पापों से मुक्ति

युधिष्ठिर ने सवाल किया– जनार्दन। मुझपर आपका स्नेह है, अतः कृपा करके मुझे बताइए। कार्तिक के कृष्ण पक्ष में कौन–सी एकादशी आती है?

भगवान श्रीकृष्ण बोले– राजन! कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष में जो परम कल्याणमयी एकादशी आती है, उसे 'रमा' के नाम से जाना जाता है। 'रमा' परम उत्तम है और बड़े–बड़े पापों का नाश करने वाली है।

पूर्वकाल में मुचुकुन्द नामक एक राजा हो रह हैं, जो भगवान श्रीविष्णु के भक्त और सत्य प्रतिज्ञ थे। निष्कण्टक राज्य का शासन करते हुए उस राजा के यहां नदियों में श्रेष्ठ चन्द्र भागा कन्या के रूप में उत्पन्न हुई थीं। राजा ने चन्द्रसेन कुमार शोभन के साथ अपनी कन्या का विवाह कर दिया। एक समय की बात है कि शोभन अपने ससुर के घर आए और उनके यहां दशमी का दिन आने पर समूचे नगर में ढिंढोरा पिटवा दिया गया कि एकादशी के दिन कोई भी भोजन न करे। यह डेकेकी घोषणा सुनकर शोभन ने अपनी प्यारी पुत्री चन्द्रभागा से कहा कि 'प्रिये, अब मुझे इस समय क्या करना चाहिए, इसकी शिक्षा मुझे दो।'

चन्द्रभागा ने कहा– मेरे पिता के घर पर तो एकादशी को' कोई भी भोजन नहीं कर सकता है। हाथी, घोड़े, हाथियों के बच्चे और अन्यान्य पशु भी अन्न, घास तथा जल तक का आहार नहीं करते हैं। फिर, मनुष्य तथा जल तक का आहार नहीं करने पाते, फिर मनुष्य एकादशी के दिन कैसे भोजन कर सकते हैं। प्राणनाथ, यदि आप भोजन करेंगे तो आपकी बड़ी निंदा की जाएगी। इस प्रकार मन में विचार करके अपने चित्त को दृढ़ कल लीजिए।

शोभन ने कहा– प्रिये, तुम्हारा कहना सत्व है और मैं भी आज उपवास करूंगा। देव का जैसा विधान है, ठीक वैसा ही होगा।

भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं– इस प्रकार दृढ़ निश्चय करके शोभन ने व्रत के नियमों का पालन किया। क्षुधा से उनके शरीर में पीड़ा होने लगी। ऐसे में वो बहुत दुखी हो गए। भूख की चिन्ता में पड़े–पड़े सूर्यास्त हो गई। रात्रि का समय आया, जो हरि पूजा परायण प्रथा जागरण में आसक्त वैष्णव मनुष्यों का हर्ष बढ़ाने वाली थी। लेकिन वही रात्रि शोभन के लिये अत्यन्त दुख दायिनी हो गई थी। सूर्योदय होते–होते उनका प्राणान्त हो गया। राजा मुचुकुन्द ने राजोचित काष्ठों से शोभन का दाह–संस्कार करवाया। चंद्रभागा पति का पारलौकिक कर्म करके अपने पिता के ही घर ही रहने लगी। नृपश्रेष्ठ, 'रमा' नामक एकादशी के व्रत के प्रभाव से शोभन मन्द–राचल के शिखर पर बसे हुए परम रमणीय देवपुर को प्राप्त हो गया। वहां शोभन द्वितीय कुबेर की तरह ही शोभा पाने लगा। राजा मुचुकुन्द के नगर में सोम शर्मा नामक एक ब्राह्मण रहते थे, ये तीर्थ यात्रा के प्रसङ्ग से घूमते हुए मन्दराचल पर्वत पर गए। वहां उन्हें शोभन नजर आए। राजा के दामाद को पहचानने के बाद वे उनके समीप चले गए। शोभन भी उस समय द्विजश्रेष्ठ सोम शर्मा को आया जानकर शीघ्र ही आसन से उठकर खड़े हुए और उन्हें प्रणाम करने लगे। इसके बाद, क्रमशः अपने वशुर राजा मुचुकुन्द का, प्रिय पत्नी चन्द्रभागा का तथा समस्त नगर का कुशल–समाचार पूछा।

सोमशर्मा ने कहा– राजन, वहां सब कुशल है। यह तो अद्भुत आश्चर्य की बात है। ऐसा सुन्दर और विचित्र नगर कहीं किसी ने भी नहीं देखा होगा। बताइए तो सही, तुम्हें इस नगर की प्राप्ति कैसे हुई?

शोभन बोले– द्विजेन्द्र, कार्तिक के कृष्ण पक्ष में जो 'रमा' नाम की एकादशी पड़ती है, उसी का व्रत करने से मुझे ऐसे नगर की प्राप्ति हुई है। ब्रह्मन, मैंने श्रद्धाहीन होकर इस उत्तम व्रत का अनुष्ठान किया था। ऐसे में मेरा ऐसा मानना है कि यह नगर सदा स्थिर रहने वाला नहीं है। आप मुचुकुन्द की सुन्दरी कन्या चन्द्रभागा से यह सारा वृत्तान्त जरूर बताइएगा।

शोभन की बात सुनकर सोमशर्मा ब्राह्मण मुचुकुन्द पुर में पहुंचे और वहां चन्द्र भागा के सामने उन्होंने सारा 'वृत्तान्त बता दिया।

सोमशर्मा ने कहा– शुभे, मैंने तुम्हारे पति को प्रत्यक्ष देखा है और इन्द्रपुरी के समान उनके दुर्धर्ष नगर का भी अवलोकन किया गया है। वे उसे अस्थिर बता रहे थे। ऐसे में तुम उसको स्थिर बनाओ।

चन्द्रभागा ने कहा– मेरे मन के भीतर पति के दर्शन करने की लालसा लगी हुई है। आप मुझे वहां लेकर चलिए । मैं अपने व्रत के पुण्य से उस नगर को स्थिर बना दूंगी।

भगवान कृष्ण कहते हैं– राजन, चन्द्रभागा की बात सुनकर सोमशर्मा उसे साथ ले मन्दराचल पर्वत के निकट वामदेव मुनि के आश्रम पर पहुंच गए। वहां ऋषि के मन्त्र की शक्ति तथा एकादशी– सेवन के प्रभाव से चन्द्रभागा का शरीर दिव्य हो गया था और उसने दिव्य गति प्राप्त करी। इसके बाद, वह पति के पास गई। उस समय उसके नेत्र हर्षोल्लास से खिले हुए थे। अपनी प्रिय पत्नी को आते देख शोभन को बहुत प्रसन्नता हुई। उन्होंने उसे बुलाकर अपने वाम भाग में सिंहासन पर बिठाया और चन्द्रभागा ने हर्ष में भरकर अपने प्रियतम से कहा– 'नाथ, मैं हित की बात कहती हूं, सुनिए। पिता के घर में रहते समय जब मेरी अवस्था आठ वर्ष से अधिक हो गई, तभी से लेकर आज तक मैंने जो एकादशी के व्रत किए हैं और उनसे मेरे भीतर जो पुण्य सञ्चित हुआ है, उसके प्रभ जसे यह नगर कल्प के अन्त तक स्थिर रहेगा और सभी प्रकार के मनोवांछित वैभव से समृद्धिशाली होगा।'

नृपश्रेष्ठ, इस प्रकार 'रमा' व्रत के प्रभाव से चन्द्रभागा दिव्य भोग, दिव्य रूप और दिव्य आभरणों से विभूषित हो अपने पति के साथ मन्दराचल के शिखर पर विहार करती हैं। राजन, मैंने तुम्हारे सामने 'रमा' नाम की एकादशी का वर्णन विस्तार से किया है। यह चिन्ता मणि तथा कामधेनु के समान सब मनोरथों को पूर्ण करने वाली होती है। मैंने दोनों पक्षों के एकादशी व्रतों का पापनाशक माहात्य तुम्हें बता दिया है। जैसे कृष्ण पक्ष की एकादशी है, वैसे ही शुक्ल पक्ष की भी होती है इनमें भेद नहीं करना चाहिए। जैसे सफेद रंग की गाय हो या काले रंग की, दोनों का दूध एक समान ही होता है, इसी प्रकार दोनों पक्षों की एकादशी समान फल देने प्रदान करने वाली होती है। जो मनुष्य एकादशी व्रतों का महात्म्य ध्यानपूर्वक सुनता है, वह सभी पापों से मुक्त हो जाता है और श्रीविष्णु लोक में प्रतिष्ठित होता है।

रमा एकादशी आज

हिंदू धर्म में एकादशी का विशेष महत्व माना गया है। हर महीने में दो बार एकादशी का व्रत पड़ता है। कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष में पड़ने वाली एकादशी को रमा एकादशी के नाम से जाना जाता है। यह व्रत मां लक्ष्मी और श्री हरी भगवान विष्णु को समर्पित होता है। इस दिन व्रत रखने और भगवान विष्णु की पूजा करने से जीवन में सुख–समृद्धि आती है। रमा एकादशी का व्रत दिवाली से पहले पड़ता है और मां लक्ष्मी की पूजा के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है।

रमा एकादशी शुभ मुहूर्त?

पंचांग के अनुसार, इस साल रमा एकादशी 17 अक्टूबर 2025, शुक्रवार को मनाई जाएगी। एकादशी तिथि 16 अक्टूबर की सुबह 10 बजकर 35 मिनट से शुरु होकर 17 अक्टूबर की सुबह 11 बजकर 12 मिनट तक रहेगी। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार यह व्रत 17 अक्टूबर को रखा जाएगा। वहीं, रमा एकादशी का पारण शनिवार, 18 अक्टूबर 2025 को किया जाएगा। पारण का शुभ समय सुबह 6 बजकर 24 मिनट से लेकर सुबह 8 बजकर 41 मिनट तक रहेगा।

रमा एकादशी पूजा विधि?

रमा एकादशी के दिन सुबह स्नान करके पीले या सफेद वस्त्र धारण करें।

पूजा स्थल को गंगाजल से पवित्र करें।

भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित करें।

श्री हरि को चंदन, फूल, तुलसी पत्र, धूप और दीप अर्पित करें।

इस दौरान ॐ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करें।

श्रीसूक्त या विष्णु सहस्रनाम के पाठ का इस दिन विशेष महत्व होता है।

रमा एकादशी का महत्व

शास्त्रों के अनुसार, रमा एकादशी का व्रत करने से व्यक्ति को हजार अश्वमेध यज्ञ के समान फल की प्राप्त होती है।

इस व्रत को करने से व्यक्ति के जीवन के सभी पापों का नाश होता है। रमा एकादशी के दिन अनाज, प्याज, लहसुन और सरसों के तेज का सेवन वर्जित होता है। दिन भर व्रत रखकर महिलाएं शाम को भगवान विष्णु की पूजा करती हैं और रमा एकादशी की कथा सुनती है। अगले दिन शुभ मुहूर्त में जल अर्पित कर व्रत खोला जाता है।

रमा एकादशी का मंत्र

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय।

ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः।

श्रीशैलम मंदिर जहां होता है शिव और शक्ति का संगम

यहां गणेश जी के अदृश्य रजिस्टर में होता है सबका हिसाब

आंध्र प्रदेश के श्रीशैलम में स्थित श्री भ्रामरांबा मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर में पूजा–अर्चना की। यह उनका इस प्राचीन तीर्थस्थल पर पहला दौरा था। नल्लमाला की पहाड़ियों और कृष्णा नदी के किनारे बसे इस मंदिर को ज्योतिष और अध्यात्म की दृष्टि से अत्यंत शक्तिशाली माना जाता है। यह ज्योतिर्लिंग और शक्ति पीठ दोनों का संगम है। यह मंदिर देश का एकमात्र ऐसा स्थान है जहां भगवान शिव 'मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग' के रूप में और माता पार्वती 'भ्रामरांबा शक्ति पीठ' के रूप में एक साथ विराजमान हैं। यह स्थान ब्रह्मांड की पुरुष और स्त्री ऊर्जा का अद्भुत संगम माना जाता है।

रंग बदलने वाला शिवलिंग

कहा जाता है कि श्रीशैलम का ज्योतिर्लिंग दिनभर में अपना रंग बदलता रहता है। यह सुबह हल्का सफेद, दोपहर में पीला और शाम होते होते लालिमा लिए हुए दिखता है। एक किंवदंती ये भी है कि महाभारत काल में पांडवों ने अपने वनवास के दौरान यहां पांच गुप्त शिवलिंग स्थापित किए थे। कहा जाता है कि इनके स्थान की जानकारी सिर्फ कुछ चुनिंदा पुजारियों को ही है।

चमेली के फूल से होती है पूजा

'मल्लिकार्जुन' नाम के पीछे एक कथा जुड़ी हुई है। कहा जाता है कि देवी पार्वती ने मोम से बने शिवलिंग पर मल्लिका यानी चमेली के फूल चढ़ाए थे। जिसके बाद वह लिंग पिघला नहीं। तभी भगवान शिव स्वयं प्रकट हुए। तब से आज तक भक्त यहां शिव को चमेली के फूल अर्पित करते हैं।

नाग आज भी करता है मंदिर की रक्षा

16वीं सदी की एक कथा के अनुसार नाग अंपला नामक एक दिव्य सर्प ने इस मंदिर की रक्षा की थी। माना जाता है कि आज भी इस क्षेत्र में नाग देवता की उपस्थिति बनी हुई है और वे मंदिर की परिक्रमा करने वालों की रक्षा करते हैं। 2021 में यहां खुदाई के दौरान 21 प्राचीन ताम्रपत्र मिले थे, जिनमें 3वीं से 14वीं शताब्दी के बीच की दान संबंधी जानकारियां थीं।

'दक्षिण कैलाश' के रूप में प्रसिद्धप्राचीन ग्रंथों में श्रीशैलम को 'दक्षिण कैलाश' कहा गया है। मान्यता है कि एक बार माता पार्वती भौंरे का रूप धारण कर यहां तपस्या करने आईं, इसलिए देवी का नाम 'भ्रामरांबा' पड़ा। एक लोककथा के अनुसार मंदिर के प्रवेश द्वार पर गणेश जी का एक अदृश्य रजिस्टर हैं, जिसमें हर भक्त के पाप और पुण्य दर्ज होते हैं। कहा जाता है कि यहां साधना करने से चंद्र–शक्ति और सूर्य–ऊर्जा दोनों का संतुलन प्राप्त होता है।

छोटी दिवाली; पूजा का मुहूर्त और शुभ योग

दिवाली को हिंदू धर्म का सबसे बड़ा त्यौहार माना जाता है। पांच दिनों तक चलने वाले इस पर्व की शुरुआत धनतेरस से होती है और भाई दूज के साथ ये खत्म होता है। दिवाली कार्तिक मास में कृष्ण पक्ष की अमावस्या को मनाया जाता है। दीवाली से एक दिन पहले छोटी दीवाली का त्योहार मनाया जाता है। इस दिन को नरक चौदस, रूप चौदस या काली चौदस के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि इस दिन भगवान कृष्ण ने नरकासुर का वध किया था।

कार्तिक मास में कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को छोटी दीवाली का त्योहार मनाया जाएगा। दीवाली के एक दिन पहले होने की वजह से इसे छोटी दीवाली कहा जाता है। इस बार रविवार, 19 अक्टूबर को यह त्यौहार मनाया जाएगा। इस दिन लोग अकाल मृत्यु से मुक्ति पाने के लिए यम के नाम का दीपक जलाते हैं। आज के दिन हनुमान जी की पूजा का भी विशेष महत्व होता है।

छोटी दिवाली शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, नरक चतुर्दशी तिथि की शुरुआत 19 अक्टूबर 2025, रविवार को दोपहर 1 बजकर 51 मिनट से लेकर अगले दिन 20 अक्टूबर 2025, सोमवार को दोपहर 03 बजकर 44 मिनट पर समाप्त होगी। इस दिन अभ्यंग स्नान का शुभ समय सुबह 4 बजकर 56 मिनट से लेकर 6 बजकर 08 मिनट तक रहेगा। वहीं, 19 अक्टूबर की रात को 11 बजकर 41 मिनट से लेकर रात 12 बजकर 31 मिनट तक दीपदान के लिए शुभ मुहूर्त है। इस दिन दीपदान करने से व्यक्ति को नरक के कष्टों से मुक्ति मिलती है।

छोटी दिवाली 2025 पूजा विधि

छोटी दिवाली के दिन सूर्योदय के समय तिल का तेल लगा कर स्नान करना चाहिए। ऐसा करने से भगवान कृष्ण की कृपा मिलती है। इस दिन हनुमान जी के साथ ही यम देवता की पूजा अर्चना भी की जाती है। सुबह स्नान करने के बाद चौकी पर लाल रंग का कपड़ा बिछा लें।

इसके बाद उसपर हनुमान जी की मूर्ति की स्थापना करें। अब हनुमान चालीसा का पाठ करें और भगवान को हलवे का भोग लगाएं। इसके बाद भगवान कृष्ण की पूजा अर्चना करें, आरती करें। इसके बाद रात के समय में घर के बाहर दक्षिण दिशा की तरफ मुंह करके यम देवता के नाम से एक दीपक जलाएं।

दिवाली पर 71 साल बाद बना दुर्लभ संयोग से

मेष सहित अन्य राशियों के जीवन में आएंगी खुशियां होंगे मालामाल

दिवाली के मौके पर 71 साल बाद ग्रहों के कई दुर्लभ संयोग बन रहे हैं। दिवाली पर इस बार हंसराज और बुधादित्य राजयोग का दुर्लभ संयोग बनेगा। इससे पहले दिवाली पर 1954 में हंस राजयोग और बुधादित्य राजयोग बना रहेगा। दरअसल, गुरु अपनी उच्च राशि कर्क में गोचर कर जाएंगे। सूर्य और बुध की युति तुला राशि में रहेंगी जिससे बुधादित्य राजयोग प्रभाव में आएगा। इसी के साथ सूर्य दीवाली के मौके पर तुला राशि में प्रवेश कर जाएंगे। मंगल और सूर्य की युति तुला राशि में होने से आदित्य मंगल योग बनेगा। इसी के साथ चंद्रमा और शुक्र की युति कन्या राशि में होने से कलानिधि योग बनेगा। साथ ही सर्वार्थ सिद्धि योग बनेगा। ऐसे में दिवाली के मौके पर मेष, मिथुन सहित 5 राशियों के लिए समय बहुत ही अच्छा रहने वाला है। इन राशियों को खुशियों के साथ साथ मालामाल होंगे।

मेष राशि : दिवाली पर मिलेगी खुशियां

दिवाली के मौके पर मेष राशि के लोगों को ढेर सारी खुशियां मिलने वाली है। दरअसल, आपके सप्तम भाव में बुधादित्य और आदित्य मंगल योग बनेगा। ऐसे में आप इस दौरान अपने ज्ञान का सही इस्तेमाल करके बड़ा लाभ हासिल कर सकते हैं। साथ ही आपके अंदर एक अलग ही ऊर्जा देखने को मिलेगी। आप इस दौरान वह सभी काम करेंगे जो करने से आप अब तक डर रहे थे और आपको सफलता भी मिल सकती है। बस इस बात का ख्याल रखें कि जो भी निर्णय लें जल्दबाजी में न लें। साथ ही आपको इस दौरान परिवार के किसी सदस्य से जुड़ी कोई बड़ी खुशखबरी मिल सकती है।

मिथुन राशि – दिवाली पर होंगे मालामाल

मिथुन राशि के लोगों के लिए दिवाली का पर्व आपको मालामाल करने वाला है। दीपावली के शुभ अवसर पर शुक्र और चंद्रमा की युति आपके चौथे भाव में होगी। ऐसे में आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। साथ ही आप कोई संपत्ति या धन आदि की खरीदारी कर सकते हैं और आप किसी नए काम की शुरुआत भी कर सकते हैं। वहीं, यह समय आपके लिए पूरी तरह से सौभाग्यशाली रहने वाला है। आपकी सभी अधूरी इच्छाएं पूरी होंगी और आप अपने परिवार के साथ काफी अच्छा समय बीताएंगे। आपके अपने परिवार के साथ रिश्ते पहले से काफी मजबूत होगा।

कर्क राशि – हंस राजयोग से मिलेंगे अच्छे अवसर

कर्क राशि के जातकों को दिवाली के मौके पर हंस राजयोग से लाभ मिलने वाला है। दरअसल, इस दौरान गुरु अपनी उच्च राशि कर्क में गोचर करेंगे। ऐसे में गुरु आपको करियर में अब अलग ऊंचाइयों पर लेकर जा सकते हैं। आपको अब एक के बाद एक कई अच्छे अवसर मिलने लगेंगे। इस अवधि में आपको धन, समृद्धि, उच्च पद और सफलता, सम्मान और प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। हंस राजयोग के प्रभाव से आप भौतिक सुख–सुविधाओं से भरपूर जीवन जीएंगे। साथ ही समाज में भी प्रतिष्ठा और सम्मान मिलेगा।

कन्या राशि – करियर में मिलेंगे सुनहरे अवसर

कन्या राशि के जातकों को दिवाली के मौका पर कलानिधि योग का बेहद ही शुभ संयोग बनेगा। चंद्रमा और शुक्र की युति आपकी राशि में होने जा रही है। ऐसे में कन्या राशि के जातक कोई बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। साथ ही करियर में भी आपको अब सुनहरे अवसर मिलेंगे जिनका आप लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। वहीं, रचनात्मक क्षेत्रों जैसे संगीत, नृत्य और लेखन में आपकी रुचि बढ़ेगी। आप अब अपनी हॉबी के लिए समय निकालेंगे। शिक्षा व शोध से जुड़े जातक उच्च पद प्राप्त कर सकता है।

मकर राशि – व्यक्तित्व आकर्षक रहेगा

मकर राशिवालों को दिवाली के मौके पर धन संपत्ति का सुख मिल सकता है। भाग्य अब आपका पूरी तरह से साथ देंगा। साथ ही इस दौरान आप नया मकान, दुकान में निवेश कर सकते हैं या नया वाहन आदि की खरीदारी कर सकते हैं। साथ ही आपका व्यक्तित्व आकर्षक बनेगा। आप आध्यात्मिक रूप से काफी सक्रिय होंगे आपका मन धार्मिक कार्यों में अधिक रहेगा। आप नया सीखने में रुचि रखेंगे। आपको काफी ज्ञान मिलेगा। साथ ही आपकी वाणी मधुर होगी। वाणी के बल पर आप करियर और परिवार में सामंजस्य बनाकर रखेंगे।

'थामा' का 'यक्षासन' मेरे बच्चों को जरूर पसंद आएगा : नवाजुद्दीन सिद्दीकी

अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'थामा' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बीच उन्होंने अपने फिल्म के किरदार को लेकर बात की और बताया कि यह किरदार उनके बच्चों के लिए खास रूप से रोमांचक होने वाला है। हुए नवाजुद्दीन ने कहा, 'यह रोल मेरे लिए काफी अलग और नया है, जिसे मैं लंबे समय से निभाना चाह रहा था। फिल्म में मेरी भूमिका थोड़ी अजीब है, लेकिन यही अजीबपन बहुत दिलचस्प और मजेदार होने वाला है। मैं अपने अनुभव से बेहद खुश हूं। जब मेरे बच्चे फिल्म में मेरे किरदार 'यक्षासन' को देखेंगे, तो यकीनन उसे जरूर पसंद करेंगे। मैंने इस किरदार को निभाने में काफी मेहनत की है।'' नवाजुद्दीन ने अपनी भूमिका की एक बल्लेबाज से तुलना की, जो मैच में पूरी तैयारी के बावजूद भी अनपेक्षित गेंद का सामना करता है।

उन्होंने आगे कहा, ''यह रोल मिलना मेरे लिए किसी सौभाग्य से कम नहीं है। फिल्मकार अब भी मुझे नए और अलग अवतार में देख रहे हैं।''

बता दें कि फिल्म 'थामा' में नवाजुद्दीन सिद्दीकी यक्षासन नाम के किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके अलावा, आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना और परेश रावल भी लीड रोल में हैं। वहीं 'पंचायत' फेम फैसल मलिक भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। वह 'पंचायत' सीरीज में प्रहलाद चाचा के रोल में दिखे थे।

यह फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी हॉरर है। इसमें एक वैंपायर की लव स्टोरी दिखाई जाएगी। इस फिल्म को आदित्य सरपोतदार ने निर्देशित किया है। फिल्म का निर्माण दिनेश विजान और अमर कौशिक ने मिलकर किया है। फिल्म की कहानी निरंजन भट्ट और सुरेश मैथ्यू ने लिखी है। यह मैडॉक्स फिल्म्स के हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा है। इस बैनर तले 'स्त्री', 'स्त्री 2', 'भेड़िया', और 'मुंज्या' जैसी मूवीज बन चुकी हैं।

यह फिल्म 21 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। दीपावली पर रिलीज हो रही फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सोनम बाजवा और हर्षवर्धन राणे की फिल्म 'एक दीवीने की दीवानियत' से टकराएगी।

महेश बाबू आज करेंगे जटाधारा का ट्रेलर रिलीज

साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक 'जटाधारा' को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इसी बीच ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा ने फिल्म का शानदार मोशन पोस्टर जारी करते हुए घोषणा की है कि इसका ऑफिशियल ट्रेलर 17 अक्टूबर को लॉन्च किया जाएगा, जिसे सुपरस्टार महेश बाबू हैदराबाद में रिलीज़ करेंगे। गौरतलब है की हाल ही में रिलीज़ हुई रहस्यमयी, शक्तिशाली और बेहद प्रभावशाली मोशन पोस्टर अपने आप में एक विजुअल स्टॉर्म है, जिसमें सोनाक्षी सिन्हा अपने अब तक के सबसे बोल्ड और दमदार अवतार में नज़र आ रही हैं। फिलहाल सोनाक्षी जहां प्रखर ऊर्जा से भरपूर, दिव्यता और शक्ति का संगम लग रही हैं, वहीं सुधीर बाबू अपनी तराशी हुई बॉडी, पैनी नज़र और त्रिशूल के साथ अच्छाई और बुराई के अनंत संघर्ष का प्रतीक नज़र आते हैं। ज़ी स्टूडियोज़ और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत 'जटाधारा' एक द्विभाषी सुपरनैचुरल फैंटेसी थ्रिलर है, जो पौराणिक कथाओं, आस्था और लोककथाओं को एक अद्भुत सिनेमाई अनुभव में पिरोती है। फिल्म के निर्माता हैं उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा, शिल्पा सिंघल और निखिल नंदा, जबकि अक्षय केजरीवाल और कुसुम अरोड़ा सह-निर्माता हैं। दिव्या विजय क्रिएटिव प्रोड्यूसर और भाविनी गोस्वामी सुपरवाइजिंग प्रोड्यूसर हैं।फिल्म में मुख्य भूमिकाओं में सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा के साथ दिव्या खोसला, शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णा, रवि प्रकाश, नवीन नेनी, रोहित पाठक, झांसी, राजीव कनकला और सुभलेखा सुधाकर जैसे शानदार कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। साथ ही साथ ही ज़ी म्यूज़िक कंपनी के साउंडट्रैक से सजी फिल्म 'जटाधारा' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि आस्था, नियति और प्रकाश-अंधकार के अनंत युद्ध की एक महागाथा है, जो 7 नवंबर 2025 को हिंदी और तेलुगु में देश भर के सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

डीजल में अभिनय करना शारीरिक और मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण था : हरीश कल्याण

तमिल सिनेमा के उभरते सितारे हरीश कल्याण की अपकमिंग एक्शन थ्रिलर 'डीजल' 17 अक्टूबर को रिलीज होगी। इस फिल्म में हरीश ने पहली बार एक एक्शन हीरो का किरदार निभाया है। इस फिल्म का निर्देशन शन्मुगम मुथुसामी ने किया है। एक इंटरव्यू में हरीश कल्याण ने बताया कि 'डीजल' में काम करना शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से बेहद थकाऊ था। हरीश कल्याण ने कहा, निर्देशक शन्मुगम मुथुसामी की रिसर्च और डिटेलिंग ने मुझे हैरान कर दिया। उनकी स्क्रिप्ट की गहराई ने मुझे मंत्रमुग्ध कर दिया और मुझे पूरा यकीन है कि दर्शक भी इसे खूब पसंद करेंगे। पेट्रोल और डीजल हर किसी की जिंदगी से जुड़े हैं, और सोने से ज्यादा वैल्यूएबल कच्चा तेल, जिसे 'ब्लैक गोल्ड' कहते हैं, दुनिया का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला रिसोर्स है। हम रोज पेट्रोल पंप जाते हैं, लेकिन कच्चे तेल की उस डार्क वर्ल्ड के बारे में शायद ही सोचते हैं। 'डीजल' उसी दुनिया को एक्सप्लोर करेगी।

उन्होंने आगे कहा, यह फिल्म ग्लोबल ऑडियंस के लिए एक फ्रेश और अनोखा एक्सपीरियंस लेकर आएगी। इसे गहराई और पर्पज के साथ क्राफ्ट किया गया है, और बड़े स्केल पर प्रोड्यूस किया गया है। हमने क्रिएटिव रिस्क लिए हैं जो कुछ अलग लेवल के हैं। दुनिया की सबसे बिजी लोकेशन्स पर शूटिंग करना सच में एक बड़ा चैलेंज था, लेकिन साथ ही एक्साइटिंग भी।

बताया जा रहा है कि अभिनेता हरीश कल्याण ने इस रोमांचक थ्रिलर पर बड़ा दांव लगाया है। इसमें वह पहली बार एक्शन करते दिखाई देंगे।

हरीश ने कहा, डीजल शारीरिक और मानसिक रूप से दोनों ही तरह से चुनौतीपूर्ण था। गानों और जबरदस्त एक्शन सीन्स तक, हर चीज के लिए काफी मेहनत की जरूरत थी। लेकिन इस प्रोजेक्ट को पूरा करने के बाद मुझे काफी संतुष्टि का अहसास हुआ। अगर दर्शक मुझे एक्शन के क्षेत्र में अपनाते हैं, तो इस शैली में मेरे लिए और फिल्मों के दरवाजे खुलेंगे।

'डीजल' का निर्माण थर्ड आई एंटरटेनमेंट और एसपी सिनेमाज ने किया है। शन्मुगम मुथुसामी ने ही इस फिल्म की कहानी लिखी है। फिल्म में हरीश कल्याण, अतुल्य रवि, विनय राय, साई कुमार, बोस वेंकट, रमेश थिलक, काली वेंकट, विवेक प्रसन्ना, सचिन खेडेकर, जाकिर हुसैन और अपूर्व सिंह जैसे कलाकार हैं।

श्रिया पिलगांवकर बनीं ऑल लिविंग थिंग्स एनवायर्नमेंटल फिल्म फेस्टिवल की जूरी सदस्य

4 दिसंबर से मुंबई में होगा आगाज

पर्यावरण और सिनेमा के संगम का जश्न मनाने वाला ऑल लिविंग थिंग्स एनवायर्नमेंटल फिल्म फेस्टिवल इस साल अपने छठे संस्करण के साथ लौट रहा है। 4 दिसंबर से शुरू हो रहे इस 11 दिवसीय फिल्म फेस्टिवल में दुनियाभर की फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा जो पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, संरक्षण और टिकाऊ जीवन जैसे महत्वपूर्ण विषयों को उजागर करेंगी। इस साल फेस्टिवल की शुरुआत मुंबई से होगी और 14 दिसंबर को इसका समापन होगा। खास बात यह है कि इस बार अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर और अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त फिल्म निर्देशक पान नलिन को फेस्टिवल की जूरी में शामिल किया गया है। जूरी सदस्य के रूप में अपनी भूमिका को लेकर श्रिया पिलगांवकर ने खुशी जताई और कहा, फेस्टिवल का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास है। अक्सर कलाकार यह बात करते हैं कि सिनेमा में लोगों को जोड़ने की ताकत होती है, लेकिन फेस्टिवल इस ताकत का इस्तेमाल जागरूकता और संवेदना बढ़ाने के लिए करता है, जिससे समाज में वास्तविक बदलाव लाया जा सकता है। श्रिया का मानना है कि पर्यावरण का मुद्दा हमारी रोजमर्रा की जिंदगी, स्वास्थ्य और भविष्य से सीधा जुड़ा हुआ विषय है।

श्रिया ने आगे कहा, ''यह फेस्टिवल मुझे याद दिलाता है कि कहानियों में वह शक्ति होती है जो सोच को बदल सकती है, दिमाग खोल सकती है, और हमें प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का एहसास करा सकती है।'' उन्होंने बताया कि जूरी की प्रक्रिया के दौरान उन्होंने कई प्रभावशाली फिल्में देखीं, जो नए नजरिए से सोचने और सीखने का मौका देती हैं। बता दें कि इस फेस्टिवल में फीचर फिल्में, डॉक्यूमेंट्री, शॉर्ट फिल्म्स, और स्टूडेंट पर आधारित फिल्मों को दर्शकों के सामने लाया जाएगा। इन सभी फिल्मों का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि दर्शकों को प्रेरित करना, सोचने पर मजबूर करना और प्रकृति से जुड़ने का एहसास कराना है।

पहली बार में ही हेमा मालिनी की खूबसूरती पर मोहित हो गई थी सायरा बानो

भारतीय सिनेमा की सफल और अपने जमाने में हीरो से भी ज्यादा फीस लेने वाली अदाकारा हेमा मालिनी आज अपना 77वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रही हैं। सोशल मीडिया पर हर कोई उन्हें बधाई दे रहा है। लेजेंड्री अदाकारा सायरा बानो ने अब हेमा मालिनी के लिए दिल खोलकर लंबा-चौड़ा पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर किया है और उन्हें दिल से दुआ दी है। सायरा बानो ने सोशल मीडिया पर अपनी, हेमा मालिनी और दिलीप कुमार की पुरानी फोटो शेयर की है, और उन्होंने अपनी और हेमा मालिनी की पहली मुलाकात का किस्सा भी सुनाया है। उन्होंने बताया कि पहली बार जब उन्होंने हेमा मालिनी को देखा था, तो, वो उनकी खूबसूरती, चेहरे के शांत भाव और ग्रेस पर मोहित हो गई थीं। सायरा बानो ने कैप्शन में लिखा, हमारी पहली मुलाकात 1966 में आरके स्टूडियो में 'दीवाना' के सेट पर हुई थी। मुझे आज भी याद है कि मैं कैसे उनके शांत स्वभाव, सुंदरता और ग्रेस पर मोहित हो गई थी। जिसके बाद हम सुरम्य कृष्ण राज सागर बांध पर शूटिंग के दौरान फिर मिले, जहां उनकी मां और हमारी मां और हम दोनों शूटिंग के बाद बैठकर घंटों बातें करते थे और हंसी मजाक करते थे।

सायरा बानो ने बालों में गोबान लगाने वाला किस्सा भी सोशल मीडिया पर शेयर किया और बताया कि अम्मा हेमा के बालों में प्यारी खुशबू के लिए गोबान लगती थी और हम दोनों ही इस बात पर हंसते थे। एक्ट्रेस के पोस्ट से साफ है कि उनकी और हेमा मालिनी की दोस्ती काफी पुरानी और प्यारी है। बता दें कि सायरा बानो हाल ही के दिनों में हेमा से मिलने के लिए उनके घर पहुंची थी और पुरानी यादों को ताजा किया था।फैंस भी सायरा बानों के पोस्ट की तारीफ कर रहे हैं और हेमा मालिनी को जन्मदिन की बधाई दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 60 और 70 के दशक की दो खूबसूरत गॉर्जियस ब्यूटी एक साथ।

एक अन्य यूजर ने लिखा, बिल्कुल सही कहा आपने, आज भी हेमा जी उतनी ही खूबसूरत और ग्रेसफुल हैं।

बता दें कि सायरा बानो अपने इंस्टाग्राम पर अपनी और दिलीप साहब की पुरानी यादें ताजा करती रहती हैं। इससे पहले उन्होंने अपनी और दिलीप कुमार की शादी की खूबसूरत फोटो डाली थी और अपने रिश्ते को लेकर कई राज खोले थे।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं। आप आराम करने में क़ामयाब नहीं हो पाएंगे, क्योंकि आपके कुछ तथाकथित दोस्त आपको आराम करने नहीं देंगे। आप दोस्ती की डोर मज़बूत करने में भी कर सकते हैं, इससे बाद में आपको फ़ायदा भी मिलेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों को न भूलें। छात्रों को सलाह दी जाती है कि यारी–दोस्ती के चक्कर में इन कीमती पलों को खराब न करें। यार दोस्त आने वाले वक्त में भी मिल सकते हैं लेकिन पढ़ाई के लिए यही समय सबसे सही है। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही। आपकी कमियां आपको अच्छी तरह से पता हैं आपको जरुरत है उन कमियों को दूर करने की।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

बहुत ज़्यादा चिंता करना मानसिक शांति को बर्बाद कर सकता है। इससे बचें, क्योंकि ज़रा–सी चिंता और मानसिक तनव भी शरीर पर ख़राब असर डालते हैं। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा–पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। मुमकिन है कि परिवार वाले आपकी उम्मीदों को पूरा न कर सकें। इस बात कि इच्छा न करें कि वे आपके मुताबिक़ काम करेंगे, बल्कि अपने काम करने का तरीक़ा बदलकर पहल करे ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया धन आज आपको वापस मिल सकता है। जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन–देन करने के लिए अच्छा दिन है। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे। इसलिए एक–दूसरे का ख़याल रखें। इस सप्ताहांत में आप काफ़ी–कुछ करना चाहेंगे

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। कुछ लोग आपकी झुंझुलाहट की वजह बन सकते हैं, उन्हें नज़रअंदाज़ करें। आप साथ में कहीं घूमने–फिरने जाकर अपने प्रेम–जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। वैवाहिक जीवन को अधिक सुखमय बनाने के आपके प्रयास उम्मीद से ज़्यादा रंग लाएंगे। अपने जीवनसाथी या दोस्तों के खाली समय बीता सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बहुत ज़्यादा मानसिक दबाव और थकान परेशानी की वजह बन सकता है। सेहत को ठीक बनाए रखने के लिए पर्याप्त आराम करें। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। सावधान रहें, क्योंकि कोई आपकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर सकता है। उन चीजों को दोहराना जिनका अब आपके जीवन में कोई महत्व नहीं है, आपके लिए ठीक नहीं है। ऐसा करके आप अपना वक्त ही बर्बाद करेंगे और कुछ नहीं। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका प्रबल आत्मविश्वास और आज के दिन का आसान कामकाज मिलकर आपको आराम के लिए काफ़ी वक़्त देंगे। पैसे की अहमियत को आप अच्छे से जानते हैं इसलिए आज के दिन आपके द्वारा बचाया गया धन आपके बहुत काम आ सकता है और आप किसी बड़ी मुश्किल से निकल सकते हैं। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम–काज के हिसाब से अच्छा दिन है। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। आज आपके पास इसके लिए पर्याप्त समय होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन बहुत लाभदायक नहीं है– इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। अगर आपके मन में तनाव है तो किसी नज़दीकी रिश्तेदार या दोस्त से बात करें, इससे आपके दिल का बोझ हल्का हो जाएगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। जीवनसाथी की ओर से मिले तनाव के चलते सेहत पर बुरा असर पड़ना मुमकिन है। अपने अच्छे लेखन के साथ आज आप किसी अकल्पनीय उड़ान पर जा सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

सेहत अच्छी रहेगी। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढाएंगे, आज खाली वक्त्त किसी बेकार के काम में खराब हो सकता है। आप महसूस कर सकते हैं कि जीवनसाथी का प्यार सारे दुःख–दर्द भुला देता है। जिन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत अच्छा दिन नहीं है। चलते–फिरते समय ख़ासा ख़याल रखने की ज़रूरत है। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। आपको अपनी एक–सी दिनचर्या से थोड़ी छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ सैर–सपाटा करने की ज़रूरत है। अगर आप हुक़्म चलाने की कोशिश करेंगे, तो आपके और आपके प्रिय के बीच काफ़ी परेशानी खड़ी हो सकती है। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप घर से बाहर बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। आपकी पारिवारिक सदस्यों को क़ाबू में रखने और उनकी न सुनने प्रवृत्ति की वजह से बेवजह वाद–विवाद हो सकता है और आपको आलोचना का सामना भी करना पड़ सकता है। आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंगे लेकिन आप अपनी ही धुन में मस्त रहेंगे और खाली समय में कुछ ऐसा करेंगे जो करना आपको पसंद है। कोई प्रेरणादायी पुस्तक पढ़ना या फ़िल्म देखना आज के दिन बढ़िया रहेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

शाम के समय थोड़ा आराम कीजिए। दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। अपनी बातों पर क़ाबू रखें, क्योंकि इसके चलते बड़े–बुज़ुर्ग आहत महसूस कर सकते हैं। बेकार की बातें करके समय बर्बाद करने से बेहतर है कि आप शांत रहें। याद रखें कि समझदार कामों के ज़रिए ही हम जीवन को अर्थ देते हैं। उन्हें महसूस करने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 17 अक्टूबर 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : कार्तिक ,कृष्ण पक्ष
तिथि : एकादशी प्रातः 11:14 तक
नक्षत्र : मघा दोपहर 01:58 तक
योग : शुक्ल रात्रि 01:48 तक
करण : बालव प्रातः 11:14 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 06:09, सूर्यास्त 05:52 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:10 , सूर्यास्त 05:59 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:03, सूर्यास्त 05:51 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:00, सूर्यास्त 05:45 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : रमा एकादशी व्रत , गण्डमूल दोपहर 01:58 तक , गौवत्स द्वादशी , तुला संक्रांति दोपहर 01:46 से , संक्रांति पुण्यकाल सूर्योदय से सूर्यास्त तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान की विकास यात्रा से प्रवासी राजस्थानियों को कराएं अवगत : भजनलाल शर्मा

जयपुर,16 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रवासी राजस्थानी दिवस (10 दिसंबर) का आयोजन राजस्थान की ऐतिहासिक और वैभवशाली धरोहर की थीम पर करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि देश और विदेश से आने वाले प्रवासी राजस्थानियों को प्रदेश की विकास यात्रा से भी अवगत कराया जाए। उन्होंने आयोजन की सभी तैयारियां आपसी समन्वय से समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शर्मा ने आगामी 10 दिसंबर को प्रस्तावित प्रवासी राजस्थानी दिवस के आयोजन की तैयारियों के संबंध में गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि जयपुर में होने वाले इस आयोजन में राजस्थान की समृद्ध विरासत और संस्कृति की झलक भी दिखाई जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रवासी राजस्थानियों को राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के एमओयू की सफल ग्राउंड ब्रेकिंग की उपलब्धियों से अवगत कराएं। इस संबंध में सोशल मीडिया पर भी प्रचार–प्रसार करें। शर्मा ने राजस्थान फाउंडेशन के सभी चैप्टर्स से आने वाले आगन्तुकों की कार्यक्रम में सहभागिता के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली तथा जरूरी दिशा–निर्देश प्रदान किए। उन्होंने सेक्टोरल सेशन के सफल आयोजन के संबंध में अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में प्रवासी राजस्थानियों को प्रदेश की ऐतिहासिक इमारतों, धरोहरों, पर्यटन केन्द्रों और महत्वपूर्ण स्थलों की भी जानकारी दी जाए। बैठक में मुख्यमंत्री कार्यालय, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग एवं संबंधित विभाग के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

राजस्थान सरकार ने 22 अक्टूबर तक बढ़ाई 'सहकार सदस्यता अभियान' की अवधि

जयपुर,16 अक्टूबर (एजेंसियां)। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने बताया कि 'सहकार सदस्यता अभियान' के अंतर्गत प्राप्त हुए बेहतर परिणामों के दृष्टिगत राज्य सरकार ने अभियान की अवधि 22 अक्टूबर, 2025 तक बढ़ा दी है। उन्होंने बताया कि 18 एवं 20 अक्टूबर के अवकाश को छोड़कर शेष दिवसों में पैक्स में शिविर लगाए जा सकेंगे। पूर्व में अभियान की अवधि 2 से 15 अक्टूबर तक निर्धारित की गई थी। दक ने बताया कि अभियान के अंतर्गत अब तक लगभग 8,500 पैक्स के स्तर पर शिविरों का सफलतापूर्वक आयोजन किया जा चुका है। इस दौरान प्रमुख रूप से 5 प्रकार की गतिविधियां आयोजित कर उनमें आशानुरूप परिणाम प्राप्त किये गए। उन्होंने बताया कि युवाओं एवं महिलाओं को अधिक से अधिक संख्या में सहकारिता से जोड़ना अभियान के अंतर्गत सबसे प्रमुख गतिविधि है। इस दिशा में बेहतरीन कार्य करते हुए अब तक 8.71 लाख से अधिक नए सदस्य बनाए जा चुके हैं। इसी प्रकार, पैक्सविहीन ग्राम पंचायतों में नवीन पैक्स गठन की कार्यवाही के तहत 1,688 ग्राम पंचायतों में सर्वे की कार्यवाही पूर्ण कर ली गई है। इनमें से 1,288 पैक्स हेतु जिला स्तरीय कमेटी की बैठक आयोजित हो चुकी है। जबकि, 1208 पैक्स के गठन हेतु प्रस्ताव विभाग को प्राप्त हो चुके हैं। सहकारिता मंत्री ने बताया कि अभियान के अंतर्गत अब तक भूमिविहीन या अपर्याप्त भूमि वाली 1,340 सहकारी समितियों में गोदाम निर्माण हेतु भूमि का चिन्हीकरण किया गया है तथा 1,213 सहकारी समितियों द्वारा भूमि आवंटन के लिए आवेदन किया गया है।

वैष्णव ने 65 छोटे एवं मध्यम स्टेशनों पर नये प्लेटफॉर्म एवं एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली का किया लोकार्पण

जयपुर,16 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को जयपुर में उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा यात्री सुविधाओं के विस्तार के लिए 65 छोटे एवं मध्यम स्टेशनों पर नये प्लेटफॉर्म, प्लेटफॉर्म उन्नयन एवं विस्तार तथा एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली का लोकार्पण किया और जयपुर–असारवा एक्सप्रेस में वातानुकूलित श्रेणी के यात्रियों के लिए प्रिंटेड कंबल कवर की शुरूआत की।इस अवसर पर जयपुर के खातीपुरा रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में श्री वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रेलवे क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हो रहा है और रेलवे क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता और मार्गदर्शन के कारण ही रेलवे क्षेत्र में इतने बड़े परिवर्तन संभव हो पाए हैं। प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी हमेशा ऐसी तकनीक को लाने पर बल देते है जिससे यात्रियों व आम लोगो को सुविधा मिल सके।उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर प्रायोगिक तौर पर प्रिटेंड कंबल कवर की शुरूआत की गई। इससे वोकल फॉर लोकल को ध्यान में रखते हुए स्थानीय प्रिंट के कंबल कवर का उपयोग किया जा रहा है ताकि स्थानीय स्तर पर लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकेंगे।उन्होंने कहा कि उत्तर पश्चिम रेलवे के 65 छोटे एवं मध्यम स्टेशनों पर नए प्लेटफॉर्म, प्लेटफॉर्म उन्नयन एवं विस्तार तथा एकीकृत यात्री सूचना प्रणाली की सुविधाओं का लोकापर्ण किया जा रहा है। कार्यक्रम में सांसद मंजू शर्मा, घनश्याम तिवाडी, विधायक कैलाश चन्द वर्मा, उत्तर पश्चिम रेलवे महाप्रबन्धक अमिताभ, मंडल रेल प्रबन्धक जयपुर रवि जैन अधिकारी सहित गणमान्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे।श्री वैष्णव ने एक अन्य कार्यक्रम में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए ज़मीन से जुड़े फैसले लिए हैं, जिससे बुनियादी ढांचे के निर्माण को गति मिली है। उन्होंने कहा कि भारत आज विश्व की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है।उन्होंने कहा कि मज़बूत आर्थिक स्थिति के कारण ही रेलवे स्टेशनों और बुनियादी ढांचे में व्यापक सुधार संभव हुआ है।

ईडी ने एल्विश यादव और फाजिलपुरिया के खिलाफ चार्जशीट की दाखिल

गुरुग्राम,16 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूट्यूबर एल्विश यादव और पंजाबी सिंगर फाजिलपुरिया के लिए मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुग्राम स्थित पीएमएलए की विशेष अदालत में दोनों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। इस चार्जशीट में चंडीगढ़ की कंपनी स्काई डिजिटल को भी दोषी ठहराया गया है। अदालत ने मामले को संज्ञान में लेकर दोनों आरोपितों को जल्द ही तलब करने का फैसला किया है। इसके बाद ही अदालत इस मामले में आगे की कार्रवाई करेगी। ईडी की जांच में यह खुलासा हुआ है कि पंजाबी गायक फाजिलपुरिया के गाने '32 बोर' से करीब 52 लाख रुपये की कमाई हुई थी। इस कमाई का एक बड़ा हिस्सा बिजनौर में तीन एकड़ जमीन खरीदने में खर्च किया गया, जिसकी कीमत लगभग 50 लाख रुपये थी। साथ ही, जांच के दौरान एल्विश यादव और फाजिलपुरिया के बैंक खातों से कुल तीन लाख रुपये जब्त किए गए, जबकि स्काई डिजिटल कंपनी के खाते से दो लाख रुपये जब्त किए गए। ईडी ने दोनों की करीब 55 लाख रुपये की संपत्ति भी अटैच कर ली है। यह सब उस म्यूजिक वीडियो से जुड़ा हुआ है जिसमें दोनों कलाकारों ने सांपों के साथ शूटिंग की थी। यह मामला 'कोबरा कांड' के नाम से भी जाना जाता है, जिसके तहत पहले भी एल्विश यादव के खिलाफ नोएडा पुलिस ने केस दर्ज किया था। उस केस में आरोप था कि एल्विश यादव ने वन्य जीव संरक्षण अधिनियम का उल्लंघन करते हुए सांपों का अवैध इस्तेमाल किया था। इसके अलावा, उन पर आरोप था कि उन्होंने एनसीआर क्षेत्र में रेव पार्टियों और फार्महाउसों में जिंदा सांप और उनके जहर का भी कारोबार किया। इस मामले में पुलिस ने कड़ी जांच के बाद एल्विश यादव को गिरफ्तार भी किया था।

ईडी ने इस पूरे मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू की और पाया कि '32 बोर' गाने में इस्तेमाल सांप और अन्य वन्य जीव संरक्षित हैं, और इनका व्यावसायिक उपयोग कानून के खिलाफ है। यह वीडियो स्काई डिजिटल कंपनी द्वारा शूट किया गया था, जबकि एल्विश यादव ने इसे यूट्यूब पर प्रमोट किया था। यूट्यूब पर इस वीडियो से हुई कमाई को भी अपराध से हुई आय माना गया है, इसलिए इसे जब्त किया गया है। गौरतलब है कि प्रवर्तन निदेशालय ने सितंबर 2024 में एल्विश यादव और फाजिलपुरिया को लखनऊ के जोनल कार्यालय में तलब करके पूछताछ की थी। जांच के दौरान दोनों की कमाई के स्रोत और संपत्तियों की जानकारी जुटाई गई। अब अदालत द्वारा आरोपितों को तलब किए जाने के बाद उनसे पक्ष जानने की प्रक्रिया शुरू होगी।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने मॉस्को में रूसी नेताओं से की मुलाकात

विकसित भारत 2047 के विजन के अनुरूप वैश्विक साझेदारी पर चर्चा

चंडीगढ़,16 अक्टूबर (एजेंसियां)। बहु–राष्ट्र संपर्क मिशन के तहत, भारत का एक व्यापार प्रतिनिधिमंडल 10 से 14 अक्टूबर को रूस (मॉस्को) के दौरे पर रहा। इस यात्रा का उद्देश्य भारत की मध्य एशिया, उज्बेकिस्तान और रूस के साथ साझेदारी को और गहरा करना था। यात्रा का समापन मॉस्को क्षेत्र के राजनयिकों, नीति–निर्माताओं और व्यापारिक समूहों के साथ एक संयुक्त बैठक में हुआ, जिसमें व्यापार, नवाचार और सहयोग के नए रास्तों पर चर्चा की गई – यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण के अनुरूप था।इस प्रतिनिधि मंडल ने अंतरराष्ट्रीय संबंध विभाग के उपप्रमुख मनुइलोव और दारिया पुस्तोवालोवा सहित वरिष्ठ रूसी अधिकारियों और व्यापार परिषद नेताओं से भारतीय जनता पार्टी के उपाध्यक्ष राजेश बागा व पैनलिस्ट से गुरदीप सिंह गोशा ने विशेष तौर पर मुलाकात कर भारतीय बाजार अर्थात वोकल फार लोकल का दायरा बढ़ा कर लोकल फार ग्लोबल के लिए बातचीत की गई जिसके अन्तर्गत भविष्य में पंजाब के सभी ट्रेड के नुमाइंदों के साथ विचार–विमर्श कर उनके उत्पादन क्षमता को विश्व बाजार में पहचान दिलाने की विकसित भारत 2047 के हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण पर पंजाब सहित भारत के प्रत्येक प्रांत के व्यापारियों को भविष्य में विश्व भ्रमण के कार्यक्रम करने की योजना है व्यापारियों के लिए स्वदेशी जागरण मंच एक सशक्त प्लेटफार्म प्रदान कर रहा है जिसके लिए पंजाब के किसानों व्यापारियों हस्तकला खानपान व अन्य उधोगिक इकाईयों के विश्व बाजार में अपने उत्पादों को निर्यात क्षमता को बढ़ावा देने हेतु हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

सभी सरकारी अस्पताल आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हो : सैनी

चंडीगढ़,16 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश के सभी सरकारी अस्पताल आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होने चाहिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल के भवन आदि की मेन्टेन्स से लेकर सफाई व्यवस्था तक सभी कार्य दुरुस्त रखें। अधिकारी नियमित निरीक्षण करें , सफाई के मामले में लापरवाही बरतने वाले अधिकारी एवं कर्मचारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, जबकि बेहतर कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाएगा। मुख्यमंत्री आज चंडीगढ़ में प्रदेश के लगभग एक दर्जन सरकारी अस्पतालों के मेन्टेन्स तथा सफाई व्यवस्था के कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ,मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता ,स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल , लोक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग अग्रवाल , वित्त विभाग के आयुक्त एवं सचिव मोहम्मद शाइन , मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ साकेत कुमार, मुख्यमंत्री के ओएसडी भारत भूषण भारती तथा विवेक कालिया के अलावा स्वास्थ्य विभाग तथा लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने सरकारी अस्पतालों में चल रहे भवन के मरम्मत , बिजली से संबंधित कार्य, अस्पताल के रिसेप्शन एवं वार्ड से लेकर जन सुविधाओं तक की साफ़ –सफाई एवं सौंदर्यकरण तथा परिसर को हरा भरा बनाने संबंधित कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य के सभी सरकारी अस्पताल एकदम से साफ और सुंदर हों , इस कार्य के लिए धन की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पतालों में सफाई –कल्चर पर विशेष बल दें। जो अधिकारी या कर्मचारी स्वच्छता के मामले में लापरवाही बरतेगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी जबकि उत्कृष्ट कार्य करने वाले को सम्मानित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अस्पताल में आने वाले मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए, इसका विशेष ख्याल रखा जाए। उन्होंने यह भी कहा कि लोक निर्माण विभाग द्वारा भवन आदि की मरम्मत करने के बाद उसके रखरखाव की जिम्मेवारी अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी की है।

मुख्यमंत्री ने अस्पताल में पेड़ – पौधों की देखभाल करने , आवश्यकता अनुसार अन्य पौधे लगाने एवं पार्क की व्यवस्था दुरुस्त रखने के भी निर्देश दिए।

अमित शाह से मुलाकात के बाद उपेंद्र कुशवाहा के बदले तेवर, बोले–

बिहार में जरूर बनेगी एनडीए की सरकार

पटना (एजेंसियां)। जीतन राम मांझी के बाद अब उपेंद्र कुशवाहा भी एनडीए में घमासान छोड़ शांति के रास्ते पर आते दिख रहे हैं।

इसके पहले उपेंद्र कुशवाहा ने दिल्ली निकलते समय कहा था कि एनडीए में सबकुछ ठीक नहीं है। उनके इस बयान के बाद कई तरह के कयास लगाए जा रहे थे, जिनमें एनडीए छोड़ने का संभावित फैसला भी था। हालांकि अंत में ऐसी पटकथा नहीं लिखी गई।

बुधवार को उपेंद्र कुशवाहा की बंद कमरे में केंद्रीय राज्य मंत्री नित्यानंद राय के साथ गृहमंत्री अमित शाह के साथ बातचीत हुई। इस बातचीत के बाद उपेंद्र कुशवाहा के तेवर काफी बदले हुए दिखे। अब उनकी बातों में गर्मी की जगह नरमी ने ले ली थी। उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि 'हमने गृह मंत्री से मुलाकात की और इस मुद्दे पर चर्चा हुई। इस चर्चा के बाद, अब हमें उम्मीद है कि आगे कोई मुश्किल नहीं आएगी और बिहार में एनडीए की सरकार ज़रूर बनेगी। हर तरह से, एनडीए के सभी सहयोगी दल तैयार हैं।'

उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि 'पटना में सुबह ही कहा था कि गठबंधन के कंटेक्स्ट में कुछ इश्यु है, जिस पर विमर्श की जरुरत है। इसी विमर्श के लिए हम और नित्यानंद राय जी माननीय गृह मंत्री जी के यहां जा रहे हैं। इसके बाद हमलोग आए, माननीय गृह मंत्री (अमित शाह) जी के साथ मुलाकात हुई। उस इश्यू पर विमर्श हुआ और विमर्श के उपरांत अब हम उम्मीद करते हैं कि कोई कठिनाई आगे नहीं होगी। एनडीए की सरकार निश्चित रुप से बनेगी। हर तरह से एनडीए के घटक दलों के सभी लोग तैयार हैं।'

माना जा रहा है कि एनडीए में छिड़ा घमासान अब थम गया है। जीतन राम मांझी के बाद अब उपेंद्र कुशवाहा ने भी सुर बदल दिए हैं।

लेकिन अब सबकी नजरें चिराग पासवान की तरफ जा टिकी हैं। क्योंकि उनकी डिमांडें 5 सीटों पर जदयू ने उम्मीदवार उतार दिए हैं। अगर ऐसे में चिराग भी शांत रहते हैं तब ही ये तय हो सकता है कि एनडीए के अंदर मचा संग्राम थम गया है।

हथियार के बल पर अपराधियों ने दिनदहाड़े पीएनबी के सीएसपी से 2.8 लाख रुपये लूटे

इलाके में अफरातफरी

औरंगाबाद (एजेंसियां)। औरंगाबाद जिले में हथियारबंद अपराधियों ने बुधवार को दिनदहाड़े पंजाब नेशनल बैंक(पीएनबी) के ग्राहक सेवा केंद्र(सीएसपी सेंटर) से 2.8 लाख लूट लिए। साथ ही लूटेरे सीएसपी का लैपटॉप भी लेकर फरार हो गए। घटना रफीगंज थाना क्षेत्र के पचार बाजार की है। पीड़ित सीएसपी संचालक राजू कुमार रंजन ढोसिला खुर्द गांव निवासी अंबिका प्रसाद का पुत्र है।

पीड़ित ने बताया कि बुधवार की सुबह करीब 9:30 बजे वह अपने सीएसपी सेंटर पर आए। इसके कुछ ही देर बाद रफीगंज की ओर से दो बाइक पर सवार चार अपराधी आए और पिस्टल सटा दिया। इसके बाद मेरे बैग में रखे दो लाख 80 हजार एवं एक लैपटॉप लूट कर कासमा की ओर भाग निकले।

वहीं लूट की घटना की जानकारी मिलते ही रफीगंज के सर्किल इंस्पेक्टर, रफीगंज थानाध्यक्ष शंभू कुमार, एसआई एसपी गुप्ता, एएसआई रामा अवधेश सिंह, बबनजीत कुमार, सिपाही सतीश कुमार सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की छानबीन की। घटनास्थल से पुलिस ने एक जिंदा कारतूस बरामद किया है।

मामले में रफीगंज थानाध्यक्ष शंभू कुमार ने बताया कि पीड़ित के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस अपराधियों का पता लगाने में जुटी है। इसके लिए विभिन्न संदिग्ध ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है। गौरतलब है कि बैंकों के ग्राहक सेवा केंद्र इन दिनों अपराधियों के सॉफ्ट टारगेट बने हुए है। चूंकि बैंकों के सीएसपी निजी हाथों द्वारा संचालित होते है। इस कारण इन केंद्रों पर सुरक्षा की कोई व्यवस्था नही होती। यही वजह है कि अपराधी सीएसपी केंद्रों को आसानी से लूट का निशाना बना लेते है।

छपरा की पूर्व मेयर राखी गुप्ता ने की भाजपा से बगावत!

निर्दलीय ठोकी ताल, कहा- मुझे चुनाव लड़ना है तो लड़ना है

पटना (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच छपरा सीट पर बड़ा राजनीतिक उलटफेर देखने को मिला है। शहर की पूर्व मेयर राखी गुप्ता ने भाजपा से नाराज होकर निर्दलीय मैदान में उतरने का ऐलान कर दिया है। बुधवार को उन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। खास बात यह है कि नामांकन से कुछ घंटे पहले तक उन्हें भाजपा से टिकट का सबसे मजबूत दावेदार माना जा रहा था। राखी गुप्ता ने पहले से ही सभी नामांकन संबंधी औपचारिकताएं पूरी कर ली थीं और पार्टी से टिकट मिलने का इंतजार कर रही थीं। लेकिन जैसे ही यह खबर मिली कि भाजपा ने अंतिम क्षणों में उनका टिकट काट दिया है, उन्होंने बिना देर किए निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव मैदान में उतरने का फैसला ले लिया। नामांकन के दौरान काफी भीड़ उमड़ी, जो उनके स्थानीय जनाधार और लोकप्रियता को दिखाती है। मेयर रहते हुए राखी गुप्ता ने शहर में कई विकास कार्य कराए थे और नगर निगम चुनाव में उन्होंने बड़े अंतर से जीत दर्ज की थी। हालांकि, बाद में एक न्यायालय के आदेश के बाद उन्हें पद से इस्तीफा देना पड़ा था। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि मैं शुरू से कह रही थी कि मुझे चुनाव लड़ना है तो लड़ना है। पार्टी से बागी होने की कोई बात नहीं है। मैंने पार्टी पर भरोसा किया था और अंतब समय में मुझे धोखा मिला है। मैं छपरा का विकास करना चाहती हूं। जनता मुझे अच्छा से जानती है। मेयर रहते मैं कितना काम की हूं। जनता उन्हें भी अच्छा से जानती है कि जो 10 साल से कुर्सी पर बैठे हैं वो क्या किए हैं। राखी गुप्ता पिछले कई साल से छपरा विधानसभा सीट पर सक्रिय थीं और भाजपा के टिकट पर अपनी दावेदारी को लेकर लगातार संगठन के संपर्क में थीं।

खेसारी लाल की पत्नी के नामांकन में फंसा पेंच लालू ने छपरा से चुनाव लड़ने का दिया था सिंबल

सारण (एजेंसियां)। भोजपुरी सुपरस्टार खेसारी लाल यादव की पत्नी और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की छपरा विधानसभा सीट से प्रत्याशी चंदा देवी के नामांकन पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। बताया जा रहा है कि उनके नामांकन को लेकर एक बड़ा पेंच फंस गया है। यह विवाद मतदाता सूची में चंदा देवी के नाम को लेकर उत्पन्न हुआ है। बताया जा रहा है कि नामांकन पत्रों की जांच (स्क्रूटनी) के दौरान यह मामला सामने आया है, कि चंदा देवी का नाम मतदाता सूची में नहीं है। इस कारण चंदा

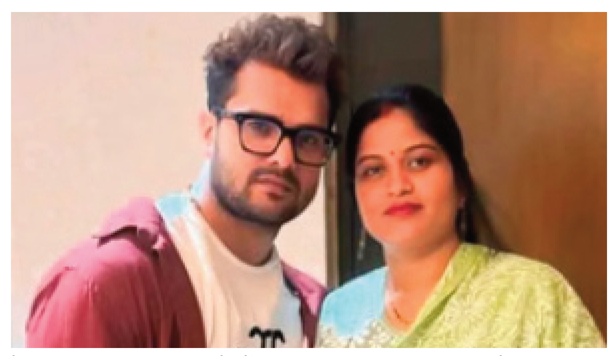

देवी की उम्मीदवारी खतरे में पड़ सकती है। स्थानीय लोग दावा कर रहे हैं कि चंदा देवी का मुंबई में मतदाता सूची में नाम है। क्योंकि वहां उनके नाम से फ्लैट और कई संपत्ति है। चंदा देवी मूल रूप से एकमा विधानसभा के धानाडीह गांव की निवासी हैं। यहां की मतदाता सूची में उनका नाम नहीं मिल रहा है।

हालांकि, धानाडीह गांव के बीएलओ का कहना है कि चंदा देवी के नाम की जांच की जा रही है। हमलोग उनके नाम का सत्यापन कर रहे हैं। जल्द ही पूरी बात सामने आ जाएगी। वहीं खेसारी के विरोधियों का कहना है कि राजद ने नामांकन सूची की जांच किए बिना ही चंदा देवी को टिकट दे दिया गया है। खेसारी लाल यादव का नाम मतदाता सूची में है। क्योंकि उन्होंने अपनी भाभी को पंचायत चुनाव में उतारा था। और, खुद इलेक्शन एजेंट बने थे। उन्होंने मतदाता भी किया था। लेकिन, उनकी पत्नी का नाम महाराष्ट्र राज्य की मतदाता सूची में होने की बात सामने आ रही है।

बता दें कि भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार और लोकप्रिय गायक खेसारी लाल यादव की राजनीति में एंट्री लगभग तय मानी जा रही थी। बताया जा रहा है कि राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद ने खुद उनकी पत्नी चंदा देवी को सिंबल दिया था। चंदा देवी तेज प्रताप यादव की पत्नी ऐश्वर्या राय की चचेरी बन भी हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में छपरा सीट से भाजपा के उम्मीदवार ने डॉ. सीएन गुप्ता ने राजद उम्मीदवार रणधीर सिंह को प्रत्याशी बनाया था। इस बार राजद के सामने भाजपा ने छोटी कुमारी को उम्मीदवार बनाया है।

सिकटा विधानसभा में हलचल, समृद्ध वर्मा भाजपा छोड़ जेडीयू में शामिल, चुनावी समीकरण बदले

सिकटा (एजेंसियां)। पश्चिम चंपारण की सिकटा विधानसभा सीट पर इस बार का चुनाव बेहद दिलचस्प होने जा रहा है। बीजेपी के युवा और लोकप्रिय नेता समृद्ध वर्मा ने अचानक पार्टी बदलकर जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) का दामन थाम लिया। यह कदम न केवल सिकटा बल्कि पूरे पश्चिम चंपारण जिले की राजनीति में नई हलचल पैदा कर गया है।

दरअसल, एनडीए के सीट बंटवारे में सिकटा विधानसभा सीट जेडीयू के खाते में चली गई थी। समृद्ध वर्मा इस सीट से भाजपा की ओर से टिकट की दावेदारी कर रहे थे और लगातार इलाके में सक्रिय भी थे। लेकिन सीट जेडीयू को मिलने के बाद उन्होंने रणनीतिक रूप से भाजपा छोड़कर जेडीयू का रुख कर लिया। सूत्रों के मुताबिक, समृद्ध वर्मा को जेडीयू से टिकट और सिंबल मिल चुका है, हालांकि पार्टी की ओर से इसकी आधिकारिक घोषणा कुछ दिनों में होने वाली है।

समृद्ध वर्मा के जेडीयू में शामिल होने के बाद स्थानीय जेडीयू संगठन में मिश्रित प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। कुछ पुराने कार्यकर्ता नाराज हैं और इसे 'पैराशूट टिकट' बता रहे हैं। उनका कहना है कि पार्टी ने वर्षों से मेहनत करने वाले स्थानीय नेताओं की अनदेखी की है। एक वरिष्ठ जेडीयू कार्यकर्ता ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, इन्हमने गांव-गांव में पार्टी का संगठन खड़ा किया, लेकिन टिकट एक बाहरी चेहरे को दे दिया गया। इससे स्थानीय कार्यकर्ताओं का मनोबल प्रभावित होगा।ह

हालांकि, एनडीए के अन्य घटक दलों भाजपा और हम के नेताओं में इस घटनाक्रम से खुशी और राहत का माहौल है। उनका कहना है कि समृद्ध वर्मा के आने से एनडीए की स्थिति मजबूत होगी क्योंकि वे युवा, पढ़े-लिखे और लोकप्रिय चेहरा हैं।

समृद्ध वर्मा राजनीतिक रूप से नया चेहरा नहीं हैं। वे सिकटा विधानसभा के पांच बार के पूर्व विधायक दिलीप वर्मा के पुत्र हैं, जिन्होंने क्षेत्र में विकास और सामाजिक कार्यों से गहरी छाप छोड़ी थी। समृद्ध वर्मा का बचपन पश्चिम चंपारण के शिकारपुर गांव में बीता, लेकिन शिक्षा और करियर की शुरुआत उन्होंने देश के प्रतिष्ठित संस्थानों से की। उन्होंने पटना और ग्वालियर के सिंधिया स्कूल से स्कूली शिक्षा प्राप्त की, मुंबई विश्वविद्यालय से बी. कॉम किया और फिर अमेरिका के कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, लॉस एंजेलिस (यूसीएलए) से इंटरनेशनल बिजनेस में पोस्ट ग्रेजुएशन किया।

अमेरिका में शानदार करियर के अवसरों के बावजूद समृद्ध वर्मा ने भारत लौटने का निर्णय लिया। उन्होंने रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और टाटा पावर लिमिटेड में ब्रांडिंग और बाहरी संचार विभाग में महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाईं। कॉर्पोरेट क्षेत्र में सफलता पाने के बाद उन्होंने राजनीति की राह चुनी। भाजपा ने उन्हें राज्य स्तरीय प्रवक्ता की जिम्मेदारी दी थी, जहां उनके वक्तृत्व कौशल और युवाओं से जुड़ने की क्षमता ने उन्हें तेजी से लोकप्रिय बनाया।

समृद्ध वर्मा ने क्षेत्र में गरीबों और किसानों के बीच लगातार संपर्क बनाए रखा और कई सामाजिक अभियानों में सक्रिय भूमिका निभाई। यही कारण है कि आज उन्हें 'गरीबों का मसीहा' कहा जाता है। अब समृद्ध वर्मा के जेडीयू प्रत्याशी बनने से सिकटा विधानसभा सीट पर मुकाबला त्रिकोणीय या बहुकोणीय होता दिख रहा है।

यहां जेडीयू के समृद्ध वर्मा के सामने, राजद-कांग्रेस गठबंधन वामपंथी दल सीपीआई के विरेंद्र गुप्ता, जन सुराज के संभावित उम्मीदवार, और निर्दलीय प्रत्याशी पूर्व मंत्री खुर्शीद आलम भी ताल ठोंक सकते हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, समृद्ध वर्मा के आने से सिकटा में एनडीए का वोट बैंक एकजुट हो सकता है। क्षेत्र में वर्मा परिवार का प्रभाव पहले से है, जबकि युवाओं और शहरी मतदाताओं में उनकी छवि साफ-सुथरी और आधुनिक नेता की है। हालांकि, जेडीयू के अंदर नाराजगी अगर बढ़ी तो यह चुनाव में चुनौती भी बन सकती है। सिकटा विधानसभा क्षेत्र की राजनीति जातीय समीकरणों पर आधारित मानी जाती है। यहां भूमिहार, यादव, मुसलमान, ठाकुर और ब्राह्मण मतदाताओं की संख्या प्रभावशाली है।

दिलीप वर्मा के समय से वर्मा परिवार को भूमिहार और पिछड़ा वर्ग दोनों में अच्छी स्वीकार्यता रही है। यदि समृद्ध वर्मा इस समर्थन को बनाए रखने में सफल रहते हैं, तो एनडीए के लिए यह सीट जीतना आसान हो सकता है।

समृद्ध वर्मा के जेडीयू में आने से एनडीए के अंदर संतुलन और रणनीति दोनों में बदलाव आया है। पहले जहां भाजपा के कार्यकर्ता सीट जेडीयू को देने से नाराज थे, अब वही कार्यकर्ता एनडीए के एकजुट अभियान की बात कर रहे हैं। सिकटा में यह चुनाव केवल उम्मीदवारों का नहीं, बल्कि एनडीए की एकता और विपक्षी एकजुटता की भी परीक्षा साबित होगा।

बेगूसराय में गिरिराज सिंह ने किया बड़ा दावा

एनडीए गठबंधन 7 में से 7 सीटें जीतने के लिए तैयार

बेगूसराय (एजेंसियां)। बिहार के बेगूसराय में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले एनडीए गठबंधन में सत्तापक्ष की तैयारियां जोर पकड़ रही हैं। बेगूसराय में एनडीए के भीतर भाजपा तीन सीटों, जदयू दो सीटों और लोजपा (रामविलास) दो सीटों पर चुनाव लड़ रही है। नामांकन की प्रक्रिया शुरू होने में मात्र दो दिन बचे हैं और इसी बीच स्थानीय सांसद और भाजपा के फायरब्रांड नेता गिरिराज सिंह बेगूसराय पहुंच चुके हैं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, बेगूसराय में पिछली बार हम मात्र तीन सीट जीत पाए थे। यह दुख की बात है, लेकिन अब गठबंधन ने जो तय किया है, उसी पर भरोसा है। इस बार हम सभी 7 सीट जीतेंगे। गिरिराज सिंह ने महागठबंधन पर भी निशाना साधा और कहा कि अभी महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री का प्रत्याशी घोषित नहीं किया गया है, क्योंकि तेजस्वी यादव का केस में नाम है और यह देखना बाकी है कि कांग्रेस उन्हें मुख्यमंत्री घोषित करती है या नहीं। उन्होंने कहा, महागठबंधन में ना नीति है, ना नेतृत्व है और ना ही नीयत है। एनडीए में नेता, नेतृत्व और नियति सब चीजें हैं।

गिरिराज सिंह ने विकास की तुलना अतीत से करते हुए कहा, इआज से 20 साल पहले शाम ढलते ही लोग घर आ जाते थे, बहन-बेटियां भी घर पर रहती थीं, सड़कें नहीं थीं, बिजली नहीं थी। आज सड़कें हैं, बिजली है। पहले चरवाहा विद्यालय था और आज हर जिले में इंजीनियरिंग और मेडिकल कॉलेज की बात है। आने वाले समय में केंद्र और बिहार सरकार मिलकर राज्य में कई बड़े प्रोजेक्ट पर काम करेगी। इसी कारण हम बेगूसराय की सभी 7 सीटें जीतेंगे।

बछवारा सीट पर खेल मंत्री सुरेंद्र मेहता की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, इकम्युनिस्ट पार्टी के अवधेश राय क्या कहकर वोट मांगेंगे? क्या यह कहेंगे कि हम फर्टिलाइजर बंद कर देंगे? कांग्रेस के प्रत्याशी क्या कहेंगे कि हमने कहा था कि रिफाइनरी में पेट्रोकेमिकल्स खोलेंगे और हमने नहीं खोला? यह सब इधर-उधर की बातें हैं। अपार बहुमत से एनडीए कैंडिडेट सभी सीटों पर जीत रहे हैं।

चिराग के सिपाही ने डेहरी की परंपरा को दी चुनौती, क्या टूटेगा क्षत्रिय उम्मीदवारों का मिथक

पटना (एजेंसियां)। बिहार की राजनीति में जाति हमेशा से एक बड़ा फैक्टर रही है, जिसे दरकिनार करने का जोखिम कोई भी राजनीतिक पार्टी नहीं उठा सकती। एनडीए, महागठबंधन समेत जन सुराज और अन्य पार्टियों ने भी इन्हीं जातीय समीकरणों को ध्यान में रखते हुए कुछेक सीटों को छोड़कर लगभग सभी सीटों पर अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। अब मतदाताओं को लामबंद करने के लिए अन्य राज्यों से भी कई बड़े चेहरे बिहार के चुनावी सभाओं में जुटने लगे हैं। हालांकि, कुछ सीटों पर जातीय समीकरण फेल भी होते रहे हैं, जिनमें से एक रोहतास जिले का डेहरी विधानसभा क्षेत्र भी शामिल है। बिहार की राजनीति में क्षत्रिय समाज का योगदान हमेशा से प्रभावशाली रहा है। राजनीतिक वर्चस्व और जातीय समीकरण को देखते हुए, सभी पार्टियां इन पर दांव आजमाती रही हैं। लेकिन इसी कड़ी में रो-हतास जिले के डेहरी विधानसभा सीट पर क्षत्रिय समाज का चुनावी इतिहास थोड़ा अलग है। यहां वर्ष 1990 से लेकर अब तक चार बार क्षत्रिय उम्मीदवारों ने अपनी किस्मत आजमाई, लेकिन हर बार उन्हें करारी शिकस्त मिली। डेहरी विधानसभा सीट क्षत्रिय उम्मीदवारों को कभी रास नहीं आई। डेहरी विधानसभा सीट में क्षत्रिय मतदाता निर्णायक भूमिका निभाते हैं। वैश्य और यादव वोटरों के बाद क्षत्रिय मतदाता तीसरे नंबर पर आते हैं। बावजूद इसके हर बार क्षत्रिय उम्मीदवारों को हार का सामना करना पड़ा है। बता दें कि डेहरी विधानसभा क्षेत्र में लगभग 44 हजार वैश्य, लगभग 40 हजार यादव और लगभग 37 हजार क्षत्रिय मतदाता हैं। इनके बाद दलित और मुसलमानों की आबादी आती है। अब एक बार फिर लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने क्षत्रिय समाज से आने वाले सोनू कुमार सिंह को अपना उम्मीदवार बनाया है। इनके समक्ष इस परंपरा को तोड़ने की चुनौती है। देखना दिलचस्प होगा कि क्या सोनू कुमार सिंह बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में इस परंपरागत हार के मिथक को तोड़ पाएंगे या परंपरा यूं ही बरकरार रहेगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com